हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 03, अंकः-171, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.

लखनऊ, बुधवार 03 दिसम्बर 2025

सदगुरुदेव हमारे हृदय में ज्ञान का प्रकाश प्रज्वलित करते हैं...02

रुश्दी मियां के तूफ़ानी दौरों से रुदौली का सियासी पारा गर्म...06

सरकारी कैब भारत टैक्सी का दिल्ली में पायलट ऑपरेशन शुरू

सोना 1,207 गिरकर 1.28 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ

एपल ने अमर सुब्रमण्या को एआई टीम का वाइस-प्रेसिडेंट बनाया

योगी कैबिनेट मीटिंग में 20 प्रस्तावों पर लगी मुहर

➲ हर मंडल में बनेगा दिव्यांग पुनर्वास केंद्र ➲ अयोध्या में होगा विश्वस्तरीय मंदिर संग्रहालय ➲ कारोबारियों को एसजीएसटी छूट, कानपुर और बरेली की पेयजल व्यवस्था सुधारने की योजना मंजूर ➲ औद्योगिक विकास एवं निवेश प्रोत्साहन

हर महीने 21 तारीख को नौकरी का मौका

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार अब हर महीने की 21 तारीख को रोजगार मेला आयोजित करेगी, जहां बेरोजगार युवाओं को विभिन्न कंपनियों में नौकरी पाने का अवसर मिलेगा। इसके लिए सरकार ने राज्यभर में बेरोजगार युवाओं की विस्तृत सूची तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, ताकि उन्हें रोजगार मेलों में प्राथमिकता दी जा सके। यूपी कौशल विकास मिशन के तहत सभी मंडलों में 10 दिसंबर तक अनिवार्य रूप से कौशल प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। प्रतियोगिताओं का उद्देश्य युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाना है।पिछले तीन वर्षों में प्रशिक्षण लेने वाले बेरोजगार युवाओं का विस्तृत डेटाबेस तैयार किया जाएगा।

लखनऊ, संवाददाता। योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को लोकभवन में कैबिनेट की बैठक हुई। बैठक में कैबिनेट के समक्ष 20 प्रस्ताव रखे गए, जिसमें से विकास और संगठनात्मक सुधारों से जुड़े 19 प्रस्तावों को कैबिनेट ने मंजूर किया है। इनमें अयोध्या को विश्वस्तरीय धार्मिक पर्यटन केंद्र बनाने, प्रदेश में औद्योगिक निवेश बढ़ाने के लिए कारोबारियों को बड़ी राहत देने, तथा खेल, पेयजल और दिव्यांगजन कल्याण से संबंधित अहम निर्णय शामिल हैं।इनमें राज्य में प्रत्येक मंडल मुख्यालय पर जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र स्थापना और पर्यटन क्षेत्र के लिए नई नियमावली के प्रस्ताव को मंजूरी मिली है।बैठक के बाद वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि कैबिनेट बैठक में दिव्यांगजनों के लिए एक अहम निर्णय लिया गया। सरकार ने राज्य के सभी 18 मंडलों में नए जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र डीडीआरसी खोलने को मंजूरी दे दी है। वर्तमान में प्रदेश के 38 जिलों में ऐसे केंद्र चल रहे हैं। कुछ समस्याओं के कारण कई जगह संचालन प्रभावित हो रहा था। सरकार पूरे ढांचे को नए सिरे से संसाधनों से लैस करते हुए संचालित करने जा रही है, दिव्यांगजनों को मिलने वाली सेवाओं में कोई बाधा न आए। नए डीडीआरसी खुलने से प्रदेश में दिव्यांगजनों को एक ही जगह पर सर्वे, पहचान, शिविर, सहायक उपकरण, कृत्रिम अंग फिटमेंट और प्रशिक्षण जैसी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध होंगी। फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी जैसी नैदानिक सेवाएं भी इन केंद्रों पर दी जाएंगी। यूडीआईडी कार्ड और दिव्यांग प्रमाणपत्र जैसे जरूरी दस्तावेज बनवाने में भी अब लोगों को ज्यादा चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इस फैसले से दिव्यांगजनों को योजनाओं का लाभ समय पर और सुगमता से मिल सकेगा तथा उनके पुनर्वास की पूरी प्रक्रिया मजबूत होगी। कैबिनेट ने शहरी पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं को हरी झंडी दे दी है। अटल नवीकरण एवं शहरी रूपांतरण मिशन-अमृत 2.0 के तहत बरेली और कानपुर नगर निगम क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति सुधारने और नेटवर्क विस्तार के लिए 582.74 करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी मिली है।

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को योगी कैबिनेट ने दी राहत, सरकार ने साफकिया ड्यूटी मानने का नियम

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों को बड़ी राहत देते हुए स्पष्ट कर दिया है कि अब वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं, ट्रेनिंग कैंपों और संबंधित गतिविधियों में शामिल होने की पूरी अवधि, आवागमन के समय सहित ड्यूटी मानी जाएगी। मंत्रिमंडल के इस फैसले से खिलाड़ियों को अनुमति लेने में होने वाली मुश्किलें खत्म होंगी। कैबिनेट की बैठक के बाद वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अब तक अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती नियमावली-2022 में ऐसी कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं थी। सेवा नियमावली में अवकाश संबंधी प्रावधान न होने के कारण खिलाड़ियों को प्रतियोगिताओं और प्रशिक्षण शिविरों में भाग लेने के लिए अनुमति प्रक्रिया में दिक्कतें आती थीं। उन्होंने कहा कि अब सरकार नई प्रणाली लागू कर रही है, जिसमें साफ व्यवस्था होगी कि नियुक्त खिलाड़ी जब भी किसी राष्ट्रीयध्अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता, कैंप या प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लें, वह अवधि सेवा अवधि (ड्यूटी) मानी जाएगी।

हर मण्डल में खुलेगा जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में लोक भवन, लखनऊ में आयोजित कैबिनेट बैठक में प्रदेश के सभी 18 मण्डल मुख्यालयों पर जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र की स्थापना एवं संचालन राज्य सरकार के संसाधनों से किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। वर्तमान में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा केवल 37 जनपदों में जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र का संचालन किया जा रहा है, जिनमें से 11 ही मण्डल मुख्यालयों पर संचालित हैं। प्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने कहा कि योगी सरकार दिव्यांगजनों के सम्मान, सुरक्षा और समग्र सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है।

अयोध्या में विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय सांस्कृतिक पहचान का नया अध्याय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कैबिनेट बैठक ने प्रदेश के पर्यटन परिदृश्य को नई गति देने वाले तीन महत्वपूर्ण प्रस्तावों को हरी झंडी दे दी। बैठक में अयोध्या में विश्व स्तरीय मंदिर संग्रहालय के निर्माण एवं संचालन के प्रस्ताव के साथ-साथ उत्तर प्रदेश अधीनस्थ पर्यटन सेवा नियमावली 2025 को मंजूरी और बागपत में अंतरराष्ट्रीय योग एवं वेलनेस सेंटर की स्थापना के प्रस्तावों को स्वीकृति दी है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने तीनों प्रस्तावों पर कैबिनेट की सहमति को प्रदेश में पर्यटन विकास के लिए ऐतिहासिक कदम बताया है। कैबिनेट ने अयोध्या में अत्याधुनिक और विश्वस्तरीय मंदिर संग्रहालय निर्णय का मार्ग प्रशस्त किया है।

संचार साथी प्री-इंस्टॉल पर प्रियंका गांधी ने बताया जासूसी ऐप

कहा, हर मोबाइल पर नजर रखना चाहती है सरकार...

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने संचार साथी ऐप को मोबाइल पर डाउनलोड करने को हास्यास्पद बताते हुए आरोप लगाया कि यह जासूसी ऐप है जिसके जरिए सरकार हर मोबाइल पर नजर रखना चाहती है। प्रियंका वाड्रा ने मंगलवार को संसद भवन परिसर में पत्रकारों के मोबाइल हैंडसेट पर संचार साथी ऐप प्री-इंस्टॉल करने संबंधी सवाल पर कहा कि संचार साथी एक जासूसी ऐप है और यह हास्यास्पद है। नागरिकों को निजता का अधिकार है और सभी को निजता का अधिकार होना चाहिए ताकि वे अपने परिवार और दोस्तों को निजी संदेश भेज सकें लेकिन सरकार इस निजता को छीनने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ टेलीफोन पर जासूसी नहीं है। वे इस देश को हर तरह से तानाशाही में बदल रहे हैं और संसद इसलिए नहीं चल रही है। सरकार किसी भी विषय पर चर्चा करने से इनकार कर रही है और किसी भी विषय पर चर्चा नहीं होने दे रही है। यह लोकतंत्र की परंपरा नहीं है। एक स्वस्थ लोकतंत्र में चर्चा होती है और हर किसी के अलग-अलग विचार होते हैं और आप उनकी बात सुनते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा ष्मोबाइल पर तरह-तरह की धोखाधड़ी हो रही है और इस धोखाधड़ी की रिपोर्ट करने के लिए एक प्रभावी प्रणाली होनी चाहिए।

चुनाव सुधारों पर लोकसभा में 9 दिसंबर को चर्चा

➲ सरकार ने एसआईआर पर बहस के लिए अड़े विपक्ष को मनाया, 8 दिसंबर को वंदे मातरम् पर चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव सुधार यानी एसआईआर पर लोकसभा में 9 दिसंबर को चर्चा होगी। संसद में दो दिन से फौरन चर्चा पर अड़ा विपक्ष बहस के लिए मान गया है। मंगलवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात के बाद कांग्रेस नेता के. सुरेश ने बताया, 9 दिसंबर को इलेक्टोरल रिफॉर्म्स यानी चुनावी सुधारों पर 10 घंटे बहस होगी। साथ ही उन्होंने कहा- एक दिन पहले 8 दिसंबर को वंदे मातरम् पर चर्चा होगी। इसके लिए भी 10 घंटे का समय तय किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बहस की शुरुआत करेंगे। वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर सरकार सदन में इस पर चर्चा करा रही है। शीतकालीन सत्र के पहले दो दिन हंगामे की वजह से सदन का कामकाज प्रभावित हुआ। विपक्ष एसआईआर और वोट चोरी के आरोप पर फौरन चर्चा की मांग पर अड़ा था। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्य

सभा में कहा एसआईआर की प्रोसेस के दौरान 12-13 लोगों की जान जा चुकी है। ये अर्जेंट मैटर है। फौरन चर्चा होनी चाहिए। विपक्ष ने दोनों सदनों की कार्यवाही चलने नहीं दी। वोट चोर-गद्दी छोड़ के नारे लगाए। इसके बाद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने दोनों पक्षों को अपने मीटिंग रूम में बुलाया था। यहां सहमति बनी कि कल से सदन बिना किसी हंगामे के चलेगा। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, संसद सत्र समय-सीमा के अनुसार चलता है। हम कह रहे हैं कि एसआईआर पर चर्चा होनी चाहिए। बीएलओ को इतने भारी टारगेट दिए जा रहे हैं कि वे तनाव से मर रहे हैं। इस पर चर्चा होनी चाहिए। वे ऐसा नहीं करना चाहते क्योंकि चोर की दाढ़ी में तिनका है। संसद के शीतकालीन सत्र में 8 दिसंबर को वंदे मातरम् पर 10 घंटे चर्चा होगी। बहस की शुरुआत पीएम मोदी करेंगे। वहीं अगले दिन 9 दिसंबर को इलेक्टोरल रिफॉर्म्स यानी चुनावी सुधारों पर 10 घंटे बहस होगी। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल बुधवार, 10 दिसंबर को इसका जवाब देंगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने एसआईआर पर चर्चा की विपक्ष की मांग को लेकर सदन में जारी गतिरोध को तोड़ने के लिए मंगलवार को पार्टी नेताओं की बैठक बुलाई। इस मुद्दे पर लोकसभा में बार-बार हंगामे के बाद अध्यक्ष की यह बैठक हो रही है। इससे पहले, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राजनीतिक दलों के सदन नेताओं से मुलाकात की, लेकिन चुनाव सुधारों पर चर्चा के लिए कोई समय-सीमा बताने से इनकार कर दिया।

उन्होंने तर्क दिया कि विपक्ष सरकार पर अपनी शर्तें थोप नहीं सकता। सरकार वंदे मातरम के 150वें वर्ष पर चर्चा कराने की इच्छुक है और इस विषय के लिए 10 घंटे का समय आवंटित किया है। स्पीकर ओम बिड़ला ने गतिरोध खत्म करने के लिए दोपहर 3 बजे सर्वदलीय बैठक बुलाई है।

संचार साथी ऐप स्वैच्छिक, इसका इस्तेमाल उपयोगकर्ता की मर्जी पर निर्भर: सरकार

नयी दिल्ली, एजेंसी। संचार साथी ऐप को लेकर विपक्ष की चिंताओं के बीच संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह स्वैच्छिक और वैकल्पिक है और किसी भी तरह अनिवार्य नहीं है। इस ऐप को निजता के लिए खतरा बताये जाने को अफवाह करार हुए श्री सिंधिया ने कहा कि यह स्वैच्छिक ऐप है और इसका इस्तेमाल उपयोगकर्ता की इच्छा पर निर्भर है। उपयोगकर्ता चाहे तो अपने मोबाइल पर इसे सक्रिय करे या न करे और वह आसानी से इसे डिलीट भी कर सकता है। श्री सिंधिया ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि देश के हर नागरिक की डिजिटल सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। संचार साथी ऐप का उद्देश्य है कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी निजता की रक्षा कर सके और ऑनलाइन ठगी से सुरक्षित रह सके। यह एक पूरी तरह स्वैच्छिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था है। उपयोगकर्ता चाहें तो ऐप को सक्रिय कर इसके लाभ ले सकते हैं और न चाहें तो इसे अपने फ़ोन से आसानी से डिलीट कर सकते हैं। उन्होंने संचार साथी ऐप को सुरक्षा, पारदर्शिता और कस्टमर-फर्स्ट दृष्टिकोण को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया और कहा कि यह लगातार लोकप्रिय ऐप बन रहा है और लोग इस पर भरोसा कर रहे हैं। अब तक 20 करोड़ से ज्यादा लोग पोर्टल का उपयोग कर चुके हैं। डेढ़ करोड़ से ज्यादा यूज़र्स ऐप से जुड़े हुए हैं और नागरिकों द्वारा नॉट माई नम्बर चुने जाने पर 1.43 करोड़ से ज्यादा मोबाइल कनेक्शन डिस्कनेक्ट किए हैं।

दिल्ली में वायु प्रदूषण के लिए केवल किसानों का पराली जलाना जिम्मेदार नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी। उचतम न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली में वायु प्रदूषण के संकट के लिए किसानों को अकेला जिम्मेदार ठहराने की बढ़ती प्रवृत्ति पर सवाल उठाया। न्यायालय ने कहा कि पराली जलाना कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान भी मौजूद था, जबकि राजधानी में उस समय असाधारण रूप से साफ आसमान देखा गया था। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण पर लंबे समय से लंबित एमसी मेहता की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि पराली जलाने के आसपास की कहानी को एक राजनीतिक मुद्दा या अहंकार का मुद्दा नहीं बनाया जाना चाहिए। पीठ ने दोहराया कि दिल्ली की जहरीली हवा के कई स्रोत हैं। मुख्य न्यायाधीश ने प्रदूषण के प्राथमिक योगदानकर्ताओं की पहचान करने वाले वैज्ञानिक विश्लेषणों पर स्पष्टता की मांग की। उन्होंने कहा कि जहाँ पराली जलाने को लगातार उजागर किया जाता है, वहीं उन लोगों पर बोझ डालना गलत होगा जिनका न्यायालय में शायद ही कोई प्रतिनिधित्व हो। उन्होंने कहा कि कोविड के दौरान भी पराली जलाई गई थी। अब असली सवाल यह है कि उस समय साफ नीला आसमान क्यों दिखाई दे रहा था। न्यायालय ने कहा कि किसान अक्सर अपनी आजीविका की रक्षा के लिए पराली जलाते हैं और उन्हें अनुचित रूप से दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए। पीठ ने केंद्र को निर्देश दिया कि वह पराली जलाने के अलावा अन्य सभी प्रमुख प्रदूषण स्रोतों को रोकने के लिए उठाए गए प्रभावी उपायों पर एक सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करे। न्यायालय ने सरकार से पूछा कि क्या उसकी कार्य योजनाओं ने ठोस सुधार किए हैं? उन योजनाओं की फिर से जाँच क्यों नहीं की जा सकती है?

संविधान-लोकतंत्र की रक्षा के लिए एसआईआर पर गंभीर चर्चा कराए सरकार: राहुल गांधी

नयी दिल्ली, एजेंसी। विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन ने संसद की कार्यवाही शुरु होने से पहले मंगलवार को यहां भवन परिसर के मकर द्वार के बाहर जबरदस्त प्रदर्शन किया जिसमें कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे, द्रमुक के टी आर बालू सहित संसद के दोनों सदनों के कई सांसदों ने हिस्सा लिया।प्रदर्शन में प्रियंका गांधी तथा खरगे के साथ ही लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, उपनेता गौरव गोगोई, पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल, प्रियंका गांधी वाड्रा, टी आर बालू सहित कई अन्य नेताओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाए और हाथों में तख्तियां तथा बैनर लेकर एसआईआर के विरोध में नारेबाजी की। विपक्षी दलों का कहना है कि बिहार के बाद अब 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रही एसआईआर की प्रक्रिया के तहत बड़ी संख्या में मतदाताओं को उनके अधिकार से वंचित किया जा रहा है। राहुल गांधी ने बाद में सोशल मीडिया फेसबुक पर विरोध प्रदर्शन की जानकारी देते हुए लिखा कि संसद भवन के बाहर आज इंडिया गठबंधन ने एसआईआर के विरोध में बड़ा प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कह तो जाते हैं कि संसद भारत के लोगों का है, मगर जनता के जरूरी मुद्दों पर चर्चा से उनकी सरकार भागती रहती है।

मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक 2025 को संसद की मंजूरी

नयी दिल्ली, एजेंसी। मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक 2025 को आज संसद की मंजूरी मिल गयी। राज्यसभा में इस पर मंगलवार को व्यापक चर्चा हुई और विधेयक को ध्वनि मत से मंजूर करने के बाद लोकसभा को लौटा दिया गया। लोकसभा ने विधेयक को सोमवार को ही पारित कर दिया था। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने विधेयक पर हुयी चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि जीएसटी सिर्फ मणिपुर के लिए ही नहीं, पूरे देश के लिए है और संशोधित जीएसटी 22 सितम्बर से पूरे देश में लागू है। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन है इसलिए वहां संशोधित जीएसटी को संसद की मंजूरी के साथ वहां लागू किया जा रहा है। श्रीमती सीतारमण ने विधेयक का जवाब देते हुए विपक्ष पर भी हमला किया और कहा कि जब मणिपुर के लिए महत्वपूर्ण मौका आया है तो विपक्षी दलों ने संसद से बर्हिगमन किया है। उनका कहना था कि विपक्ष सिर्फ बातें करता है और वह मणिपुर को लेकर गंभीर नहीं है। उनका कहना था कि जब भी मणिपुर को लेकर चर्चा होती है, विपक्ष उसमें हिस्सा नहीं लेता है और इस बार भी उसका वही रवैया रहा है और जब मणिपुर में जीएसटी लागू करने को लेकर संसद में चर्चा हो रही है तो विपक्ष सदन से बाहर चला गया है। उनका कहना था कि विपक्ष सिर्फ बातें करता है और मणिपुर को लेकर जिम्मेदार नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष सिर्फ आरोप लगाता है और मणिपुर को लेकर सिर्फ मगरमच्छ के आंसू बहाता है। वित्तमंत्री ने कहा कि मणिपुर को लेकर जीएसटी विधेयक के पारित होने से इससे संबंधित बेवजह के विवादों का आसानी से निपटारा किया जा सकेगा।

गोवा में आम आदमी पार्टी का हेल्थ मॉडल चमका

800 हेल्थ कैंपों में 20,000 से ज्यादा मरीजों का इलाज

गोवा, एजेंसी। गोवा की राजनीति में लंबे समय से एक कमी महसूस होती रही है, स्वास्थ्य सेवाएँ हर घर तक नहीं पहुँच पाती थीं। लोगों को छोटी-सी बीमारी के लिए भी शहर के बड़े अस्पतालों तक जाना पड़ता था। टाइम, पैसा, और ऊपर से महंगी दवाएँ, आम लोगों के लिए इलाज एक तनाव बन चुका था। सरकारें आईं और गईं, भाषण और वादे बहुत हुए, लेकिन लोगों की बीमारी और परेशानियाँ वहीं की वहीं रहीं। फिर आम आदमी पार्टी ने एक अलग और जमीन से जुड़ा कदम उठाया। उन्होंने कहा इलाज जनता तक पहुँचना चाहिए, जनता को अस्पताल तक नहीं। इसी सोच के साथ गोवा में बड़े पैमाने पर हेल्थ कैंप लगाए गए, जहां इलाज सीधे लोगों तक पहुँचा। आज तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। 800 से ज्यादा हेल्थ कैंप आयोजित हुए, और 20,000 से अधिक मरीजों का फ्री या बेहद सस्ते में इलाज हुआ। किसी बुजुर्ग को दरवाजे के पास दवा मिली, किसी बच्चे की जांच तुरंत हो गई, किसी महिला का ब्लड प्रेशर बिना शुल्क मापा गया।न लंबी लाइनें, न सिफारिश सीधा इलाज, सीधे लोग। बीजेपी सरकार ने बजट और घोषणाओं की बात तो बहुत की।

बम की धमकी के बाद इंडिगो का विमान हैदराबाद से मुंबई डायवर्ट, नहीं मिला कोई विस्फोटक

मुंबई, एजेंसी। कुवैत से हैदराबाद आ रहे इंडिगो के एक विमान को मंगलवार सुबह मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) पर उस समय आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी जब अधिकारियों को बम होने की गंभीर धमकी मिली। सुरक्षाकर्मी विमान के उतरते ही तुरंत उसे अलग स्थान पर ले गये और उसकी गहन जाँच की। विमान में बम होने की चेतावनी देने वाला यह संदेश ईमेल के जरिये भेजा गया था, जिसके बाद हैदराबाद और मुंबई दोनों हवाई अड्डों पर सुरक्षा एजेंसियों ने पूरी तरह से आपातकालीन प्रोटोकॉल लागू कर दिया।

प्रधानमंत्री कार्यालय का नाम अब सेवा तीर्थ

केंद्रीय सचिवालय कर्तव्य भवन और राजभवन अब लोकभवन कहलाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) का नाम बदलकर सेवा तीर्थ कर दिया है। देश भर के राज्य भवन का नाम अब लोक भवन होगा। इसके अलावा केंद्रीय सचिवालय को कर्तव्य भवन के नाम से जाना जाएगा। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने सरकार के सूत्रों के हवाले से मंगलवार को यह जानकारी दी। पीएमओ के अफसरों ने कहा, सार्वजनिक संस्थानों में बड़ा बदलाव हो रहा है। सत्ता से सेवा की ओर बढ़ रहे हैं। ये बदलाव प्रशासनिक नहीं, सांस्कृतिक है। इससे पहले केंद्र सरकार ने राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ किया था। पीएम का आधिकारिक निवास भी रेस कोर्स रोड कहलाता था, जिसे 2016 में बदलकर लोक कल्याण मार्ग किया गया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पिछले साल राज्यपालों के सम्मेलन में हुई एक चर्चा का हवाला देते हुए कहा कि राज भवन नाम औपनिवेशिक मानसिकता को दर्शाता है। इसलिए राज्यपालों और उप-राज्यपालों के कार्यालयों को अब लोक भवन और लोक निवास के नाम से जाना जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दफ्तर (पीएमओ) अब 78 साल पुराने साउथ ब्लॉक से निकलकर सेवा तीर्थ नाम वाले नए एडवांस कैंपस में शिफ्ट होने जा रहा है।

कश्मीर के मोर्चे से बड़ी खुशखबरी

आतंकवाद से जुड़ी हिंसा में आई जबरदस्त कमी, पिछले 5 साल का तोड़ा रिकार्ड

जम्मू, एजेंसी। कश्मीर के मोर्चे से यह खुशखबरी है कि कश्मीर में पाक परस्त आतंकवाद से जुड़ी हिंसा में जबरदस्त कमी आई है। हालांकि आतंक और दहशत में कोई कमी नहीं आई थी जिस कारण सीमा पार से बना हुआ खतरा अपने स्थान पर बरकार था। आंकड़े इसे बयां करते हैं कि पिछले महीने मात्र दो हत्याओं के साथ आतंकी हिंसा ने पिछले पांच साल का रिकार्ड तोड़ा है। इतना जरूर था कि पिछले महीने श्रीनगर के नौगाम पुलिस स्टेशन में हुए धमाके, जिनमें नौ लोग मारे गए थे, उनको फिलहाल संदिग्ध की श्रेणी में ही डाला गया है।अगर आधिकारिक रिकार्ड पर एक नजर डालें तो पिछले साल नवम्बर महीना 12 लोगों को लील गया था। हालांकि इनमें एक सुरक्षाकर्मी, 8 आतंकी और तीन नागरिक थे। इसी तरह से वर्ष 2023 का नवम्बर महीना 18 लोगों की जानें लेने में कामयाब रहा था। जबकि वर्ष 2022 व वर्ष 2021 में क्रमशः 11 और 21 मौतें को कश्मीर ने नवम्बर महीने में देखा था।

सदगुरुदेव हमारे हृदय में ज्ञान का प्रकाश प्रज्ज्वलित करते हैं- भक्ति किंकर श्रीधर गोस्वामी महाराज

⇨ कार्यक्रम में भक्ति किंकर श्रीधर गोस्वामी महाराज के अवतरण दिवस पर यूपी रत्न डॉ. गोपाल चतुर्वेदी द्वारा किया गया उनका सम्मान

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

वृन्दावन। राधा निवास क्षेत्र स्थित श्रीभक्तिकुसुम गौडीय मठ में श्रीधर गौडीय गुरुकुल सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में चल रहा श्रील भक्तिकुसुम श्रमण गोस्वामी महाराज का त्रिदिवसीय 39वां तिरोभाव महोत्सव और 17वां गीता जयंती वार्षिक महोत्सव विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के मध्य संपन्न हुआ।महोत्सव के तीसरे दिन विराट धर्म सभा आयोजित हुई।जिसकी अध्यक्षता करते हुए गौडीय सम्प्रदायाचार्य श्रील भक्ति किंकर श्रीधर गोस्वामी महाराज ने कहा कि सदगुरुदेव की कृपा के बिना प्रभु की भक्ति और कृपा पाना सहज नहीं है।क्योंकि सदगुरु भगवान ही हमारे जीवन के अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर हमारे हृदय में ज्ञान का प्रकाश प्रज्ज्वलित करते हैं।इसीलिए वेद और पुराणों में भी सदगुरु की महिमा का विस्तार से बखान किया गया है। प्रख्यात साहित्यकार 卐यूपी रत्न卐 डॉ. गोपाल चतुर्वेदी एवं शुकाचार्य पीठाधीश्वर डॉ. रमेश चंद्राचार्य विधिशास्त्री महाराज ने कहा कि श्रीभक्तिकुसुम गौडीय मठ के संस्थापक भक्ति किंकर श्रीधर गोस्वामी महाराज धर्म व अध्यात्म जगत के जाज्वल्यमान नक्षत्र हैं।उनके द्वारा अनेक सनातनी बटुकों को धर्म ग्रंथों की नि:शुल्क शिक्षा दी जा रही है।हमें आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि उनके द्वारा शिक्षा प्राप्त किए हुए विद्यार्थी भविष्य में सनातन धर्म की पताका समूचे विश्व में फहराएंगे। बी. एस. तीर्थ महाराज एवं बी. एस. नृसिंह महाराज ने कहा कि सदगुरु का आश्रय लिए बिना प्रभु की भक्ति मिलना संभव नहीं है।जिस प्रकार नदी पार करने के लिए नौका की आवश्यकता होती है,उसी प्रकार भवसागर पार करने के लिए एवं प्रभु भक्ति पाने के लिए हमें सदगुरु की परम् आवश्यकता होती है।इसीलिए हमें अपने जीवन में सदगुरु अवश्य बनाने चाहिए, जिससे कि हमारा कल्याण हो सके। महोत्सव के अंतर्गत भक्ति किंकर श्रीधर गोस्वामी महाराज के अवतरण दिवस के अवसर पर ब्रज सेवा साहित्य मण्डल के अध्यक्ष यूपी रत्न डॉ. गोपाल चतुर्वेदी के द्वारा उनका सम्मान किया गया।साथ ही समस्त सन्तों-विद्वानों द्वारा उन्हें शुभकामनाएं व बधाइयां दी गई। इस अवसर पर बी. एस. सुमन महाराज, युवा साहित्यकार डॉ. राधाकांत शर्मा एवं जय कृष्ण दास आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। महोत्सव का समापन सन्त, ब्रजवासी, वैष्णव सेवा एवं वृहद भंडारे के साथ हुआ।जिसमें सैकड़ों व्यक्तियों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया।

के.वी.एन. स्पोर्ट्स एक्सीलेंस सेंटर का हुआ भव्य उद्घाटन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। मिसिरपुर रोहनिया स्थित के वी एन स्पोर्ट्स एक्सीलेंस सेंटर का भव्य उद्घाटन रोहनिया विधायक सुनील कुमार पटेल के हाथों संपन्न हुआ के वी एन स्पोर्ट्स एक्सीलेंस सेंटर के प्रबंधक दीपक कुमार सिंह ने बताया कि मैने इसे स्पोर्ट्स क्लब के रूप में स्थापित किया है जिसमे मुख्य रूप से बैडमिंटन खेला जाएगा बैडमिंटन में चार इंटरनेशनल कोर्ट बनाए गए हैं। इसमें नेशनल और इंटरनेशनल के खिलाड़ी प्रशिक्षण ले सकते हैं,इसके साथ-साथ यहां आवासीय डॉरमेट्री एवं खाने की सुविधा भी उपलब्ध है। शहर के कुशल ट्रेनरों द्वारा बच्चों को प्रशिक्षण दिया जाएगा । इसका समय सुबह 5:00 से लेकर रात में 11:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। बैडमिंटन के चाहने वालों की मांग को लेकर यह प्रशिक्षण केंद्र पहला वाराणसी में खोला गया है। वाराणसी प्रधानमंत्री का संसदीय क्षेत्र है प्रधानमंत्री ने खेल को लेकर यह कहा है कीं खेलेगा इंडिया जीतेगा इंडिया इस स्लोगन को लेकर मैंने ग्रामीण बच्चों के विकास के लिये यह सेंटर खोला है ।इस केंद्र में ग्रामीण क्षेत्र की उभरती प्रतिभाओं को भी मौका दिया जाएगा जिससे वे अपनी प्रतिभा जनता को दिखा सके। उद्घाटन के समय मुख्य रूप से जिला बैडमिंटन एसोसिएशन की सेक्रेटरी नागेंद्र सिंह बैडमिंटन एसोसिएशन जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के वाइस प्रेसिडेंट एवं अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी आर एन सरकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अशोक आनंद ने किया।

इनर व्हील क्लब 312 बनारस एवम जय मां भगवती सेवा समिति द्वारा निशुल्क नेत्र परीक्षण एवं शिविर का आयोजन।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। इनर व्हील क्लब 312 बनारस अध्यक्ष सुषमा सिंह एवम जय मां भगवती सेवा समिति एवम आई जे शंकरा आई हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में निशुल्क नेत्र परीक्षण एवं शिविर का आयोजन ग्राम पचोखर रामलीला मैदान जमानिया जिला गाजीपुर में किया गया। यह शिविर स्वर्गीय रामकेश्वर गुप्ता की स्मृति में लगाया गया। ट्रस्ट की अध्यक्ष लक्खी गुप्ता ने बताया कि जो लोग गांव बाहर जाने में असमर्थ है एवं जिनके पास इलाज के लिए पैसे नहीं है वह लोग अपना इलाज यहां आकर मुफ्त में करा सकते हैं आज इस शिविर में 150 लोगों ने आंखों की जांच कराई जांच के साथ-साथ 50 लोगों का निशुल्क ऑपरेशन भी किया गया। सुषमा सिंह एवम लक्खी गुप्ता ने बताया कीं निर्धन असहाय लोगों की सेवा करना मेरा परम कर्तव्य है इस कर्तव्य को मैं पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ मैं निभा रही हु। मैं तहसील में मुख्य रूप से डॉ लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता ने मुख्य भूमिका निभाई।

समरस समाज समृद्ध राष्ट्र की नींव है-अरुण दीक्षित

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। सेंटरफॉर सनातन रिसर्च वाराणसी पर भगवान परशुराम सेवा संस्थान द्वारा संचालित सामाजिक संगठन सामाजिक चेतनामंच के मुख्य संरक्षक कलराज मिश्र पूर्व राज्यपाल हिमाचल एवं राजस्थान के निर्देश पर जोन अध्यक्ष वाराणसी डॉक्टर अभिषेक द्विवेदी गणेश के संयोजन में संगठन सृजन के सम्बन्ध में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण दीक्षित ने कहा कि मुख्य संरक्षक कलराज मिश्र के निर्देश पर में उत्तर प्रदेश स्तरीय जनचेतना यात्रा पर निकले हैं,जिस के क्रम में आज वाराणसी में ये आयोजन किया गया है,हमारा लक्ष्य सभी धर्म,पंथ ,जातियों को एक मंच पर एकसाथ लाकर आपसी सौहार्द एवं समरसता एवं राष्ट्र प्रेम के आधार पर भावना जागृत कर एक आदर्श समाज की स्थापना है,हमारे संगठन का मानना है कि समरस समाज ही समृद्ध राष्ट्र की नींव है। दीक्षित ने बताया कि उत्तर प्रदेश के समस्त 403 विधानसभा क्षेत्रों के अंतर्गत छत्तीसों समाज के दो,दो,हजार जो पदाधिकारी संगठन के है,उनके शपथ पत्र भरवाने का लक्ष्य 31-10-2026, तक पूर्ण करना निश्चित हुआ है,इसके बाद दो,दो जन पदों के एकसाथ शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किए जायेंगे ,इस कार्य के लिए जोन अध्यक्ष वाराणसी डॉ अभिषेक द्विवेदी गणेश को जोन प्रभारी वाराणसी तथा प्रवेक्षक भारतीय स्वर्णकार समाज कल्याण मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सेठ केशव प्रसाद को नियुक्त किया गया । प्रेस वार्ता में मण्डल अध्यक्ष डॉ श्रीश रंजन त्रिपाठी, जिला अध्यक्ष डॉ अभिषेक मिश्रा , अग्नि त्रिपाठी, महानगर अध्यक्ष डॉ.कृष्ण मोहन द्विवेदी जिला महामंत्री हिमांशु प्रतापगढ़ जिलाध्यक्ष अग्नि, विकाश, रजनीश केशव सेठ , आदि पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सम्मिलित हुए।

बौद्धिक संपदा अधिकार आधुनिक युग की सबसे मूल्यवान सम्पत्ति -कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता अयोध्या

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के श्रीराम शोध पीठ सभागार में बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन आई क्यू ए सी द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने किया। प्रमुख वक्ता के रूप में सनशैडो कंसलटेंट प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली की प्रेसिडेंट डॉ. मोनिका शुक्ला एवं वाईस प्रेसिडेंट विजय शर्मा रहे। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने बताया कि बौद्धिक संपदा अधिकार मानव रचनात्मकता के परिणाम, आविष्कार, और ब्रांडों के लिए कानूनी अधिकार है। उनके दुरुपयोग से बचाने के लिए शोधकर्ता या निर्माणकर्ता को क़ानूनी अधिकार प्रदान करता है। कुलपति ने कहा कि आज की इस तकनीकी युग में नए आविष्कारों और नई प्रगति की सुरक्षा पेटेंट के माध्यम से की जाती है। आईपीआर आधुनिक युग की सबसे मूल्यवान सम्पत्ति है, यह मानवीय विकास को गति देने वाली तकनीक को पुरस्कृत करती है। भारत डबल्यू आईपीओ का भी सक्रिय सदस्य है, इसके तहत शोध-पत्र, नई डिज़ाइन, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क और औद्योगिक डिज़ाइन आते हैं। डॉ. मोनिका ने कहा कि आईपीआर की आज के आधुनिक युग में बेहद आवश्यकता है। उच्च शिक्षा में इस क्षेत्र में काफ़ी काम किए जाने की आवश्यकता है। आईपीआर शोध और विकास में अधिकारों को संरक्षित करता है और वैधानिक मंच प्रदान कर उसे अनाधिकृत उपयोग से रोकता है। पहले की अपेक्षाकृत अब पेटेंट पर काफ़ी काम हो रहा है, इससे लोगों की रचनात्मकता और खोज की सुरक्षा करता है। आईपीआर अंतरराष्ट्रीय मानकों पर देश और संस्थान की प्रतिष्ठा को बढ़ाता है। आईपीआर के प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए विजय शर्मा ने कहा कि विज्ञान, प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में आईपीआर पर काफ़ी कार्य हो रहा है। आई क्यू ए सी के निदेशक प्रो. हिमांशु शेखर ने कहा कि आईपीआर नवाचार को बढ़ावा देता है और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गीतिका श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक, प्रो. अनूप कुमार, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो. फ़र्रुख़ जमाल, डॉ. शशिकला सिंह, डॉ. आशीष पांडेय, डॉ. अनुराग सोनी, डॉ. नीलम सिंह सहित बड़ी संख्या में शोधार्थी उपस्थित रहे।

चाणक्य परिषद ने आई ए एस को रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेजने की मांग दोहराई

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता अयोध्या

अयोध्या। मध्यप्रदेश के आई.ए.एस. संतोष वर्मा की सवर्ण ब्राह्मणों की बेटियो को गाली देना महंगा पड़ा। सरकार से निलम्बन के बाद अब उनके सिर पर नौकरी से बर्खास्तगी और जेल जाने की तलवार लटक रही है। ब्राह्मणों के ध्वजवाहक पंडित कृपा निधान तिवारी ने अयोध्या जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गौरव ग्रोवर को बिगड़े बोल वाले आई ए एस के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग मिलकर किया है। साथ में जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष पंडित विनोद तिवारी, जिला प्रवक्ता पंडित दुर्गा प्रसाद मिश्र एडवोकेट, जिला अध्यक्ष भट्ट ब्राह्मण महासभा पंडित राज किशोर शर्मा,ब्लॉक अध्यक्ष बीकापुर पंडित राजेंद्र तिवारी,पंडित उमाशंकर शर्मा,पंडित विजय नारायण शर्मा, पंडित देवेंद्र पांडेय,पंडित अरुण पांडेय,पन्डित गोपाल तिवारी आदि उपस्थित रहे।कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करके माहौल बिगाड़ने के साथ लोक सेवक होने के बाद भी पद एवम गोपनीयता की शपथ के बाद भी गैर जिम्मेदाराना बयान देश को तोडने वाला है।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन जनपद अयोध्या की वार्षिक बैठक 14 दिसंबर दिन रविवार को समय 11:00 से प्रेस क्लब में होगी।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता अयोध्या

अयोध्या। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के आवाहन पर इस बार प्रदेश के सभी जनपदों का गठन, सदस्यता व नवीनीकरण 20 दिसंबर के पूर्व होना है। क्योंकि वेबसाइट बनना है और 21 दिसंबर 2025 को ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश प्रदेश की बैठक विंध्याचल धाम में होना है जिसमें सदस्यता फॉर्म, नवीनीकरण, व नई कमेटी के गठन की सूची तथा आम सदस्यों की सूची, तहसील कमेटी की सूची, सदस्यता प्रदेश कमेटी को उपलब्ध करा देना है। ऐसे में जनपद अयोध्या कि आगामी बैठक 14 दिसंबर 2025 को समय 11:00 बजे से प्रेस क्लब में होगी। सदस्यता फॉर्म दो प्रति में भरना है और सदस्यता फॉर्म को लेकर चार फोटो लगना है। दो फोटो फार्म पर, एक प्रदेश कार्यालय में बनने वाले रजिस्टर पर और एक फोटो जिले के रजिस्टर पर लगाया जाएगा। सदस्यता फॉर्म के साथ आधार कार्ड की छाया प्रति, समाचार पत्र का परिचय पत्र, व दो अपने हेड से प्रकाशित समाचार की कटिंग देना है जो प्रदेश कार्यालय को जाना है।

आप सभी साथियों से निवेदन है कि अपने क्षेत्र के तहसील अध्यक्ष से फॉर्म लेकर भर कर जमा कर दे जो साथी किसी कारण बस इधर फॉर्म नहीं भर पाए वह 14 दिसंबर 2025 को प्रेस क्लब में आकर भर देंगे।

जिलाधिकारी नवीन ने शुक्रदास स्मृति भवन में जिला स्तरीय युवा महोत्सव का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किए।

तीसरा विकल्प न्यूज़ कन्हैया सिंह

जमुई पटना। जिलाधिकारी नवीन ने बताया कि जिला स्तरीय युवा महोत्सव दिनांक 2 दिसंबर से 3 दिसंबरतक आयोजित की जाएगी। इसमें कला के विभिन्न विधाओं यथा समूह लोक नृत्य, समूह लोकगीत, कहानी लेखन, चित्रकारी, वकृता, कविता तथा विज्ञान मेला के प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक अच्छा मंच है। इसमें सफल प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में भाग लेने का अवसर मिलेगा। इससे वे अपनी कला का प्रदर्शन राज्य और राष्ट्र स्तर पर कर सकते हैं। ??जिलाधिकारी ने कहा कि आज जब अधिकतर युवा मोबाइल के जंजाल में फंसकर अपना समय बर्बाद करते हैं, उसकी जगह इन विधाओं में भाग लेकर अपना एवं अपने जिले का नाम रौशन कर सकते हैं। जिला पदाधिकारी ने जिले की महान लोक संस्कृति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह धरती लोक संस्कृति की धरती है। उन्होंने उम्मीद जताया कि जिला स्तरीय युवा उत्सव से सभी विधाओं में योग्य प्रतिभागी चुने जाएंगे, जो आगे चलकर राज्य और देश के स्तर पर जिले का नाम रोशन करेंगे। इस अवसर पर अपर समाहर्ता रविकांत सिंहा, अनुमंडल पदाधिकारी सौरव कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी विनोद प्रसाद, जिला योजना पदाधिकारी भानु प्रकाश, कार्यपालक अभियंता गौतम कुमार, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी श्री विकेश कुमार सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।

दंडक्रम पारायण कर्ता सांगवेद विद्यालय में अभिनंदन समारोह का हुआ विशाल आयोजन।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। दंडक्रम पारायण कर्ता अभिनंदन समारोह, जो आज शनिवार को सांगवेद विद्यालय में आयोजित हुआ इसके अभिलक्ष्य में अभिनंदन समिति की ओर से पंडित विश्वेश्वर शास्त्री द्राविड़, पद्मश्री गणेश्वर शास्त्री द्राविड़, श्री नृसिंह आश्रम स्वामीजी, महेश चैतन्य ब्रह्मचारी जी, चंद्रशेखर द्राविड़,प्रो. माधव जनार्दन रटाटे, प्रो. पतंजलि मिश्र, पांडुरंग पुराणिक,भालचंद्र बदल,दिनेश शास्त्री जोशी और गोपाल रटाटे और सदानंद पाठक अनेक संस्थाओं और अनेक प्रदेशों से आए वेदप्रेमी उपस्थित रहे। जगद्गुरु शंकराचार्य जी महाराज के आशिर्वाद से, वैदिक सम्राट् श्रीकृष्ण शास्त्री गोडशे की जन्मशताब्दी के उपलक्ष्य में, वेदमूर्ति विश्वनाथ भट्ट जोशी (आलंदी) की स्मृति में तथा पारायणकर्ता की सौ.पूज्य माताजी के पावन स्मृति में काशी इतिहास में प्रथम बार आयोजित शुक्ल यजुर्वेद माध्यंदिनी शाखा का सम्पूर्ण एकाकी कंठस्थ दण्डक्रम पारायण करने वाले मुख्य पारायणकर्ता वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे घनपाठी जी को आज दण्डक्रम विक्रमादित्य और शुक्लयजुर्वेदालंकार ये उपाधियां अनेक मूर्धन्य विद्वानों की पावन उपस्थिति में प्रदान की गई। कार्यक्रम के अध्यक्ष आचार्य जगन्नाथ शास्त्री तैलंग जी रहे । इस अवसर पर दंडक्रम पारायण कर्ता अभिनंदन समारोह समिति की ओर से एक विशिष्ट सम्मान पत्र तथा अंगवस्त्र चिरंजीवी देवव्रत को प्रदान किया गया ।? साथ ही साथ देवव्रत के पिता एवं गुरु महेश चंद्रकांत रेखे, श्रोता देवेंद्र रामचंद्र गढीकर तथा पारायण संयोजक नीलेश केदार जोशी का भी सम्मान किया गया। श्रुतिस्मृति ज्ञानमन्दिर वेदपाठशाला अहिल्या नगर की ओर से देवव्रत रेखे को नवरत्न जड़ित स्वर्ण कंकण और रजत मुकुट भी प्रदान किया गया।

भारत आर्ट्स के एक्सक्लूसिव हैंडीक्राफ्ट एवं हैंडलूम डिस्प्ले शो-रूम का भव्य उद्घाटन हुआ सम्पन्न।

➲ बिंकल शुक्ला मिस ग्लैमर वर्ल्ड विनर 2025 इंटरनेशनल पहुंची शोरूम की जमकर खरीदारी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। क्लब स्पिरिचुअल बाई ए के के (गुरुधाम वाराणसी / न्यू पी एम ओ के सामने, वाराणसी हॉस्पिटल के पास, बंगला संख्या-57) परिसर में भारत आर्ट के एक्सक्लूसिव हैंडीक्राफ्ट एवं हैंडलूम डिस्प्ले शो-रूम का भव्य शुभारंभ सम्पन्न हुआ। उद्घाटन की मुख्य अतिथि पूर्व महापौर प्रत्याशी वाराणसी साधना गुप्ता रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी ओमा अक् के सानिध्य में बटुक ब्राह्मणों द्वारा वैदिक श्लोक एवं मंत्रोच्चार के साथ अत्यंत मंगलमय एवं आध्यात्मिक वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में उद्योग, चिकित्सा व सामाजिक क्षेत्र की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। मुख्य रूप से उपस्थित अतिथियों में उद्योगपति संजय गुप्ता, डॉ. पूर्णिमा सक्सेना, डॉ. संजय सक्सेना, डॉ. मनोज गुप्ता, डॉ. मंजरी पांडेय, मॉडल बिंकल शुक्ला,सोनिया डीडवानिया, सोभा मिश्रा, विभा मिश्रा,अरुण तिवारी, आरिफ कमाल, सानू खान, शान अंसारी, गोपाल उपाध्याय, आकिब भारत, लकी अक्, हस्सान अंसारी सहित अनेक सम्मानित समाजसेवी, कलाकार एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। शोरूम की विशेषता बताते हुए आयोजकों ने बताया कि यहां बुनकरी ताना-बाना, पारंपरिक हस्तशिल्प, हैंडलूम की विविध वैरायटी तथा उच्च गुणवत्ता वाले वस्त्र अत्यंत उचित मूल्य पर उपलब्ध होंगे। स्थानीय कारीगरों व बुनकरों की कला को प्रोत्साहन एवं नया मंच दिलाना इस पहल का प्रमुख उद्देश्य है। अंत में साकिब भारत ने सभी अतिथियों, मीडिया प्रतिनिधियों तथा सहयोगियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया और कहा कि भारत आर्ट्स का उद्देश्य वाराणसी की पारंपरिक कला को वैश्विक पहचान दिलाना है।

अधिक से अधिक मत्स्य पालकों के किसान क्रेडिट कार्ड बनवाये जाए- डॉ निषाद

➢ प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा अंतर्गत लाभार्थियों को यथाशीघ्र भुगतान कराया जाए

तीसरा विकल्प न्यूज संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मत्स्य विकास मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने कहा है कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को नियमानुसार योजनान्तर्गत यथाशीघ्र धनराशि का भुगतान व्यय कराना सुनिश्चित किया जाए। योजनाओं का लाभ देने के लिए मत्स्य पालकों के अधिक से अधिक क्रेडिट कार्ड बनवाये जाए। जनपदीय अधिकारी राजस्व विभाग के अधिकारियों से समन्वय कर ग्राम सभा के अवशेष तालाबों का शत-प्रतिशत पट्टा कराया जाना सुनिश्चित करें। मण्डल और जनपदीय स्तर पर रिवर रैचिंग कार्यक्रमों को यथाशीघ्र पूर्ण कराया जाए। मत्स्य विकास मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने मंगलवार को विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मत्स्य पालक कल्याण कोष का भुगतान ससमय किया जाए और मत्स्य पालकों के हित में संचालित योजनाओं का व्यापक तरीके से प्रचार-प्रसार कराया जाए। मत्स्य दुर्घटना बीमा योजना की व्यापक समीक्षा करते हुए मंत्री ने योजना से अधिक से अधिक मत्स्य पालकों को आच्छादित किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समितियों के गठन के लंबित प्रस्तावों का निस्तारण एवं विभिन्न स्तरों से प्राप्त शिकायतों का निस्तारण ससमय सुनिश्चित किया जाए। डा. निषाद ने कहा कि राज्य सरकार मत्स्य पालकों के सर्वांगीण विकास और प्रदेश को मत्स्य उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मत्स्य मंत्री ने कहा कि मत्स्य विभाग को उ.प्र. को न केवल मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है बल्कि शहरी क्षेत्र के शिक्षित युवाओं और ग्रामीण क्षेत्रों तक मत्स्य पालन को रोजगार एवं व्यवसाय के महत्वपूर्ण आर्थिक स्रोत के रूप में बेहतर संभावनाओं के अवसर उपलब्ध कराना है। मत्स्य पालकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाए और उन्हें मत्स्य पालन की नवीन तकनीकों की जानकारी दी जाए ताकि उन्हें मत्स्य पालन में किसी प्रकार की हानि न हो और अधिक से अधिक मत्स्य उत्पादन हो सके। बैठक में मंत्री द्वारा पीएमएमएसवाई (प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना पेंडिंग केसेज एवं बैक आउट रिपोर्ट) की अद्यतन रिपोर्ट, केसीसी एवं इन्श्योरेन्स, प्रोग्रेस एवं इम्प्लीमेण्टेशन स्टेटस, फेडरेशन एवं कोऑरेशन करेन्ट स्टेट्स रिपोर्ट एवं परफर्मेन्स रिव्यू, रिवर रैंचिंग (सीड क्वालिटी एवं डिस्ट्रीब्यूशन रिपोर्ट) तथा निषादराज बोट योजना, प्रोग्रेस इम्प्लीमेण्टेशन स्टेटस एवं बेनीफिशरीज की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में प्रमुख सचिव मत्स्य विकास, मुकेश मेश्राम ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि मत्स्य विकास से संबंधित सभी योजनाओं का लाभ लाभार्थियों तक पहुंचाने का हर संभव प्रयास करें एवं उन्हें प्रोत्साहित करें। मत्स्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। बैठक में महानिदेशक मत्स्य श्रीमती धनलक्ष्मी के. द्वारा मंत्री को बैठक में दिए गए निर्देश के क्रम में ससमय कार्यवाही किए जाने हेतु आश्वस्त किया गया। समीक्षा बैठक में एन.एस. रहमानी, निदेशक मत्स्य, पुनीत कुमार उप निदेशक मत्स्य, एजाज अहमद उप निदेशक मत्स्य, सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

दबंग फैजी ने सरेआम मुतवल्ली के भाई को पीटा

➲ पुलिस के सामने गुंडों का नंगा नाच ➲ कानून की मौजूदगी में चला गुंडागर्दी का शो

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। अगर आप सोचते हैं कि लखनऊ की तहज़ीब और शराफत ख़त्म हो गई है, तो तालकटोरा कर्बला में बीते शुक्रवार को मंचित हुए त्रिकाल नाटक को ज़रूर देखें। पूर्व मुतवल्ली फैजी और उनके कलाकार समूह ने दिन भर में तीन ज़बरदस्त परफॉर्मेंस दीं, जिसने बता दिया कि यहाँ की ज़मीन पर अब अवैध वसूली और गुंडागर्दी ही सबसे बड़े धार्मिक सिद्धांत हैं। दोपहर 3:30 बजे नाटक का श्रीगणेश हुआ जब मुतवल्ली शादाब आग़ा के भाई, अफ़सर आग़ा, ने यह पूछने की गुस्ताखी कर दी कि आखिर कर्बला परिसर में अवैध रिक्शा चार्जिंग, अस्थाई निर्माण और अवैध वसूली जैसे पवित्र कार्य क्यों चल रहे हैं। इस नापाक सवाल से नाराज़ होकर, फैजी साहब और उनके 10-12 अनुशासित शिष्यों ने तुरंत शांति पाठ शुरू किया। शिकायत के अनुसार, गालियों के मधुर संगीत और जान से मारने की नीयत से हुए लात-घूंसों ने अफसर आग़ा को सच्चाई बोलने की सज़ा तुरंत दे दी। वाह! क्या त्वरित न्याय है! शाम 4:30 बजे जब पहला दृश्य समाप्त हुआ, तो दर्शकों को लगा कि अब शांति होगी। लेकिन फैजी समूह के पास एंटरटेनमेंट का भंडार था। अगला निशाना बने सुरक्षा गार्ड मोहसिन उर्फ लल्लू, इन्हें गेट न. 6 पर घेरकर मुखबिरी और कबरें तोड़ने जैसे अत्यंत गंभीर आरोपों के लिए सम्मानित किया गया। वजाहत और उनके 8-10 अज्ञात साथियों ने लात-घूंसों से गार्ड का अभिनंदन किया, ताकि उन्हें पता चले कि अवैध गतिविधियों के बारे में बोलना कितना ख़तरनाक होता है। पुलिस की मौजूदगी में वीआईपी गुंडागर्दी ने शाम 7:00 बजे सबसे मज़ेदार दृश्य, जो बताता है कि ताक़तवर का रुतबा क्या होता है, वह शाम 7 बजे आया। जब मुतवल्ली शादाब आग़ा पुलिस के साथ घटनास्थल पर पहुँचे, तो फैजी और उनके दबंग साथियों ने पुलिस के सामने ही उन्हें घेर लिया। शिकायत में कहा गया है कि, पुलिस की मौजूदगी में यह धमकी देते हुए, पुलिस बाहर करके गुंडागर्दी कर दिया गया। यानी पुलिस की वर्दी को एक तरह से हॉलिडे ब्रेक पर भेज दिया गया और बताया गया कि, आप यहाँ सिर्फ़ दर्शक हैं। पुलिस ने फिर भी हस्तक्षेप करके इस लाइव परफॉर्मेंस को बंद करवाया। मुतवल्ली शादाब आगा ने अब विनम्रतापूर्वक अधिकारियों से स्ख्रक्रदर्ज करने की गुहार लगाई है, क्योंकि उन्हें जान-माल का ख़तरा महसूस हो रहा है। यह घटना दर्शाती है कि कर्बला जैसे पवित्र स्थल पर ईमान की जगह अब इनाम अवैध वसूली का और अदब की जगह दब गुंडागर्दी का स्थापित हो चुका है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है।

ग्राम अस्ती में अवैध कटान का मामला, वन विभाग की टीम पर अभद्रता कर ट्रक भगा ले गए आरोपी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

बीकेटी। बक्शी का तालाब के छेत्र सूत्रों द्वारा मिली जानकारी 26 नवम्बर 2025 बीकेटी थाना क्षेत्र के ग्राम अस्ती में आम के पेड़ों की अवैध कटान करने की खबर की अखबारों में प्रकाशित हुई थी जिसे वन विभाग ने संज्ञान में लेते हुए वन विभाग की टीम द्वारा मौके पर कार्रवाई करने के दौरान आरोपियों ने सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करते हुए ट्रक भगा ले जाने की भी कोशिश की। वन दरोगा विनोद कुमार, प्रभारी वनदरोगा बीट, ने बताया कि शाम लगभग 7:20 बजे अवैध कटान की सूचना प्राप्त होते ही वह वनरक्षक शैलेंद्र कुमार सिंह लोधी और न्यूनतम वनकर्मी सैय्यद जमालुद्दीन के साथ मौके पर पहुंचे। जांच करने पर पाया गया कि एक बाग में कुछ व्यक्ति लकड़ी काट रहे थे और कटे हुए प्रकाष्ठ को ट्रक में लाद रहे थे। पूछताछ में पता चला कि बाग राजवीर पुत्र रामनरेश सिंह निवासी अस्ती, बीकेटी का है। बाग में आम के 41 पेड़ों को काटा गया था। अवैध कटान साबिर पुत्र जाबिर (घोषित वन माफिया), तथा उसके भाई कासिफ व आसिफ पुत्रगण जाबिर निवासी अमानीगंज, थाना इटौंजा, लखनऊ द्वारा कराए जाने की बात सामने आई। वन विभाग टीम ने जब कटान रोकने की कोशिश की तो आरोपियों ने गाली-गलौज, अभद्रता करते हुए राजकीय कार्य में बाधा उत्पन्न की और ट्रक को जबरदस्ती मौके से भगा ले गए। वन विभाग ने इस घटना को उ.प्र. वृक्ष संरक्षण अधिनियम 1976 की धारा 4/10, अभिवहन नियमावली 1978 की धारा 3/28, तथा राजकीय कार्य में बाधा सहित कई धाराओं का उल्लंघन बताया है। प्रभारी निरीक्षक, थाना बीकेटी से आरोपियों पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है।

एनडीए की सिद्धि जैन ने प्रेसिडेंट मैडल प्राप्त कर सेंचूरियन एकेडमी का बढ़ाया मान

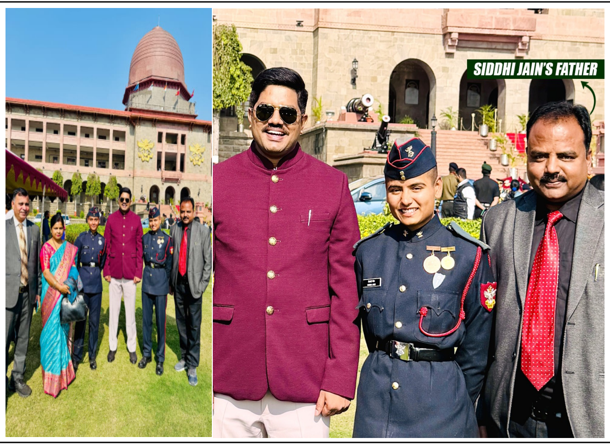

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) की 149वीं पासिंग आउट परेड में पहली बार किसी महिला कैडेट ने प्रेसिडेंट मेडल प्राप्त कर कीर्तिमान स्थापित किया। सेंचूरियन डिफेन्स एकेडमी की कैडेट सिद्धी जैन ने की उत्कृष्ट सैन्य प्रदर्शन, नेतृत्व क्षमता और अकादमिक श्रेष्ठता प्रदर्शन कर लखनऊ का मान बढ़ाया है ।पहले प्रयास में एसएसबी चरण में सिद्धी ने स्क्रीन आउट होने के बाद भी हार नहीं मानी और दृढ़ संकल्प के साथ अपनी तैयारी जारी रखी और एग्जाम मॉनिटर शिशिर दीक्षित से प्रशिक्षण प्राप्त कर सिद्धी ने अपना लक्ष्य फिर से निर्धारित किया और एनडीए की परीक्षा दोबारा उत्तीर्ण की। मूलरूप से बदायूं जनपद की रहने वाली सिद्धी को नीट परीक्षा उत्तीर्ण की थी लेकिन देश सेवा को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने वायुसेना में करियर बनाने का निर्णय लिया।

सपा नेता की दुकान पर तमंचा तानकर रंगदारी मांगने वाला हिस्ट्रीशीटर आरोपी गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। बंथरा थाना क्षेत्र में सपा नेता की कपड़े की दुकान पर पहुंचकर तमंचा दिखाते हुए रंगदारी मांगने वाले शातिर हिस्ट्रीशीटर अर्पित पटेल उर्फ तेरा को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कार्रवाई करते हुए मंगलवार को उसे जेल भेज दिया है। बताते चलें कि बंथरा के बहजना मऊ निवासी सपा के जिला पंचायत सदस्य कैप्टन यादव की बनी - मोहान रोड स्थित लतीफ नगर चौराहे के पास कैप्टन जिम और कैप्टन क्लाथ हाऊस नाम से कपड़े की दुकान है। सोमवार शाम कैप्टन यादव एक शादी समारोह में गए थे।जबकि उनके बड़े भाई विमलेश कुमार (मोनू यादव) दुकान पर अपने कर्मचारियों के साथ मौजूद थे। तभी बाइक से पहुंचे एक दबंग ने अपनी कमर से तमंचा निकाल कर दुकान के बाहर उसमें कारतूस भरी और दुकान में घुस गया। जहां उसने काउंटर पर बैठे मोनू यादव की ओर तमंचा रखते हुए धमकी दी कि कप्तान बहुत बड़े नेता बन गए हैं, वह हमें वसूली नहीं देते। आज उन्हें गोली मार देंगे। इसके बाद लोगों को इकट्ठा होते देख आरोपी वहां से फरार हो गया था। बाद में जानकारी पाकर पहुंचे कैप्टन यादव ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस का कहना है कि घटना की सूचना के बाद विमलेश यादव ने आरोपी की रसूलपुर गांव के अर्पित पटेल उर्फ तेरा के रूप में पहचान करते हुए उसके खिलाफ तहरीर दी। इसके बाद आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस टीम ने उसे कुछ दूर स्थिर रहीम नगर पड़ियाना से महज 2 घंटे में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी अर्पित पटेल ने बताया कि वह नशे का आदी है। नशा करने और आर्थिक लाभ के लिए उसने पैसों की मांग की थी। जब उसे पता चला कि उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हो गई है तो उसने अपना तमंचा कहीं फेंक दिया। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया है, जबकि उसके तमंचे की तलाश कर रही है। पुलिस का कहना है कि पकड़ा गया आरोपी अर्पित पटेल उर्फ तेरा शातिर अपराधी होने के साथ हिस्ट्रीशीटर है। उसके खिलाफ जीआरपी चारबाग, आशियाना, चिनहट और बंथरा थाने में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह कई मामलों में जेल भी जा चुका है।

समाचार

रोड लाइट का तार टूटा तो लाठी-डंडों से युवक को पीटा,रिपोर्ट दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। बंथरा थाना क्षेत्र के लालाखेड़ा निवासी सौरभ रावत ने रामचौरा रोड निवासी समीर, वसीम और सूरज रावत के खिलाफ गाली गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट दर्ज कराई है।सौरभ का कहना है कि 30 नवंबर को शाम करीब 7 बजे वह रामचौरा रोड स्थित गुलाब बैंड की दुकान पर काम करने गया था। तभी किसी कारण से रोड लाइट का तार टूट गया। इसपर समीर, वसीम व सूरज रावत ने उस पर तार तोड़ने का आरोप लगाकर लाठी-डंडों और लात-घूसों से हमला कर दिया। पीड़ित का कहना है कि इस मारपीट से उसके सिर में गंभीर चोट आई। आरोप है कि बीच-बचाव करने पर आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। बाद में शोर मचाने पर हमलावर मौके से फरार हो गए। फिलहाल पीड़ित की तहरीर पर बंथरा पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने और दहेज मांगने का आरोप,रिपोर्ट दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। बंथरा थाना क्षेत्र की एक युवती ने इलाके के ही सिकंदरपुर बंथरा निवासी अंशू गौतम के खिलाफ शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने और दहेज मांगने काआरोप लगाया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है। बंथरा थाना क्षेत्र की 25 वर्षीय युवती के मुताबिक वह पिछले पांच वर्षों से अंशू गौतम के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। युवती का आरोप है कि अंशू लगातार शादी का आश्वासन देता रहा, लेकिन हर बार बहाने बनाकर बात टाल देता था।पीड़िता का कहना है कि करीब एक माह पहले जब उसकी मां ने अंशू और उसके परिवार से शादी की बात की तो उन्होंने दहेज में चार पहिया वाहन और नगदी की मांग कर दी। असमर्थता जताने पर अंशू ने दूरी बनानी शुरू कर दी। पीड़िता का कहना है कि उसके और अंशू के संबंधों के बारे में दोनों के परिजनों को पूरी जानकारी थी और सभी का एक दूसरे के घर आना जाना था। इसी दौरान युवती को पता चला कि अंशू ने 9 अप्रैल 2025 को किसी अन्य युवती से गोद भराई कर ली है। इसके बाद परेशान पीड़िता ने हजरतगंज स्थित महिला थाने में मामले की तहरीर दी। जिसमें उसने बताया कि वह बंथरा थाने में प्रार्थना पत्र दे चुकी है, लेकिन कार्रवाई न होने पर उसे मजबूरन महिला थाने का दरवाजा खटखटाना पड़ा।फिलहाल महिला थाने से मामला बंथरा थाने में ट्रांसफर होने के बाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कूड़ा फेंकने के विवाद में चौकीदार को पीटा,रिपोर्ट दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के पिपरसंड गांव के राम नरेश ने सौरभ सिंह उर्फ पप्पू के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई है। रामनरेश के मुताबिक वह गांव के ही मोहित सिंह के घर पर चौकीदार का काम करता है।रामनरेश का आरोप है कि शनिवार दोपहर करीब तीन बजे वह गेट के पास मौजूद था, तभी सौरभ सिंह उर्फ अप्पू नशे की हालत में वहाँ पहुंचा और उस पर घर के पास कूड़ा फेंकने का आरोप लगाने लगा। पीड़ित का कहना है कि विरोध करने पर आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट शुरू कर दी और पेट में लात मारकर घायल कर दिया। शोर सुनकर मोहित सिंह मौके पर पहुंचे और पीड़ित को बचाया। फिलहाल पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आधुनिक पोर्टेबल कम्पैक्टर ट्रांसफर स्टेशन का शुभारंभ

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लाला लाजपत राय वार्ड के आखिलापुर क्षेत्र में नगर निगम ने आधुनिक पोर्टेबल कम्पैक्टर ट्रांसफर स्टेशन (पीसीटीएस) का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना,तथा विशिष्ट अतिथि महापौर सुषमा खर्कवाल रहीं।इस हाई-टेक स्टेशन में गीले और सूखे कचरे के लिए दो पोर्टेबल कम्पैक्टर लगाए गए हैं, जिनकी क्षमता 20 घन मीटर है। यह व्यवस्था क्षेत्र में कचरे के खुले ढेरों, गंदगी और आवारा पशुओं की पहुँच को रोकने में अहम भूमिका निभाएगी।लखनऊ नगर निगम पीपीपी मॉडल के तहत पांच जोनों में आधुनिक सफाई व्यवस्था चला रहा है। शहर में प्रस्तावित 32 पीसीटीएस/एससीटीएस में से 13 अब तक शुरू किए जा चुके हैं। बाकी स्टेशनों पर कार्य तेज़ी से जारी है। महापौर सुषमा खर्कवाल ने बताया कि शहर में 1200 से अधिक इलेक्ट्रिक डोर-टू-डोर वाहन और मशीनें चल रही हैं, जिससे सफाई व्यवस्था और मजबूत हुई है।मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि लखनऊ स्मार्ट शहर बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और अगला लक्ष्य स्वच्छ सर्वेक्षण में देश का नंबर-1 स्वच्छ शहर बनना है। नागरिकों की भागीदारी और आधुनिक तकनीक से शहर को और स्वच्छ बनाने की दिशा में यह बड़ा कदम माना जा रहा है।

तेज रफ्तार कार ने मचाई तबाही, दो की मौत, कई घायल

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

बीकेटी। बक्शी का तालाब के सैरपुर थाना क्षेत्र स्थित आईआईएम रोड पर आर-से लॉन के सामने रविवार देर रात एक तेज रफ्तार कार ने कई वाहनों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कई वाहनों के परखच्चे उड़ गए और घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में करीब आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हुए, जबकि दो लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही सैरपुर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल भेजा गया। डॉक्टरों ने दो गंभीर रूप से घायल कैटरिंग कर्मियों को इलाज के दौरान मृत घोषित कर दिया। दोनों मृतक काम से वापसी के दौरान हादसे की चपेट में आए थे। पुलिस ने मृतकों की पहचान कर परिजनों को सूचना दे दी है। दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। वहीं, पुलिस घटना की गंभीरता को देखते हुए आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

उम्मीद पोर्टल' में गंभीर खामियां,वक़्फ़ विशेषज्ञों से सलाह नहीं ली गई

● मौलाना कल्बे जवाद- हुसैनाबाद ट्रस्ट के मुद्दे पर हिसाब-किताब न देने पर ज़िला मजिस्ट्रेट पर लगा जुर्माना

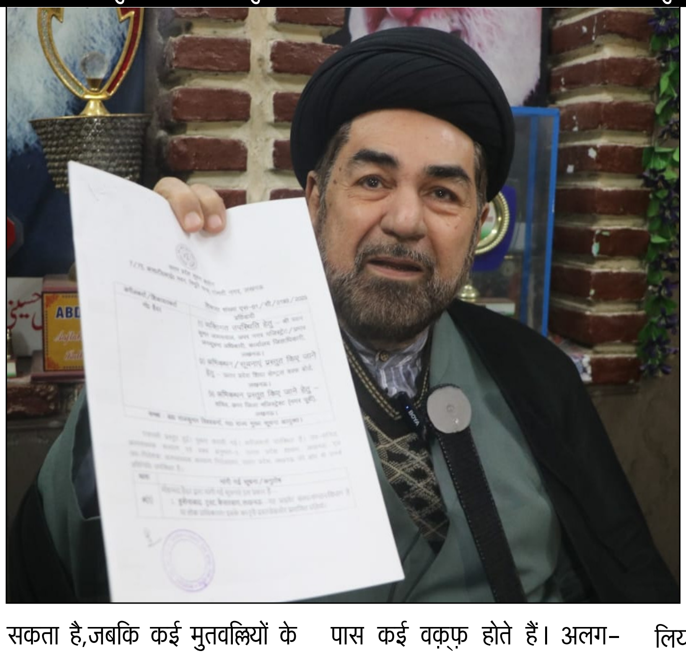

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। मंगलवार को मजलिस-ए-उलमा-ए-हिन्द के जनरल सेक्रेटरी मौलाना कल्बे जवाद नक़वी ने अपने जोहरी मोहल्ला स्थित आवास पर प्रेस कॉन्फ़्रेंस कर उम्मीद पोर्टल' की खामियों और सर्वर समस्याओं पर कड़ी नाराज़गी जताई। उन्होंने कहा कि वक़्फ़ संपत्तियों के पंजीकरण के लिए बनाए गए इस पोर्टल को ऐसे लोगों ने तैयार किया है जिन्हें औक़ाफ़ की समझ नहीं है।उन्होंने बताया कि संयुक्त वक़्फ़ जैसे इमामबाड़ा,मस्जिद और कब्रिस्तान का पंजीकरण पोर्टल पर संभव नहीं हो पा रहा है। एक वक़्फ़ में दस से अधिक खसरे दर्ज नहीं किए जा सकते और एक मुतवल्ली केवल एक ही वक़्फ़ रजिस्टर कर सकता है,जबकि कई मुतवल्लियों के पास कई वक़्फ़ होते हैं। अलग-अलग ज़िलों में मौजूद संपत्तियों को भी पोर्टल पर शामिल नहीं किया जा रहा है। मौलाना ने कहा कि पिछले छह दिनों से पोर्टल सर्वर डाउन है, जबकि स्ढ्ढक्रजैसे बड़े पोर्टल में ऐसी समस्या नहीं आती। उन्होंने पंजीकरण की अवधि बढ़ाने और पोर्टल को विशेषज्ञों की मदद से दोबारा तैयार करने की मांग की। हुसैनाबाद ट्रस्ट के मुद्दे पर उन्होंने बताया कि ऋञ्जढ्ढ अदालत ने हिसाब-किताब न देने पर ज़िला मजिस्ट्रेट पर जुर्माना लगाया है, जो पारदर्शिता की दिशा में बड़ी सफलता है। उन्होंने कहा कि औक़ाफ़ की सुरक्षा के लिए आंदोलन जारी रहेगा और हुसैनाबाद ट्रस्ट का पूरा हिसाब लिया जाएगा।

आउटर रिंग रोड पर भीषण सड़क दुर्घटना, मां-बेटे की दर्दनाक मौत

☐ किसान पथ पर पानी डाल रहे टैंकर से हुआ हादसा।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। आउटर रिंग रोड के किसान पथ चकौली गांव के पास मंगलवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में मां-बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, सड़क पर पानी डालने के लिए खड़ा एक टैंकर अचानक आगे बढ़ा, जिससे तेज रफ़्तार से आ रही बाइक उसकी चपेट में आ गई। हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार महिला और उसका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए और कुछ ही देर में उनकी जान चली गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टैंकर चालक बिना किसी चेतावनी के वाहन को पीछे-आगे कर रहा था, इसी दौरान बाइक उसकी बगल में आ गई और टक्कर हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोग इकट्ठा हो गए और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतकों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया स्थानीय लोगों का कहना है कि आउटर रिंग रोड के किसान पथ पर आए दिन सड़क पर पानी डालने या सफाई के नाम पर बिना सुरक्षा इंतज़ाम के बड़े वाहन खड़े कर दिए जाते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है और लोग सड़क सुरक्षा को लेकर नाराज़गी जता रहे हैं ,मृतक शांति पत्नी राजेन्द्र अभिषेक पुत्र राजेन्द्र काकोरी थाना क्षेत्र शिवरी ग्राम पंचायत लोखारिया खेड़ा गांव की रहने वाले हैं द्य

एनवायरमेंट वारियर्स अभियान- प्राथमिक विद्यालय अमरिया में डॉ. राजेश्वर सिंह ने किया स्मार्ट क्लास का लोकार्पण

डॉ. राजेश्वर सिंह का डिजिटल मिशन- हर बच्चे तक आधुनिक शिक्षा पहुँचाने की दिशा में बड़ा कदम

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

पीलीभीत / लखनऊ। एनवायरमेंट वारियर्स संस्था के तत्वाधान में मंगलवार को पिलीभीत टाइगर रिज़र्व क्षेत्र में स्थित प्राथमिक विद्यालय हुसैननगर, अमरिया में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एनवायरमेंट वारियर्स अभियान के आठवें चरण के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह उपस्थित रहे। डॉ. सिंह ने विद्यालय में स्थापित स्मार्ट क्लास रूम का लोकार्पण किया। इस लोकार्पण के साथ ही, युवा पीढ़ी को डिजिटल संसाधनों से जोड़ने की दिशा में विधायक द्वारा अब तक विभिन्न विद्यालयों में कुल 33 स्मार्ट क्लास रूम स्थापित किए जा चुके हैं। एक Smart Class बदल सकती है पूरी पीढ़ी की दिशा प्राकृतिक परिवेश में आयोजित इस कार्यक्रम ने शिक्षा एवं तकनीक के संगम का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत किया। ग्रामीण बच्चों, अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को उत्साहपूर्ण बना दिया। संबोधन के दौरान डॉ. सिंह ने कहा कि, कभी-कभी एक कक्षा, एक स्क्रीन और एक शिक्षक की दूरदर्शी सोच पूरी पीढ़ी की दिशा बदल देती है। स्मार्ट क्लास केवल एक प्रोजेक्टर या कंप्यूटर नहीं है, बल्कि बच्चों की कल्पनाशीलता, जिज्ञासा और क्षमता को खोलने वाला द्वार है, जहाँ पहले ज्ञान एक ब्लैकबोर्ड तक सीमित था, वहीं आज बच्चे इ्र्र के प्रयोग देख सकते हैं, IIT-O&ford के प्रोफेसरों से सीख सकते हैं और गाँव की कक्षा में बैठकर वैश्विक स्तर की शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं।डॉ. सिंह ने कहा कि स्मार्ट क्लास केवल पढ़ना नहीं सिखाती, यह बच्चों को सोचना, प्रश्न पूछना और स्वयं उत्तर खोजने का साहस देती है। यह कक्षा गरीब-अमीर और गाँव-शहर के बीच की दूरी को समाप्त करती है। फ़्हर स्मार्ट क्लास में छुपा है एक भविष्य का वैज्ञानिक, डॉक्टर, इनोवेटर या नेता; बस ज़रूरत है उस स्क्रीन को जलाने की। जब ज्ञान की स्क्रीन जलती है, तो अंधकार अपने आप मिट जाता है।फ़्शिक्षा के महत्व पर बोलते हुए उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता के समय देश की साक्षरता दर लगभग 20त्न थी, जो आज बढ़कर 80त्न से अधिक हो चुकी है— यह माता-पिता, शिक्षकों और समाज के साझे प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने तथा उनसे प्रतिदिन यह पूछने का आग्रह किया कि उन्होंने आज क्या नया सीखा। पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को दिया बल टाइगर रिज़र्व के मध्य हुए इस कार्यक्रम में डॉ. सिंह ने बढ़ते पर्यावरण असंतुलन पर चिंता व्यक्त की और कहा कि वन्यजीव संरक्षण तथा वृक्षारोपण आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा के लिए अनिवार्य हैं। उन्होंने ग्रामीणों से जैव-विविधता की रक्षा तथा पर्यावरण संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को कंबल वितरित किए गए तथा बच्चों को स्टेशनरी सामग्री प्रदान कर उन्हें विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया गया। सरोजनीनगर के हर विद्यालय में स्मार्ट क्लास का लक्ष्य डॉ. सिंह ने कहा, मेरा सपना है कि हर विद्यालय डिजिटल संसाधनों से सम्पन्न हो, हर बच्चे को आधुनिक शिक्षा के अवसर मिलें। उन्होंने आगे जोड़ा सरोजनी नगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत जो भी विद्यालय स्मार्ट क्लास स्थापित कर बच्चों को आधुनिक शिक्षा देना चाहता है, उसके प्रबंधक/प्राचार्य मेरे कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। गौरतलब है कि 5 नवम्बर को चोखापुरी, पीलीभीत में आयोजित एनवायरमेंट वारियर्स अभियान के सातवें चरण में उपस्थित होकर डॉ. सिंह ने हुसैननगर अमरिया विद्यालय में स्मार्ट क्लास की स्थापना का संकल्प व्यक्त किया था, जो मंगलवार को साकार हुआ और बच्चों के लिए आधुनिक शिक्षा का नया द्वार खुल गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य श्री प्रबल प्रताप सिंह, प्राथमिक विद्यालय चोखापुरी के प्राचार्य श्री मुनीश पाठक, अध्यापिका हेमलता, ऋषिपाल सिंह, मो. अफसर, फराह जाफरी, चंद्रपाल एवं पूर्व ग्राम प्रधान खेमकरण लाल उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्मार्ट क्लास ग्रामीण शिक्षा में परिवर्तनकारी भूमिका निभाएगी।

संपादकीय

एसआईआर की समय सीमा में संशोधन

देश के 12 राज्यों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम यानी एसआईआर की समय सीमा एक सप्ताह के लिए बढ़ा दी गई है। पहले निर्वाचन आयोग ने इसके लिए अंतिम तारीख 4 दिसम्बर रखी थी, लेकिन अब 11 दिसम्बर तक प्रक्रिया चलेगी। आयोग ने रविवार 30 नवंबर को तीन-पेज के आदेश में यह घोषणा की है। संशोधित कार्यक्रम के मुताबिक अब गणना अवधि 4 दिसम्बर की बजाय 11 दिसम्बर को समाप्त होगी। मसौदा सूची का प्रकाशन 9 की जगह 16 दिसम्बर को होगा और अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 14 फरवरी को किया जाएगा।गौरतलब है कि विपक्ष शुरु से इस सवाल को उठा रहा है कि एसआईआर करवाने की इतनी हड़बड़ी क्यों है। अगर आयोग ने इसे पूरे देश में करवाने का फैसला लिया भी है तो इसके लिए पर्याप्त मानव संसाधन, प्रशिक्षण और वक्त लिया जाना चाहिए। चंद दिनों में इतनी गहन प्रक्रिया को यूं निपटाया नहीं जा सकता। विपक्ष की यह आपत्ति तब और महत्वपूर्ण हो गई जब बूथ स्तर के अधिकारियों पर अत्यधिक दबाव के कारण यह प्रक्रिया जानलेवा तक बन गई। बीएलओ को कम समय में घर-घर जाकर इस बड़े काम को पूरा करने के लिए भारी दबाव का सामना करना पड़ रहा है, यह कटु सत्य है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से बीएलओ द्वारा आत्महत्या से मौतें भी सामने आई हैं।गौरतलब है कि ज्यादातर बीएलओ स्कूल शिक्षक या सरकारी कर्मचारी हैं। एक बीएलओ को औसतन हजार से बारह सौ मतदाताओं तक पहुंचना पड़ रहा है। घर-घर जाकर फॉर्म बांटना, इकट्ठा करना और फिर उनका डिजिटाइजेशन करना दुसाध्य और लंबी प्रक्रिया है, जिसे पूरा करते-करते बीएलओ का दैनंदिन जीवन प्रभावित हो रहा है। बहुत से बीएलओ इस वजह से बीमार पड़ चुके हैं, किसी-किसी की मौत पर उनके परिजनों ने एसआईआर के दबाव को ही जिम्मेदार ठहराया है। कई जगहों पर आरोप है कि लक्ष्य पूरा न करने पर बीएलओ को नौकरी से निकालने, वेतन काटने या प्राथमिकी दर्ज करने की धमकियां भी मिली हैं। बंगाल में खुदकुशी करने वाली बीएलओ रिंकू तरफदार ने लिखा था कि उन्हें तकनीकी प्रशिक्षण नहीं मिला। पुरानी वेबसाइट से डेटा नहीं मिला। ऑनलाइन फॉर्म जटिल प्रक्रिया है। ऐसे कुछ और प्रकरण भी सामने आए हैं। इन वजहों से प.बंगाल में तो चुनाव आयुक्त कार्यालय के बाहर धरना देने तक की नौबत आ गई।ये सामान्य घटनाएं नहीं हैं, क्योंकि एक संवैधानिक प्रक्रिया को असामान्य तरीके से लागू किया गया है। विपक्ष का कहना है कि 2003 में भी एसआईआर हुआ था, लेकिन तब ऐसी कोई घटना नहीं हुई। अब हो रही है, तो जाहिर है व्यवस्था में कोई खामी है। विपक्ष लगातार इसे टालने या ज्यादा समय की मांग कर रहा था। अब इस पर चुनाव आयोग ने एक सप्ताह बढ़ाया है। आयोग ने समय सीमा बढ़ाने का बचाव करते हुए कहा कि यह विस्तार चुनाव अधिकारियों को मतदाताओं की मसौदा सूची प्रकाशित करने के लिए अतिरिक्त समय देने के लिए किया गया है। इसे कहते हैं रस्सी जल गई बल नहीं गए। वैसे एक सप्ताह बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। कम से कम 3 से 5 महीने बढ़ाकर इत्मीनान से काम किया जाता तो शायद ऐसी पुख्ता मतदाता सूची तैयार होती, जिसमें गड़बड़ी की गुंजाइश नाममात्र की बचती।ध्यान रहे कि छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश, पुड्डुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, अंडमान-निकोबार और लक्षद्वीप इन 12 राज्यों में एसआईआर हो रही है। जिसमें 51 करोड़ मतदाताओं के नामों, पतों, उम्र आदि की जांच हो रही है। यानी इस समय 51 करोड़ मतदाताओं का हक एसआईआर पर टिका है। चुनाव आयोग का कहना है कि एसआईआर का उद्देश्य श्कोई योग्य मतदाता बाहर न रहे और कोई अयोग्य नाम न रहेश् सुनिश्चित करना है। लेकिन विपक्षी दल इसे श्वोट चोरीश् का हथियार मानते हैं। बिहार चुनाव के बाद ये आरोप और तेज हो चुके हैं। बिहार चुनाव से पहले ही एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाओं पर सुनवाई हो रही है। लेकिन बिहार चुनाव हो भी गए और सुप्रीम कोर्ट ने कोई अंतिम फैसला नहीं सुनाया। अब अगले चुनाव पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम हैं। और सुप्रीम कोर्ट में बस सुनवाई ही चल रही है। इस बीच महाराष्ट्र में नगरीय निकाय चुनाव से पहले पता चला है कि मुंबई में करीब 11 लाख मतदाता डुप्लीकेट हैं। ये आंकड़े राज्य चुनाव आयोग से ही मिले हैं।

एसआईआर के सवाल

निस्संदेह, किसी लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी व निष्पक्ष होनी चाहिए। साथ ही मतदाताओं की विश्वसनीयता भी उतनी जरूरी है ताकि वाजिब वोट ही चुनाव प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका निभाए। इसी आलोक में नौ राज्यों व तीन केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवाल तार्किक समाधान मांगते हैं। इस प्रक्रिया में तुरत-फुरत की कार्यनीति के चलते कई राज्यों में अफरा-तफरी का आलम नजर आता है। जिसका दबाव जमीनी स्तर पर इस प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों पर पड़ रहा है। कई बूथ स्तरीय अधिकारी यानी बीएलओ बेहद तनाव में नजर आ रहे हैं। इनका कार्य मतदाता सूचियों को अपडेट करना है। पश्चिम बंगाल और कई अन्य राज्यों में कम समय में अधिक काम के दबाव के चलते कुछ बीएलओ के मरने व आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। आरोप है कि उनके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा ही नहीं बल्कि सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों द्वारा भी उन्हें परेशान किए जाने का आरोप है। हालांकि, इस अव्यवस्था के चलते ही चुनाव आयोग ने अब एसआईआर के कार्यक्रम को एक सप्ताह के लिए और बढ़ा दिया है। लेकिन कहना कठिन है कि इस कदम से बीएलओ का तनाव कम करने या विभिन्न हितधारकों की आशंकाओं को दूर करने में कोई खास मदद मिल सकेगी। कहा जा रहा है कि एक माह पहले शुरू हुई राष्ट्रव्यापी एसआईआर प्रक्रिया में कई तरह की बाधाएं आ रही हैं। इस प्रक्रिया में करीब 51 करोड़ मतदाता शामिल हैं, जो तकरीबन भारतीय आबादी का एक-तिहाई से भी ज्यादा। उनकी शिनाख्त से जुड़ी जानकारी को एक निश्चित समय सीमा में प्रमाणित कर पाना आसान नहीं है। कहा जा रहा है कि निर्धारित समय-सीमा व्यावहारिक नहीं है। तीन महीने की अवधि में गणना प्रपत्रों का वितरण, उसके बाद मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन और फिर अंतिम मतदाता सूची जारी करना आसान काम नहीं है। बहुत तेजी से काम को अंजाम देने का जिम्मा अधिकारियों पर अतिरिक्त दबाव बना रहा है। निस्संदेह, स्वतंत्र-निष्पक्ष चुनावों हेतु मतदाता सूचियों का शुद्धीकरण एक अनिवार्य शर्त है। लेकिन महत्वपूर्ण काम को जल्दबाजी में नहीं किया जाना चाहिए। मतदाता को यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त समय मिले ताकि उनके नाम सूचियों में सही ढंग से दर्ज हो सकें। यही बात बीएलओ के लिए भी लागू होती है, ताकि वे अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहराव वाले मतदाताओं का डेटा संकलित करने के लिए बूथ-स्तरीय एजेंटों के साथ मिलकर सुचारु रूप से काम कर सकें। यदि एसआईआर की प्रक्रिया किसी विवाद में उलझी रहती है तो इस अभियान का उद्देश्य ही विफल हो सकता है। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया के घटनाक्रमों से मिले सबक को अन्य राज्यों में इस प्रक्रिया के दौरान याद रखा जाना चाहिए। निस्संदेह, स्तरहीन व संदिग्ध एसआईआर हमारे चुनावी लोकतंत्र की विश्वसनीयता को ठेस पहुंचा सकता है। उल्लेखनीय है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की यह प्रक्रिया मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, गोवा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों तथा अंडमान-निकोबार, लक्ष्यद्वीप व पुडुचेरी केंद्रशासित प्रदेशों में जारी है। उल्लेखनीय है कि जहां बीएलओ पर कार्यदबाव व समय सीमा को लेकर सवाल उठ रहे हैं, वहीं कई राज्यों में बीएलओ के खिलाफ मामले दर्ज करने के भी आरोप लगे हैं।

प्राकृतिक आपदाएँ डर, दुख, और अनिश्चितता

प्रेम शर्मा

“प्राकृतिक आपदाएँ डर, दुख, और अनिश्चितता की भावनाएँ पैदा करती हैं। दीर्घकालिक परिणामों में अभिघातज-पश्चात तनाव विकार जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ शामिल हो सकती हैं”

प्राकृतिक आपदाएँ डर, दुख, और अनिश्चितता की भावनाएँ पैदा करती हैं। दीर्घकालिक परिणामों में अभिघातज-पश्चात तनाव विकार जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ शामिल हो सकती हैं।सामाजिक अलगावरू आपदाएँ लोगों को उनके पारंपरिक सामाजिक नेटवर्क और समर्थन प्रणालियों से अलग कर सकती हैं, जिससे अलगाव की भावना बढ़ जाती है। जीवन और संपत्ति के नुकसान के अलावा, लोग अपनी आजीविका खो देते हैं, जिससे उन्हें आर्थिक रूप से भी जूझना पड़ता है। जलवायु परिवर्तन भारत के लिए एक बड़ी चुनौती है। यहॉ तापमान बढ़ा रहा है, बारिश को अनियमित कर रहा है, जिससे बाढ़ और सूखा आ रहा है। भूजल स्तर गिर रहा है और किसान कर्ज में डूब रहे हैं। पिछले कुछ समय से सर्दी, बारिश, गर्मी का मौसम अपने निर्धारित समय से ईतर आज जा रहा है। कितने दिन गर्मी, कितने दिन, सर्दी और कितने दिन बारिश होगी अब यह कोई निश्चित नही रहा। इसका असर भी प्राकृतिक आपदाओं के रूप में सामने आ रहा है।सरकार ने कई योजनाएं बनाई हैं, लेकिन उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। ऐसे में त्वरित रूपपर्यावरण और रोजगार को साथ जोड़ना होगा। इसका हालियॉ उदाहरण श्रीलंका में दितवाह साइक्लोन ने भारी तबाही मचाई। इसका असर भारत आध्रपदेश और पुडुचेरी और तमिलनाडु में देखा गया। चक्रवाती तुफान सेन्यार और दितवाह ने दक्षिणपूर्व एशिया के कई देशों में हाल के वर्षों की सबसे विनाशकारी बाढ़ ला दी। श्रीलंका, इंडोनेशिया, वियतनाम,थाईलेण्ड और मलेशिया में लाखों लोग आपदा से प्रभावित हो चुके है। 21वीं सदी में मानव सभ्यता के सामने जलवायु परिवर्तन सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम और ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन करोड़ों लोगों के जीवन को सीधे प्रभावित कर रहा है। गरीबी अब केवल आय की कमी नहीं रही, इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, ऊर्जा, आवास और जल जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी भी शामिल है। भारत आज जलवायु परिवर्तन के सबसे गंभीर प्रभावों का सामना कर रहा है। बढ़ता तापमान, अनियमित वर्षा, बार-बार आने वाली बाढ़ और सूखा अब सामान्य हो चुके हैं।

सबसे चौकाने वाला तथ्य यह कि भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, बीते दो दशकों में भारत का औसत तापमान 1.2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ा है। यह मामूली आंकड़ा नहीं, बल्कि जीवन और जीविका, दोनों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है।वैसे भी भारत के लगभग 60 प्रतिशत जिले किसी न किसी रूप में जलवायु संवेदनशील क्षेत्र घोषित किए जा चुके हैं। बुंदेलखंड, विदर्भ, मराठवाड़ा, राजस्थान, बिहार और झारखंड जैसे क्षेत्र लगातार सूखे और जल संकट से जूझ रहे हैं। वहीं, उत्तराखंड और हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य अतिवृष्टि और भूस्खलन से प्रभावित हैं। एक तरफकिसान की फसलें सूखे में झुलस जाती हैं, दूसरी ओर असम और बिहार में बाढ़ सब कुछ बहा ले जाती है। दूसरी तरफ देश के 60 प्रतिशत से अधिक जिलों में भूजल स्तर लगातार गिरावट पर है। महाराष्ट्र का विदर्भ, कर्नाटक का उत्तरी भाग, मध्य प्रदेश का बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र, बिहार-झारखंड के पठारी इलाके - सभी जल संकट से जूझ रहे हैं। राजस्थान और हरियाणा के कई हिस्सों में जल स्तर 10 से 20 मीटर तक नीचे चला गया है। जलवायु परिवर्तन के कारण ही पिछले कुछ समय से उत्तराखंड, हिमाचल और उत्तर-पूर्वी राज्यों में बादल फटने और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। दूसरी तरफ 16 प्रतिशत अधिक अतिवृष्टि दर्ज की गई, जिससे कई राज्यों में बाढ़ की स्थिति देखी जा रही है।जलवायु परिवर्तन के चलते नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार भारत में करीब 23 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी में जी रहे हैं। इनमें से अधिकांश आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। जो कृषि पर निर्भर है। क्योकि हर साल फसल नष्ट होने, सिंचाई की कमी और जलवायु अस्थिरता के कारण किसान कर्ज के चक्र में फंस रहे हैं। विश्व बैंक का मानना है कि यदि जलवायु परिवर्तन पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो 2030 तक भारत की 5 प्रतिशत आबादी और गरीबी रेखा के नीचे जा सकती है। भारत सरकार ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए नैशनल एक्शन प्लान ऑन क्लाइमेट चेंज, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, राष्ट्रीय स्वच्छ ऊर्जा मिशन और जलवायु-सहनशील कृषि नीतियों जैसी कई पहल की हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य का संदेश देकर वैश्विक सहयोग की दिशा में नेतृत्व भी किया है। लेकिन, इन योजनाओं के साथ दिक्कत ये है कि इन पर बहुत अधिक पैसा खर्च हो रहा है। कई बार यह पैसा केवल संरचनात्मक या औपचारिक खर्चों में चला जाता है। यहॉ गोर तलब है कि वर्तमान में भारत की 60 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। उसे जलवायु बजट का एक बड़ा हिस्सा युवाओं के रोजगार, कौशल विकास और स्थानीय आजीविका संसाधन निर्माण पर केंद्रित करना चाहिए था। पर्यावरण की रक्षा और रोजगार सृजन को एक साथ जोड़ने की जरूरत है - जैसे जल संरक्षण, सोलर ऊर्जा, हरित कृषि, जल-प्रबंधन और वनीकरण के क्षेत्र में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित करना।

राजनैतिक व्यंग्य-समागम

1. यह राम राज्य 2.ह है प्यारे! ़ राजेंद्र शर्मा

अब तो मान लो कि राम राज्य आ चुका है। अब तो अयोध्या में झंडारोहण का ईवेंट भी हो गया। यानी राम मंदिर फाइनली पूरा भी हो गया। अब इसमें बाल की खाल मत निकालने लग जाना कि मंदिर अगर 2025 के 25 नवंबर को फाइनली अब पूरा हुआ है, तो क्या मंदिर तब अधूरा था, जब 2024 के आम चुनाव का प्रचार अभियान बाकायदा शुरू करने से पहले, मोदी जी ने भागवत के साथ जुगल जोड़ी में, इससे भी ज्यादा गा-बजा कर और सरकारी दफ्तरों तक में छुट्टी करवा कर, उसी मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का ईवेंट किया था? तो क्या शंकराचार्यों की आपत्ति सही थी कि अधूरे मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का ईवेंट कराया जा रहा था, जो शास्त्र विरुद्ध था? क्या विरोधियों की आलोचना सही थी कि आम चुनाव में फायदा उठाने के लिए, जबर्दस्ती अधूरे मंदिर का उद्घाटन कराया जा रहा था? नहीं, हर्गिज नहीं! मोदी जी का किया उद्घाटन असमय कैसे हो सकता है? मोदी जी के किसी काम का टैम गलत नहीं हो सकता है। मोदी जी को जब जो करना होता है, वही उसे करने के लिए सही समय होता है। मोदी जी ने जब पौने दो साल पहले उद्घाटन किया था, मंदिर तब भी पूरा ही था। बस इतनी बात है कि अब झंडा लगने के साथ, मंदिर फाइनली पूरा हो गया है। वैसे हम तो कहते हैं कि भक्तों को इसे भी फाइनली फाइनल मानने की जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। कल को मोदी जी मंदिर में कुछ और जोड़ने का ईवेंट करना चाहेंगे, तो क्या कोई उन्हें रोक लेगा? और कुछ नहीं तो रंगाई-पुताई से लेकर मरम्मत तक के ईवेंट तो कभी भी कराए ही जा सकते हैं! देखा ना, बाल की खाल निकालने वालों का जिक्र भर आने से हम भटक कर कहां से कहां पहुंच गए। इतनी मुश्किल से फाइनली मंदिर पूरा हुआ है, और मुओं ने अभी से रंगाई-पुताई और मरम्मत की चर्चा निकलवा दी। नेगेटिविटी को मोदी जी, भागवत जी वगैरह इसीलिए तो इतना बुरा कहते हैं। वर्ना सकारात्मकता होती, तो उदघाटन के टैम पर मंदिर के अधूरेपन को देखने के बजाए, क्या यही नहीं देखा जाता कि मोदी जी ने भक्तों के इंतजार के पूरे पौने दो साल कम करा दिए? जो मंदिर 2025 के आखिर में कहीं जाकर चालू होना था, उसे 2024 के शुरू में ही चालू करा दिया। पर नकारात्मकता के चक्कर में विरोधियों तो विरोधियों, परंपरावादियों तक ने आम चुनाव की टाइमिंग तो देखी, पर भक्तों के इंतजार में पौने दो साल की कमी की टाइमिंग नहीं की। वर्ना मोदी जी का क्या था, उद्घाटन के ईवेंट के लिए मंदिर के झंडे वगैरह के साथ, फाइनली पूरा होने तक तो इंतजार कर ही सकते थे? उद्घाटन के इवेंटों की कमी थी क्या? पर यह मोदी का भारत है। मोदी के भारत के भक्त अधीर और सबसे बढ़कर राम काज करने के लिए अधीर हैं। पौने दो साल छोड़ो, मोदी के भारत के भक्त तो पौने दो पल का भी इंतजार करना पसंद नहीं करते। पहले वालों के जमाने के भक्त थोड़े ही हैं, जो साढ़े चार सौ साल से ज्यादा से बस इंतजार ही तो कर रहे थे कि इक्कीसवीं सदी के दूसरे दशक में कोई मोदी आएगा, जो अपने राज के ग्यारहवें वर्ष में रामलला को उंगली पकड़ाकर, उनकी घर वापसी कराएगा! पहले वाले भक्तों ने अब वालों जैसी अधीरता दिखायी होती, तो क्या अंगरेजों ने ही रामलला की घर वापसी नहीं करा दी होती? अंगरेज अगर अयोध्या में मस्जिद-मंदिर का झगड़ा खड़ा कर सकते थे, तो क्या रामलला की वापसी भी नहीं करा सकते थे? काश रामलला की आजादी के लिए तभी हिंदुओं को ढंग से जगाया गया होता। काश, ए ओ ह्यूम ने तब कांग्रेस की जगह आरएसएस की स्थापना होती! खैर, मुद्दे की बात यह है कि फाइनली पूरा होने समेत, राम मंदिर के उद्घाटन के तीन-तीन ईवेंट तो मोदी जी-भागवत जी की जुगल जोड़ी के ही कर कमलों से हो चुके हैं। सबसे पहले, मंदिर बनवाने के सबसे बड़ी अदालत के फैसले के बाद, शिला पूजन का ईवेंट। उसके चार साल बाद, प्राण प्रतिष्ठा का ईवेंट। और अब, झंडारोहण का ईवेंट। और यह तो तब है जबकि राम मंदिर का शिलान्यास तो विवादित क्षेत्र के एक हिस्से में, अस्सी के दशक के आखिर में ही हो चुका था यानी मोदी जी को सारथी बनाकर निकली आडवाणी जी की रथ यात्रा से भी पहले। पर वो सब मोदी-पूर्व भारत की बातें हैं, जब भारत सांस्कृतिक प्रसुप्तावस्था में था। ऐसे तो मंदिर भी कहीं गया नहीं था, वह तो हमेशा से वहीं मौजूद था ; तब भी जब मस्जिद को हटाने के जोश में कार सेवकों ने मस्जिद में एकाएक प्रकट हुए मंदिर को भी हटा दिया था। टेंपरेरी वाले मंदिर का शिलान्यास से लेकर उद्घाटन तक, सब एक साथ तब भी हुआ ही होगा। मगर हड़बड़ी में, बिना किसी ईवेंट के। मोदी पूर्व-युग का उद्घाटन भी कोई उद्घाटन है, लल्लू! वैसे भी मंदिर भले ही हमेशा रहा हो, रामलला जरूर भूल-भटककर या रूठकर कहीं और चले गए थे। तभी तो मोदी जी पौने दो साल पहले उन्हें उंगली पकड़ाकर वापस लाए थे। मोदी जी की तस्वीर वाले पोस्टर झूठ थोड़े ही बोलते हैं। और बात सिर्फ अयोध्या में राम मंदिर के फाइनली उदघाटन की ही थोड़े ही है। और बात सिर्फ अयोध्या में राम मंदिर के फिर-फिर उदघाटन भर की भी नहीं है। अगले दिन, कर्नाटक में उडुपी में राजा बाबू ने श्रीकृष्ण का मोर मुकुट धारण कर, सामूहिक गीता पाठ भी किया और गीता का उपदेश भी दिया। और हां! उडुपी में कृष्ण वेश धारण करने से पहले राजा बाबू को तीन किलोमीटर का रोड शो करना नहीं भूला, जबकि कर्नाटक में अभी चुनाव दूर है। और बाद में उसी शाम गोवा में पुर्तगाली मठ में 77 फीट ऊंची राम की प्रतिमा का उदघाटन भी कर दिया, जो दुनिया की राम की सबसे ऊंची प्रतिमा बतायी जाती है, जो कांसे की बनी है। और इतना सब सिर्फ दो दिन में। यानी ब्राह्मणवादी धार्मिकता की बाढ़ के बीच-बीच में राजनीतिक प्रचार के टापू, जिन पर प्रधानमंत्री फुल टाइम पुजारी की मुद्रा में नाचते और कथावाचक की बोली में उपदेश में देते हुए। भारत वालो अब तो मोदी जी का कहा सच मान लो- चाहे अच्छे दिन कभी न आएं, चाहे अमृत काल कोरा जुमला रह जाए और विकसित भारत झांसा, पर मोदी जी राम राज्य ले आए हैं। और कितनी धर्मबाजी चाहिए, राम राज्य के लिए! अब इस सब में टाटा, रिलायंस, अडानी वगैरह की सेवा की किटकिट मत घसीट लाना। और कभी नोटबंदी, तो कभी लॉकडाउन और अब एसआईआर के जरिए पब्लिक को जान हलकान किए जाने को भी नहीं। वोट चोरी वगैरह से लेकर ऊंची रंगदारी वसूली तक, हद दर्जे की थेथरई को तो हर्गिज-हर्गिज नहीं। माना कि उस वाले राम राज्य में यह सब नहीं था, पर यह किसने कहा कि यह उस वाले राम राज्य की नकल भर है। बेशक, राम राज्य है, पर इसमें मोदी तत्व का भी समावेश है, अपनी ओरिजिनालिटी भी तो है। सिंपल राम राज्य नहीं, यह उससे आगे की चीज है -- यह राम राज्य 2.ह है प्यारे! (लेखक वरिष्ठ पत्रकार और %लोक लहर% के संपादक हैं।)

2. गोदी मीडिया -- संकल्प से सिद्धि तक! ़ विष्णु नागर

अमित शाह ने कहा बताते हैं कि हमारे देश का मीडिया सबसे ईमानदार है। विश्व में नंबर वन है। अगर ऐसा कहा है तो या तो उन्हें सपना आया होगा या हो सकता है, भांग चूंकि स्वदेशी उत्पाद है, इसलिए उसका शौक वे फरमाते हों और उस दिन कुछ ज्यादा ही शौक फरमा लिया हो! हो जाता है कभी-कभी! गृहमंत्री हैं, तो क्या हुआ, हैं तो वे भी दो पाये! इस तरह स्वतंत्र भारत के इतिहास में शाह जी को पहले ऐसे गृहमंत्री होने का सौभाग्य हासिल हुआ है, जिन्होंने मीडिया को इतनी बड़ी क्लीनचिट दी है। संभव यह भी है कि उनकी जुबान फिसल गई हो। उनके साथ यह दुर्घटना होती रही है, इसीलिए वे देश के गृहमंत्री भी हैं! कुछ मित्र कहते हैं कि जिस मीडिया को वह %ईमानदार% बता रहे हैं, वह दरअसल गोदी मीडिया है, क्योंकि बाकी मीडिया को तो वह मीडिया मानते ही नहीं! और इसमें कोई शक नहीं कि अगर गोदी मीडिया किसी के लिए सबसे पहले और सबसे अधिक ईमानदार है, तो वह मोदी सरकार है। कोई एक भी ऐसा उदाहरण नहीं बता सकता पिछले साढ़े ग्यारह साल में, जब इस मीडिया ने सरकार के साथ बेईमानी की हो, दगा किया हो! सरकार से बेईमानी करना, उसके डीएनए में ही नहीं है! इस प्रमाणपत्र को पाकर रियल वाली ईमानदारी का सिर शरम से झुक गया होगा, तो झुक जाए! कौन इसकी परवाह करता है? गृहमंत्री किसी को भी %ईमानदारी% का प्रमाणपत्र दे, तो उसे स्वीकार कर लेने में ही भलाई है!सुधीर चौधरी, अंजना ओम कश्यप, अर्णब गोस्वामी, रुबिका लियाकत, अमीश देवगन जैसे सभी %ईमानदारों % ने इसे पद्मश्री मानकर अब तक लपक लिया होगा। अब इन्हें एंकरिंग के समय इसे अपने गले से लटका लेना चाहिए! इससे इनकी घटती हुई टीआरपी बढ़ जाएगी और रवीश कुमार, अजित अंजुम, अभिसार शर्मा आदि की टीआरपी की हवा निकल जाएगी! गृहमंत्री ने यह सर्टिफिकेट दिया है, तो इसका मतलब है कि इसे असल में प्रधानमंत्री जी ने ही दिया है, क्योंकि ये दोनों दो शरीर हैं, मगर एक जान हैं। इस तरह प्रधानमंत्री और गृहमंत्री का यह प्रमाणपत्र स्वत- सीबीआई, ईडी, इनकम टैक्स विभाग का प्रमाणपत्र भी बन जाता है। पिछले ग्यारह साल का इतिहास इसकी गवाही दे रहा है!सब पर छापे पड़े, इनके मालिकों पर नहीं! इन्होंने कितनी ही नफ़रत परोसी हो, न इन एंकरों का, न इनके मालिकों का बाल भी बांका हुआ! कई की खोपड़ी पर तो बाल ही नहीं हैं, तो बांका करने का सवाल ही पैदा नहीं होता! इसे बार- बार कहा जाना चाहिए कि हमारी सरकार भी %ईमानदार% है और हमारा गोदी मीडिया भी %ईमानदार% है। बल्कि इसे %ईमानदार %कहना उसके इधर के वर्षों के योगदान को कम करके आंकना है! वह %ईमानदार% से भी अधिक बढ़कर है, जिसके लिए हिंदी में कोई शब्द उपलब्ध नहीं है। जितनी यह सरकार %ईमानदार% है, उतना ही यह वाला मीडिया भी %ईमानदार% है। न इनमें से कोई ज्यादा %ईमानदार% है, न कोई कम! दोनों की %ईमानदारी % में एक सूत का भी फर्क नहीं है। इसका मतलब है कि अडानी-अंबानी और सुभाष चंद्रा भी %ईमानदार %हुए, जिनकी वजह से आज गोदी मीडिया को %ईमानदार % का इतना बड़ा तोहफा मिला है! ये उतने ही ईमानदार हैं, जितने मोदी जी ईमानदार हैं और सब जानते हैं कि मोदी जी, आजाद भारत के इतिहास के सबसे %ईमानदार % प्रधानमंत्री हैं! यह बात वह स्वयं भी बार-बार बताते रहे हैं, इसलिए और भी याद रहती है, वरना इस तरफ ध्यान भी नहीं जाता! यानी जो पाले के इस तरफ हैं, सब ईमानदार हैं। और जो उस तरफ हैं, वे क्या हैं, यह समझने वाले समझ गए हैं और जो ना समझे, वो अनाड़ी है! वैसे भी बच्चा जब तक गोदी में पलता है, तो वह सबसे ज्यादा ईमानदार मां के प्रति होता है, क्योंकि वह अनजान होकर भी इतना जानकार तो होता ही है कि उसकी खुराक दूध का स्रोत, उसकी मां है और दूध उसकी सबसे पहली और सबसे बड़ी जरूरत है! तो गोदी मीडिया भी ऐसा ही सरकार का बच्चा है। इसके साथ दिक्कत यह है कि यह साढ़े ग्यारह का हो चुका है।मां का दूध पीने की उम्र से बेहद आगे आ चुका है। फिर भी मां के स्तनों से चिपका है। इतने बड़े बच्चे को कोई मां अपना दूध नहीं पिलाती और न पिला सकती है, मगर यह सरकार बहादुर का प्यारा बच्चा है, इसलिए उसके स्तनों में दूध नहीं है, फिर भी पिला रही है। मानसिक रूप से विकलांग बच्चा कितना ही बड़ा हो, उसका खयाल रखना पड़ता है। साड़ी में बोतल छिपाकर भी मां को दूध पिलाना पड़े, तो वह पिलाती है। तो गोदी मीडिया सरकार का दिमागी रूप से अविकसित बच्चा है, मगर देश के बड़े बनियों के लिए यह बोझ नहीं, वरदान है, वरना वे ऐसे बच्चे को कब के ठिकाने लगा चुके होते! ये बनिये नहीं चाहते कि इस बच्चे का इलाज हो, दिमाग रूप से विकसित हो, पांव पर नहीं, तो यह घुटनों के बल तो चलना सीखे ! उन्हें डर है कि घुटने के बल चलते-चलते यह कहीं और पहुंच सकता है, दूसरों की संगत में आकर बिगड़ सकता है, विद्रोही बन सकता है। उन्हें मुश्किल में डाल सकता है! न बनियों को विद्रोह पसंद है, न जिनकी गोद में यह मीडिया पल रहा है, उन्हें! इसलिए गोदी मीडिया ने 2047 तक गोद में ही रहने का संकल्प लिया है, क्योंकि प्रधानमंत्री का कहना है कि %संकल्प से ही सिद्धि% तक पहुंचा जा सकता है! (कई पुरस्कारों से सम्मानित विष्णु नागर साहित्यकार और स्वतंत्र पत्रकार हैं। जनवादी लेखक संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं।)

भारत की विविधता में एकता और चुनौतियों को अवसर बदलने की निपूर्णता ने भारत को अग्रणी प्रकाश स्तंभ बनाया

संजीव ठाकुर

भारत की विविधता में एकता और चुनौतियों को अवसर में बदलने की अद्भुत निपुणता ने आज भारत को विश्व शक्ति के शिखर पर स्थापित कर दिया है, यही कारण है कि विश्व समुदाय भारत को केवल एक भूगोल, विशाल जनसंख्या या बाजार के रूप में नहीं देख रहा, बल्कि उसे एक जीवंत सभ्यता, विचार, संस्कृति, तकनीकी क्षमता और आर्थिक परिवर्तन के अद्वितीय मॉडल के रूप में समझने लगा है। भारत वह भूमि है जहाँ सात सौ से अधिक भाषाएँ, बीस हजार से अधिक बोलियाँ, अनेक धर्म, पंथ, समुदाय, विविध वस्त्र, विविध भोजन, विविध पर्व और विविध संस्कृतियों का महासागर मौजूद है, परंतु फिर भी इन सभी विविध धाराओं को एक सशक्त राष्ट्र-चेतना में बाँधने वाली सत्ता हैकृएकता की अदृश्य परंतु अटूट डोर। यही एकता भारत की आत्मा है, यही उसके अस्तित्व की पहचान है और यही संघर्षों में उसकी शक्ति बनकर उभरती रही है। इतिहास इसका साक्षी है कि जब-जब संकट आया, जब-जब विदेशी आक्रमणकारी आए, जब-जब विभाजनकारी शक्तियों ने इस राष्ट्र की जड़ों को हिलाने का प्रयास किया, तब भारत ने टूटने के बजाय और अधिक मजबूत होकर उठना सीखा।

स्वतंत्रता के बाद जब नवनिर्माण की चुनौती सामने थी, तब अनेक विदेशी विशेषज्ञों ने यह भविष्यवाणी की थी कि इतनी विविधताओं वाला देश पाँच-दस वर्षों में टूट जाएगा, लेकिन भारत ने यह सिद्ध किया कि इसकी विविधता विभाजन नहीं, सामर्थ्य हैय इसकी बहुलता अस्थिरता नहीं, बल्कि प्रगति का आधार है। संविधान निर्माताओं ने ऐसा लोकतांत्रिक ढाँचा तैयार किया जिसमें विचारों का सम्मान, धर्मनिरपेक्षता, समान अधिकार, भाषाई और सांस्कृतिक स्वतंत्रता और नागरिक सम्मान का अद्भुत संतुलन दिखाई देता है। इसी लोकतांत्रिक शक्ति ने भारत को दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे सशक्त लोकतंत्र बनाया। आज जब विश्व के कई बड़े देशों में सामाजिक तनाव और राजनीतिक अस्थिरता है, तब भारत में 145 करोड़ नागरिकों का एक लक्ष्य, एक दिशा और एक ध्येय हैकृविकास और वैश्विक नेतृत्व। चुनौतियों को अवसर में बदलने की भारत की क्षमता का सबसे बड़ा उदाहरण कोरोना महामारी रही। जब विश्व की महाशक्तियाँ स्वास्थ्य संकट से टूट रही थीं, तब भारत ने न केवल सबसे बड़े वैक्सीनेशन अभियान को सफल बनाया, बल्कि 100 से अधिक देशों को वैक्सीन भेजकर मानवता का धर्म निभाया। इसी तरह प्राकृतिक आपदाओं, सीमाई चुनौतियों, और आंतरिक सामाजिक तनावों के समय भारत ने संयम, धैर्य और सामूहिक सहयोग से समाधान खोजने की विलक्षण परंपरा दिखाई। वर्तमान में भारत की उपलब्धियाँ यह प्रमाणित करती हैं कि यह राष्ट्र केवल संघर्षों से जूझता नहीं, बल्कि उनसे चमकता है। चंद्रयान-3 की अभूतपूर्व सफलता, गगनयान और सूर्ययान मिशन, डिजिटल इंडिया के कारण विश्व में सबसे अधिक डिजिटल लेनदेन करने वाला देश, स्टार्टअप इंडिया के कारण सातवीं सबसे बड़ी स्टार्टअप अर्थव्यवस्था, जी-20 में भारत की अध्यक्षता और अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्य बनाकर वैश्विक दक्षिण का नेतृत्व, रक्षा और तकनीक में आत्मनिर्भरता, और 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की तेज गतिकृये सब इस बात के प्रमाण हैं कि भारत केवल परिवर्तन नहीं, बल्कि नवोन्मेष का प्रतीक बन चुका है।

आज विश्व यह मान चुका है कि भारत की शक्ति उसके हथियारों या आर्थिक संसाधनों में ही नहीं, बल्कि उसके सामाजिक सद्भाव, सहिष्णुता, आध्यात्मिक संस्कृति, लोकतांत्रिक मूल्यों और विविधता में निहित है। भारत की एकता मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों, चर्चों, बौद्ध विहारों के बीच संतुलन के मंत्र से नहीं, बल्कि 'वसुधैव कुटुम्बकम्'कृ'विश्व एक परिवार है' की भावना से संचालित होती है। यही कारण है कि जब कोई शक्ति भारत को जाति, धर्म या भाषा के नाम पर बाँटने का प्रयास करती है, तब भारतीय समाज अपनी परंपरा के अनुरूप और अधिक दृढ़ होकर खड़ा हो जाता है और कहता है कि हम पहले भारतीय हैं, उसके बाद कुछ और यही वह आत्मविश्वास और राष्ट्रीय चेतना है जिसने भारत को केवल एक राष्ट्र नहीं, बल्कि शक्ति और आशा का प्रकाश स्तंभ बना दिया है। यही वह दिव्य तेज है जिसने भारत को अग्रणी बनाया है उज्ज्वल, तेजस्वी, प्रखर, अजेय और जगत को दिशा देने वाला। आने वाला समय निर्विवाद रूप से भारत का समय है, और आने वाली सदी भारत की सदी होगी, क्योंकि यह देश हर चुनौती को अवसर और हर संघर्ष को विजय में बदलना जानता है। यही भारत की पहचान है, यही भारत का गौरव है, और यही वह ऊर्जा है जो भारत को विश्व गुरु बनाकर उभार रही है।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा प्राथमिक विद्यालय रॉबर्ट्सगंज द्वितीय का किया गया निरीक्षण

रॉबर्टसगंज, सोनभद्र। मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी द्वारा प्राथमिक विद्यालय रॉबर्ट्सगंज द्वितीय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की शैक्षिक व्यवस्था, छात्र उपस्थिति, शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया तथा निपुण भारत अभियान से संबंधित गतिविधियों का विस्तार से अवलोकन किया गया। विद्यालय में 149 पंजीकृत छात्रों के सापेक्ष 123 छात्र(82प्रतिशत) उपस्थित पाए गए। निरीक्षण में यह भी पाया गया कि सभी शिक्षक सुषमा सिंह , प्रधानाध्यापक, खुशबरी , अर्चना तिवारी, आनन्दिता सिंह तथा सुशील कुमार सिंह (शिक्षा मित्र) अपने-अपने कक्षाओं में शिक्षण कार्य करते पाये गये। निरीक्षण के दौरान यह महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया कि विद्यालय में छात्रों को विषयवार व्यवस्थित रूप से नोटबुक पर लेखन कार्य कराया जाता है। शिक्षकों द्वारा उन नोटबुक्स की नियमित जांच की जाती है जिससे शिक्षण की गुणवत्ता और विद्यार्थियों के अधिगम स्तर में सतत सुधार दिखाई देता है। मुख्य विकास अधिकारी ने निपुण भारत अभियान के अंतर्गत छात्रों को निपुण बनाने हेतु शिक्षकों द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट प्रयासों, नवाचारों एवं सुदृढ़ दस्तावेजीकरण की सराहना की और सभी शिक्षकों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। निरीक्षण के अंत में उन्होंने विद्यालय को निर्देशित किया कि इसी प्रकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अधिगम दक्षताओं के विकास और छात्र उपस्थिति बढ़ाने हेतु निरंतर प्रयास जारी रखें।

एएमयू के शोधार्थी मंसूर अहमद यूके क्वांटम टेक्नोलॉजीज विंटर स्कूल 2025 के लिए चयनित

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के भौतिकी विभाग के पीएचडी पीएचडी छात्र और विकारुल मुल्क हॉस्टल निवासी मंसूर अहमद ने विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। उनका चयन प्रतिष्ठित यूके क्वांटम टेक्नोलॉजीज विंटर स्कूल 2025 के लिए हुआ है, जो 14 से 20 दिसंबर 2025 तक आयोजित होगा। दुनिया भर से चुने गए केवल 50 प्रतिभागियों में वह शामिल हैं और भारत से अकेले प्रतिनिधि हैं। डॉ. फ़राज अहमद इनाम के निर्देशन में शोध कर रहे मंसूर अहमद क्वांटम ऑप्टिक्स में विशेषज्ञता रखते हैं। वह एएमयू की क्वांटम फोटोनिक्स लैबोरेट्री के सक्रिय सदस्य हैं और क्वांटम सिस्टम से जुड़े सेंसर और सूचना प्रसंस्करण (इन्फॉर्मेशन प्रोसेसिंग) पर उन्नत शोध में योगदान दे रहे हैं। यह विंटर स्कूल क्यूसिट द्वारा आयोजित किया जा रहा है और यूके की प्रमुख विश्वविद्यालयों यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम, यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड, यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो और हेरीऑट-वॉट यूनिवर्सिटी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा।

विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक का किया गया आयोजन

दुद्धी, सोनभद्र। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर सोमवार को राम नगीना फ़ार्मेसी कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज द्वारा जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संरक्षक उपेंद्र यादव के मार्गदर्शन में तथा संचालन शुभांगी अग्रहरी द्वारा किया गया। इस अवसर पर फ़ार्मेसी कॉलेज के प्राचार्य डॉ सिशान्त राव दिव्य तथा नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या आमीना नसरीन भी मौजूद रहीं। सभी सहयोगी शिक्षक एवं शिक्षिकाएँ भी कार्यक्रम में सक्रिय रूप से शामिल हुए। रैली कॉलेज परिसर से शुरू होकर जागरूकता संदेशों के साथ नगर भ्रमण कर सम्पन्न हुआ । तत्पश्चात छात्रों द्वारा समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और राजकीय बालिका इंटर कॉलेज दुद्धी में नुक्कड़ नाटक का प्रभावशाली मंचन किया गया। नाटक प्रशासन के सहयोग तथा शिक्षकों की उपस्थिति में आयोजित हुआ। नुक्कड़ नाटक में छात्रों ने एचआईवी/एड्स के कारण, लक्षण, बचाव और उपचार की महत्वपूर्ण जानकारी सरल और प्रभावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत की। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में एड्स से संबंधित भ्रांतियों को दूर करना और लोगों को जागरूक करना था। कार्यक्रम के अंत में संरक्षक उपेंद्र यादव ने दोनों प्राचार्यों तथा शिक्षकों ने छात्रों के प्रयासों की सराहना की और जागरूकता अभियान को सफल बनाने के लिए उन्हें बधाई दी।

हौसला बुलंद चोरों ने एक और दरोगा के घर को बनाया निशाना

➲ ढाई लाख नगदी समेत करीब 15 लाख रुपए के आभूषण पर हाथ किया साफ ➲ घटना के समय भवन स्वामी शादी समारोह में शामिल होने गए थे अपने गांव ➲ नगर क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी से मोहल्ले वासियों में दहशत

चुनार, मिर्जापुर। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला उस्मानपुर में वन दरोगा अरुण कुमार तिवारी के आवास को चोरों ने निशाना बनाया और ढाई लाख नगदी समेत करीब 15 लाख रुपए के आभूषण लेकर चंपत हो गए। घटना के समय परिवार के सभी सदस्य अपने गांव आजमगढ़ में किसी विवाह समारोह में शामिल होने के लिए गए थे। रविवार की देर रात जब वे वापस घर लौटे तो अंदर कमरों के ताले टूटे मिले और चोरों ने बेटे के कमरे से बहू के आभूषण समेत नगदी उड़ा दी। मामले की सूचना पर रात में ही 112 मौके पर पहुंची थी। सोमवार की सुबह जब आस पास के लोगों को घटना की जानकारी मिली तो मौके पर बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए। वन दरोगा अरुण तिवारी ने बताया कि घर का ताला तोड़ कर चोरों ने ढाई लाख नगदी व साढ़े बारह लाख रुपए का आभूषण उठा ले गए। अरुण ने कोतवाली में तहरीर देकर पैसा आभूषण बरामद करने की गुहार लगाई।

सर सैयद के वंशज समद मसूद ने एएमयू में सर सैयद हाउस का दौरा किया

अलीगढ़। सर सैयद अहमद खां के वंशज समद मसूद ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय स्थित सर सैयद हाउस का दौरा किया। यह ऐतिहासिक भवन, जहाँ कभी एएमयू के संस्थापक और महान समाज सुधारक सर सैयद रहते थे, आज सर सैयद से जुड़े ऐतिहासिक दस्तावेजों एवं पुस्तकों का संग्राहालय है और विश्वविद्यालय की समृद्ध विरासत का संरक्षित प्रतीक भी है। दौरे के दौरान ब्रिटिश नागरिक मसूद ने उस घर के कमरों और अन्य स्थानों का अवलोकन किया, जहाँ उनके महान पूर्वज रहते और काम करते थे। उन्होंने उन स्मृतिचिह्नों, दस्तावेजों और प्रदर्शनियों में गहरी रुचि दिखाई जो सर सैयद के जीवन और उनके योगदान को दर्शाते हैं। रॉस मसूद के प्रपौत्र मसूद ने आगंतुक पुस्तिका में अपने विचार भी लिखे। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा इस ऐतिहासिक भवन को सहेज कर रखने और सर सैयद अहमद खां की विरासत को जीवित बनाए रखने के प्रयासों की प्रशंसा की।

विश्व एड्स दिवस एवं मानसिक स्वास्थ्य विषय पर गोष्ठी का आयोजन

चुनार,मिर्जापुर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मिशन शक्ति फेज 5, रोवर्स रेंजर्स, भारतखंडे कल्चरल क्लब,रेड रिबन क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में सोमवार को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर ÷रोग प्रतिरोध क्षमता एवं मानसिक स्वास्थ्य में योग की भूमिका÷ विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी एवं योग कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं योग प्रशिक्षक डॉ0 अभिषेक गुप्ता, जूनियर रिसर्च ऑफिसर आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संकाय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, ने अपने प्रेरक वक्तव्य में कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को मजबूत करता है बल्कि मानसिक संतुलन एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। योग कार्यशाला में छात्र छात्राओं को अनुलोम विलोम, कपाल भाती, भ्रामरी, धनुरासन, ताड़ासन, तिर्यक ताड़ासन आदि प्राणायामों का अभ्यास कराया गया।

महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो0 डॉ0 माधवी शुक्ला ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में योग को भारतीय ज्ञान-परंपरा का अमूल्य उपहार बताते हुए कहा कि स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण में योग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, ध्यान-केन्द्रण और सकारात्मक सोच विकसित होती है। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 शिखा तिवारी, स्वागत डॉ कुसुम लता, विषय प्रवर्तन डॉ0 शेफालिका राय, धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 विद्या सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ दीपक सिंह सहित महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक/प्राधिपकाएं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यशाला में 52 छात्राएं एवं 28 छात्र ने प्रतिभाग किया।

एएमयू के इंटरडिसिप्लिनरी नैनोटेक्नोलॉजी सेंटर द्वारा दवाओं की खोज पर पाँच दिवसीय ज्ञान कोर्स सम्पन्न

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के इंटरडिसिप्लिनरी नैनोटेक्नोलॉजी सेंटर (आईएनसी) ने फ़दवा की खोज और डिलीवरी की बहु-विषयी दृष्टिफ़ विषय पर पाँच दिवसीय ज्ञान कोर्स सफलतापूर्वक आयोजित किया। इसमें जामिया मिलिया इस्लामिया, जामिया हमदर्द, शारदा यूनिवर्सिटी, बीबीएयू और एएमयू के विभिन्न विभागों सहित कई प्रतिष्ठित संस्थानों के 57 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। समापन समारोह की अध्यक्षता डॉ. मोहम्मद अजहर अजीज ने की। इस अवसर पर प्रो. एम.जे. वारसी, स्थानीय ज्ञान समन्वयक, ने रिसोर्स पर्सन्स, आयोजकों और सभी प्रतिभागियों को कार्यक्रम के सफल आयोजन पर बधाई दी। उन्होंने सिविल इंजीनियरिंग विभाग, फार्माकोलॉजी विभाग और अन्य प्रशासनिक इकाइयों का सहयोग के लिए धन्यवाद किया। प्रो. वारसी ने ज्ञान पहल के उद्देश्यों के अनुरूप अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर और विभिन्न विषयों के बीच सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रतिभागियों ने इस कोर्स को रोचक, ज्ञानवर्धक और प्रेरक बताया। उनका कहना था कि इस कार्यक्रम ने उन्हें अकादमिक और उद्योग दोनों दृष्टिकोणों से नई समझ प्रदान की। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की सटीक योजना और बेहतरीन समन्वय की भी सराहना की, जिससे इसकी अकादमिक गुणवत्ता और प्रबंधन दोनों उत्कृष्ट रहे। पाँच दिनों के दौरान कोर्स में व्याख्यान, इंटरऐक्टिव सत्र और हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग शामिल थीं, जिनमें दवा की खोज, दवा का मेटाबोलिज्म, फार्माकोकाइनेटिक्स (डीएमपीके) और ट्रांसलेशनल रिसर्च जैसे विषयों पर चर्चा की गई। लेक्चर देने वाले विशेषज्ञों में डॉ. इमादुल इस्लाम (केएआईएमआरसी, रियाद), डॉ. मोहम्मद जैनुद्दीन (जुबिलेंट थेराप्यूटिक्स) और डॉ. मोहम्मद अजहर अजीज (एसोसिएट प्रोफेसर, आईएनसी) शामिल थे। कार्यक्रम की विशेष बात हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग रही, जिसे आईएनसी और जेएनएमसी के फार्माकोलॉजी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। इसकी अगुवाई विभागाध्यक्ष प्रो. जियाउर रहमान ने की।

राजकीय महाविद्यालय अदलहाट में पांच दिवसीय रेंजर्स प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

अदलहाट,मिर्जापुर। लालता सिंह राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में चल रहे पांच दिवसीय रेंजर्स प्रशिक्षण शिविर विविध कार्यक्रमों के बीच समापन हुआ। शिवांगी चौरासिया को बेस्ट रेंजर्स व सोनम को बेस्ट ग्रुप लीडर (दलनायिका) चुना गया। इस अवसर पर ट्रेनर प्रशिक्षकों के द्वारा रेंजर्स को प्रशिक्षण प्रदान की गई जिसमें उन्होंने अनुशासन, सेवा और राष्ट्र प्रेम की भावना को जीवन में अपनाने का संदेश दिया।मुख्य अतिथि ने रेंजर्स के बनाए टेंट का निरीक्षण किया।समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय भूगोल विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर दुर्गेश सिंह ने कहा कि रेंजर्स को प्रशिक्षण शिविर के नियमों का पालन करते हुए पूरी निष्ठा से प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने अंदर सेवा भाव जागृत कर समाज में सशक्त योगदान देने के लिए तत्पर रहना चाहिए।कहा कि रेंजर्स प्रशिक्षण युवाओं में आत्मनिर्भरता, नेतृत्व क्षमता एवं समाज सेवा की भावना का विकास करता है।अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य प्रोफेसर सुरेन्द्र कुमार सिंह यादव ने कहा कि आपदाओं के समय रेंजर्स का बड़ा योगदान रहा है।प्रशिक्षण शिविर में दिए गए प्रशिक्षण को जीवन में उतारकर देश के प्रति समर्पित होने के लिए प्रेरित किया।विभिन्न प्रतियोगिताओं के क्विज प्रतियोगिता में प्रियंका कुमारी प्रथम,द्वितीय अंजनी कुमारी, तृतीय पायल, निबंध प्रतियोगिता में प्रथम गंगा कुमारी, द्वितीय अंजलि सिंह, तृतीय प्रियंका कुमारी,खेल में प्रथम पूजा कुमारी, द्वितीय अंकिता यादव, तृतीय रुबी, हैंड क्राफ्ट में प्रथम हर्षिता, द्वितीय शिवांगी चौरसिया, तृतीय सोनम रही।पिछले चार दिन से चल रहे प्रशिक्षण कार्य का मूल्यांकन डॉ0 हेरंब पांडेय, डॉ0 प्रदीप मिश्रा, डॉ0 प्रेमलता, डॉ0 मनीष चंद्र, डॉ0 प्रणव कुमार, डॉ0 अंकित आदि ने किया।ट्रेनिंग काउंसलर प्रदीप कुमार मौर्य एवं प्रशिक्षिका किरण देवी ने अंतिम दिन प्रशिक्षणार्थी से उसकी एक कमी को त्यागने के लिए कहा गया साथ ही छात्र-छात्राओं को समाज ,राष्ट्र और परिवार के प्रति अपनी भूमिका का निर्वहन करते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया।शिविर का संचालन रेंजर्स प्रभारी डॉ0 सुमिता बनर्जी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 अंजू सोनकर ने किया।इस अवसर पर प्रो0 गोमतेश्वर पाल, डॉ0 राजकुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में ग्राम सचिवों का प्रदर्शन

बहराइच। उत्तर प्रदेश ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रदीप सिंह और ग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चंद्र पांडेय के संयुक्त आह्वान पर ग्राम सचिवों ने सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया। पंचायती राज एवं ग्राम्य विकास विभाग के ग्राम सभा सचिवों ने विशेश्वरगंज विकासखंड कार्यालय पर काली पट्टी बांधकर ऑनलाइन हाजिरी प्रणाली (फेशियल रिकॉग्निशन बेस्ड अटेंडेंस) और बढ़ते गैर-विभागीय कार्यों का कड़ा विरोध दर्ज कराया। सचिवों ने इस प्रणाली को सिस्टम पर सीधा हमला बताते हुए आंदोलन तेज करने की घोषणा की। इस आंदोलन की कमान पंचायत विभाग के ब्लॉक अध्यक्ष अरुण कुमार पांडेय और विकास विभाग के ब्लॉक अध्यक्ष भूपेंद्र तिवारी ने संभाली। उनके नेतृत्व में सतवंत सिंह, लक्ष्मी नारायण, प्रवीण, अर्जुन, विजय मिश्र, अनुराधा चौरसिया, महेश प्रताप सहित सभी ग्राम सचिवों ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। ग्राम सभा सचिवों का कहना है कि बिना पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली लागू करना ग्रामीण परिस्थितियों के विपरीत है। उनका तर्क है कि नेटवर्क, बिजली और तकनीकी साधनों के अभाव में इस प्रणाली को जमीनी स्तर पर लागू करना व्यावहारिक नहीं है। सचिवों ने यह भी बताया कि फार्मर रजिस्ट्री, एग्रो स्टैक सर्वे, आयुष्मान कार्ड, फैमिली आईडी, पेंशन सत्यापन, शिक्षा विभाग की ड्यूटी, गौशाला प्रबंधन, पराली और सोलर लक्ष्य जैसे कई गैर-विभागीय दायित्व उन्हें उनकी मूल जिम्मेदारियों से विचलित कर रहे हैं। ग्राम सचिवों ने जानकारी दी कि यह आंदोलन प्रदेश संगठन के आह्वान पर चरणबद्ध तरीके से चल रहा है। इसके तहत, 1 से 4 दिसंबर तक सभी ग्राम सचिव काली पट्टी बांधकर विरोध जारी रखेंगे। 5 दिसंबर को ब्लॉक मुख्यालय पर सत्याग्रह आयोजित कर मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा जाएगा।

बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गीता जयंती

चुनार,मिर्जापुर। श्रीमती भागीरथी ट्रस्ट आदर्श संस्कृत महाविद्यालय में गीता जयंती का उत्सव बड़े हर्सोल्लास के साथ मनाया गया। प्रात: प्राचार्य सहित समस्त अध्यापक एवं छात्रों ने प्रभात फेरी निकाली जिसमें घंटा शंख नाद के साथ गीता के उद्घोष किए गए ।इसके उपरांत भगवान श्री कृष्ण का पूजन मंत्र उच्चारण के साथ विद्यालय परिवार ने प्राचार्य के साथ किया ,तदुपरान सांस्कृतिक कार्यक्रम में गीता जयंती के उत्सव पर चुनार नगर पालिका के अध्यक्ष मंसूर अहमद की अध्यक्षता में एवं बरेवां स्थित जनता इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य नंदकिशोर तिवारी के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ। जिसमें निखिल,कान्हा, अर्पित तथा गौरव ने मंगलाचरण किया। स्वागत गान में आदर्श, अंकित, घनश्याम, रूपक ,शशांक शेखर ने स्वागत गान किया ।काव्यपाठ में पीयूष ,कान्हा तिवारी ,सचिन पांडे, प्रणव त्रिपाठी ,अंकित पाठक, मंगलेश, मधुर ,शशांक ,शेखर, आदर्श, लकी, आयुष ,अर्पित,शिवम आदि ने काव्य पाठ किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर रमापति त्रिपाठी ने अपने स्वागत भाषण में सभी अतिथियों का स्वागत एवं अध्यक्ष का स्वागत किया ।वक्ता के रूप में में अखिलेश पांडे पीडीएनडी कॉलेज चुनार ने गीता के महत्व पर प्रकाश डाला। भागवत भ्रमण भागवत के प्रवक्ता कैलाशपति त्रिपाठी ने गीता के महत्व को प्रतिपादित करते हुए कहा कि गीता एक ऐसा ग्रंथ है जो अपने में स्वयं एक वेद है जो भगवान के मुख से निकला हुआ है। उसी क्रम में लालता सिंह महिला महाविद्यालय अदलहाट के पूर्व प्राचार्य डॉ0 कृष्ण बिहारी द्विवेदी ने गीता के गहराइयों का प्रतिपादन किया। मुख्य अतिथि नंदकिशोर तिवारी ने गीता के विशिष्टता को छूते हुए कहा कि गीता कर्म ,भक्ति, ज्ञान की त्रिवेणी संगम के रूप में भगवान कृष्ण ने निमज्जन करके मुक्ति प्रदान करने के लिए यह जन-जन को अर्जुन के माध्यम से प्रदान किया है । अध्यक्ष ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि गीता के अनुकरण से ही जनमानस का कल्याण संभव है ।विभा, प्रीति पाठक ,श्याम किशोर पांडे ने संचालन किया। कार्यक्रम में छात्रों ने कृष्ण अर्जुन संवाद का भी मंचन किया जिसमें धृतराष्ट्र के रूप में ज्ञानेश्वर, संजय के रूप में घनश्याम पांडे, अर्जुन के रूप में दुर्गेश तिवारी, कृष्ण के रूप में आयुष उपाध्याय ने अपने अभिनय से सभी को मुग्ध कर दिया। सबने छात्रों के मंचन का मुक्त कंठ से प्रशंसा की ।कार्यक्रम में चुनार के विशिष्ट लोगों के साथ साथ सौरभ पुजारी आदि उपस्थित रहे।

एएमयू में नौ दिवसीय उर्दू पुस्तक मेला भव्य समापन समारोह के साथ सम्पन्न

अलीगढ़। नेशनल काउंसिल फॉर प्रमोशन ऑफ उर्दू लैंग्वेज (एनसीपीयूएल) द्वारा सर सैयद अकादमी और कल्चरल एजुकेशन सेंटर (सीईसी), एएमयू के सहयोग से आयोजित नौ दिवसीय उर्दू पुस्तक मेला समापन समारोह के साथ सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम उर्दू साहित्य, पाठक संस्कृति और सांस्कृतिक विरासत के उत्सव का एक जीवंत उदाहरण रहा। पूर्व एएमयू कुलपति प्रो. मोहम्मद गुलरेज मुख्य अतिथि ने उर्दू भाषा और साहित्य के प्रचार-प्रसार में एनसीपीयूएल के सतत प्रयासों की सराहना की और कहा कि इस मेले ने प्रकाशकों, लेखकों, विद्वानों और पाठकों को एक ही मंच पर एकत्रित कर अलीगढ़ में नई साहित्यिक और सांस्कृतिक ऊर्जा पैदा की है। उन्होंने एनसीपीयूएल और उसके निदेशक डॉ. शम्स इकबाल के समर्पित कार्यों की प्रशंसा की। प्रो. गुलरेज ने कहा कि ऐसे आयोजन पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं और उर्दू की सदाबहार विरासत को मजबूत बनाते हैं। सर सैयद अकादमी के निदेशक प्रो. शाफे किदवई ने भी आयोजकों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी और कहा कि पुस्तकें बौद्धिक सोच को आकार देने और सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने का अनमोल साधन हैं। उन्होंने इस मेले को अलीगढ़ की शैक्षणिक परंपरा को और समृद्ध करने वाली पहल बताया। अपने संबोधन में एनसीपीयूएल के निदेशक डॉ. मोहम्मद शम्स इकबाल ने खासकर युवाओं में पुस्तकों के प्रति रुचि को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अध्ययन की आदत विकसित भारत ध् 2047 के राष्ट्रीय लक्ष्य को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, क्योंकि बौद्धिक विकास और समग्र उन्नति के लिए पुस्तकों से निरंतर जुड़ाव अत्यावश्यक है। उन्होंनेएएमयू प्रशासन, भाग लेने वाले प्रकाशकों, लेखकों, स्वयंसेवकों और आगंतुकों का धन्यवाद किया।

जर्जर आवास में रहने को मजबूर लघु सिंचाई विभाग के चौकीदार

❑ जिम्मेदारों की लापरवाही से जा सकती है चौकीदारों की जान
❑ ना बिजली, ना पानी की व्यवस्था और ना ही शौचालय

कैलहट,मिर्जापुर। लघु सिंचाई विभाग के अधिकारियों की मनमानी के चलते उपेक्षित है रस्तोगी स्थित लघु सिंचाई विभाग भंडार। लघु सिंचाई विभाग का एक भंडारण केंद्र रस्तोगी पर स्थापित है जिसका मुख्यालय चंदौली में है। दो चौकीदारों के सहारे न बिजली की व्यवस्था,न पानी की व्यवस्था, ना ही रहने के लिए कर्मचारियों के आवास की व्यवस्था और ना तो शौचालय की व्यवस्था।इस भंडार के कर्मचारी उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। अधिकारियों के द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा जिससे कभी भी कोई अप्रिय घटना घट सकती है ।सारा उत्तरदायित्व लघु सिंचाई विभाग कार्यालय चंदौली का होगा।इस संबंध में कर्मचारी लाल बहादुर द्वारा लिखित रूप से कार्यालय को अवगत कराया गया उसके बावजूद विभाग के बड़े अधिकारियों के ऊपर कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा है।

यतीमों, गरीबों की अमानत के संरक्षण में सरकार व बोर्ड को और गंभीर होना चाहिए- अनीस मंसूरी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों के रजिस्ट्रेशन की समय सीमा 5 दिसम्बर को आगे बढ़ाने की मांग को सुप्रीम कोर्ट द्वारा मना किए जाने के बाद पसमांदा मुस्लिम समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अनीस मंसूरी ने अत्यंत सभ्य लेकिन स्पष्ट शब्दों में अपनी गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि वक्फ संपत्तियां केवल जमीन-जायदाद नहीं, बल्कि यतीम बच्चों, गरीब परिवारों, पसमांदा तबकों और बेवा महिलाओं की अमानत हैं, इसलिए इनसे जुड़े निर्णयों में अधिक संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए। वक्फ संपत्तियां हमारी सामाजिक जिम्मेदारी हैं अनीस मंसूरी ने कहा कि वक्फ व्यवस्था देश के सबसे कमजोर और पिछड़े तबकों के लिए एक मजबूत सामाजिक सहारा रही है। शिक्षा, इलाज, सहायता और सामाजिक उत्थान से जुड़ी अनेक जरूरतें वक्फ संपत्तियों से पूरी होती हैं। ऐसे में इनकी सुरक्षित रख-रखाव और सही रजिस्ट्रेशन बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वक्फ संपत्तियों का संरक्षण केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी है। इसे ऐसे तरीके से लागू किया जाना चाहिए कि किसी भी गरीब या बेवा का हक तकनीकी खामियों की वजह से प्रभावित न हो। अनीस मंसूरी ने यह भी रेखांकित किया कि उम्मीद पोर्टल पर देशभर की लाखों वक्फ संपत्तियों का अद्यतन व सटीक रजिस्ट्रेशन कराना मूलतः वक्फ बोर्डों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड ही इन संपत्तियों के वास्तविक रिकॉर्ड, दस्तावेज और ऐतिहासिक विवरण सुरक्षित रखते हैं, इसलिए सरकार को बोर्डों को आवश्यक संसाधन, तकनीकी सहायता और स्पष्ट दिशानिर्देश उपलब्ध कराने चाहिए। तकनीकी चुनौतियों और पुरानी संपत्तियों पर चिंता उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि अनेक वक्फ संपत्तियां 80 से 150 साल पुरानी हैं, जिनके दस्तावेज अधूरे या नष्ट हो चुके हैं। कुछ मामलों में मुतवल्ली या वाकिफ का पता नहीं चल पाता। ऐसी स्थिति में छह महीने की समयसीमा व्यावहारिक रूप से कठिन साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर तकनीकी खामियों, इंटरनेट दिक्कतों और अभिलेखों की कमी के कारण जमीनी स्तर पर काम रुक-रुककर चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सम्मान करते हुए मंसूरी ने कहा कि हम अदालत की संवैधानिक मर्यादा का सम्मान करते हैं। हमारा विनीत आग्रह केवल इतना है कि यह मुद्दा सीधे उन वर्गों से जुड़ा है जिनके पास न वकील करने की क्षमता है, न तकनीकी प्रक्रियाओं से जूझने की। इसलिए सरकार और बोर्ड दोनों को उनके हितों को केंद्र में रखकर समाधान निकालना चाहिए। अंत में अनीस मंसूरी ने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार, वक्फ बोर्ड, तकनीकी टीमें और संबंधित संस्थाएं समन्वय बनाकर ऐसा रास्ता निकालेंगी जिससे कानून का सम्मान भी बना रहे, रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया भी पूरी हो, और पसमांदा समाज, यतीम बच्चों, गरीबों और बेवा महिलाओं के हित पूर्णतः सुरक्षित रहें। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य किसी टकराव का नहीं, बल्कि वक्फ संपत्तियों के सही संरक्षण और समाज के कमजोर वर्गों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करना है।

रुश्दी मियां के तूफ़ानी दौरों से रुदौली का सियासी पारा गर्म

➪ जनता का अभूतपूर्व समर्थन सपा की 2027 में बढ़त का संकेत

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई

मवई अयोध्या। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री/विधायक सैय्यद अब्बास अली जैदी उर्फ़ रुश्दी मियां इन दिनों लगातार रुदौली विधान सभा क्षेत्र के दौरे कर स्.ढ्ढ.क्र फॉर्म भरने को लेकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। और समय पर फॉर्म भरकर क्चरुह्र के पास जमा करने की बात कह रहे हैं। रुश्दी मियां के क्षेत्र भ्रमण की रफ्तार और हर कार्यक्रम में उमड़ रही भारी भीड़ ने स्थानीय राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। यही नहीं शीत के समय रुदौली का सियासी पारा गर्म है। रुश्दी मियां के तूफानी दौरों ने विपक्षी खेमे की बेचैनी बढ़ा दी है। रुश्दी मियां अपने दौरे के दौरान गांव-गांव जाकर जनता की समस्याओं को सुन रहे हैं,स्.ढ्ढ.क्र की जानकारी भी दे रहे हैं। और विकास से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा कर रहे हैं। क्षेत्र के बुजुर्ग हों,महिलाएँ हों या युवा—हर वर्ग में उनके प्रति उत्साह और भरोसा स्पष्ट दिखाई दे रहा है। विशेष रूप से युवाओं में रुश्दी मियां की लोकप्रियता सर चढ़ कर दिखाई दे रही है। लोगों का कहना है कि रात हो या दिन,युवाओं की भीड़ रुश्दी मियां से मुलाकात कर सेल्फी लेने की होड़ लगी रहती हैं। लेकिन नेता भी ऐसा की किसी को मायूस नहीं होने देता। समय चाहे कितना क्यों न लगे। जनता से मिल रहा यह अपार जनसमर्थन साफ संकेत दे रहा है कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में रुदौली सीट पर समाजवादी पार्टी की जीत का रास्ता पहले से कहीं अधिक मजबूत हो चुका है। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि जिस तरीके से रुश्दी मियां जनता से सीधा संवाद स्थापित कर रहे हैं,उनकी सक्रियता और उनकी सरलता इस बार 2027 में रुदौली विधान सभा में साइकिल की जीत होगी। रुदौली में इन दिनों चर्चा का केंद्र सिर्फ एक ही नाम है—सैय्यद अब्बास अली जैदी उर्फ़ रुश्दी मियां,जिनकी लोकप्रियता लगातार नए आयाम छू रही है। एक खास मुलाकात में तीसरा विकल्प दैनिक हिंदी समाचार से बात करते हुए पूर्व मंत्री ने कहा कि रुदौली की जनता के सुख दुख में हमेशा साथ खड़ा रहूंगा। उन्होंने कहा कि अपने पूर्वजों के बताए हुए रास्ते पर चल कर हमेशा रुदौली की जनता की सेवा करता रहूंगा।

विधायक शत्रुघ्न महतो ने गौतम सिंह को विधायक प्रतिनिधि मनोनीत किया

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

ब्योरा/धनबाद। बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो ने लेढीडुमर निवासी धनबाद बोकारो क्षेत्रिय राजपूत समाज के नेता गौतम सिंह को बाघमारा मंडल के ग्रामीण विभाग का विधायक प्रतिनिधि मनोनीत किया है। श्री सिंह का मनोनयन से क्षेत्र में खुशी का माहौल है और बधाई का तांता लगा हुआ है।

भारतीय किसान यूनियन प्रधान की बैठक का आयोजन किया गया

तीसरा विकल्प न्यूज़ शेर खान ब्यूरो बिजनौर

नजीबाबाद। ग्राम राजारामपुर में भाकियू प्रधान की बैठक जोरदार स्वागत और गूंजते नारों के बीच संपन्न हुई। ग्रामवासियों ने फूलमालाओं से भाकियू पदाधिकारियों का भव्य स्वागत किया। माहौल में उत्साह इतना था कि बैठक एक छोटे समारोह का रूप लेती दिखी। बैठक में 8 दिसंबर को बिजनौर में होने वाली महापंचायत को सफल बनाने का संकल्प लिया गया। ग्रामवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील नहीं, बल्कि 'आह्वान' किया गया। बताया गया कि आने वाली महापंचायत में कई लोगों को संगठन की अहम जिम्मेदारियाँ भी सौंपी जाएँगी। इस मौके पर नजीबाबाद ब्लॉक अध्यक्ष मौ. आमिल अंसारी, मंडल मीडिया प्रभारी रामोद कुमार, जिला सचिव प्रमोद कुमार, बब्बू भाई, मोहम्मद जिया, मोहम्मद शरीफ, खुर्शीद अहमद, भोपाल सिंह, महबूब अली सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। गांव में पूरे दिन चर्चा का विषय यही रहा कि 8 दिसंबर की महापंचायत अबकी बार बड़ी और दमदार होने वाली है।

बलियापुर प्रखंड में विधायक चंद्रदेव महतो ने एक महत्वपूर्ण सड़क परियोजना का शिलान्यास किया

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

बरियापुर/धनबाद। बात सटीक वादे पर अडिग विधायक चंद्रदेव महतो आज ही के दिन पिछले साल सिंदरी के विधायक ने भागारामपुर राजू चौक से लेकर चांदकुइया मोड. तक 3 किलोमीटर लंबी सड़क बनाने का वादा किया था जो 1 साल के अंदर उन्होंने इस वादों को निभाने का प्रयास किया। सिंदरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक चंद्रदेव महतो ने मंगलवार को बलियापुर प्रखंड में एक महत्वपूर्ण सड़क परियोजना का विधिवत शिलान्यास किया। भागारामपुर स्थित राजू महतो चौक में आयोजित एक समारोह में, विधायक महतो ने रानी रोड, राजू महतो चौक से चांदकुईया मोड़ तक बनने वाली 3 किलोमीटर लंबी सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। यह परियोजना जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) योजना के तहत कार्यान्वित की जाएगी, जिससे क्षेत्र के निवासियों को बेहतर आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक चंद्रदेव महतो ने कहा कि यह सड़क ग्रामीणों की एक साल पुरानी मांग थी, जिसे आज पूरा किया जा रहा है। उन्होंने ज़ोर दिया कि वह अपने क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं के समाधान की दिशा में पूरी तरह गंभीर हैं। विधायक महतो ने कहा, ग्रामीणों की मांग पर इस महत्वपूर्ण सड़क का शिलान्यास किया गया है। क्षेत्र के विकास और जनता की समस्याओं का समाधान मेरी प्राथमिकता है, और आने वाले समय में अन्य लंबित समस्याओं को भी जल्द से जल्द हल किया जाएगा।

सुभाष मार्ग पर रुई की दुकान में लगी आग फायर टीम ने समय रहते पाया काबू

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। थाना चौक क्षेत्र के सुभाष मार्ग पर अनुज अग्रवाल की रुई की दुकान के बाहर रखे बंडलों में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना रात 22ः40 बजे पुलिस व फायर स्टेशन चौक को दी गई। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन चौक से पुष्पेंद्र कुमार यादव के नेतृत्व में दो फायर टेंडर तुरंत मौके पर पहुंचे। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अल्प समय में ही आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। राहत की बात ये रही घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार, आग का कारण पास से गुजर रही बारातियों द्वारा छोड़ी गई आतिशबाज़ी से निकली चिंगारी बताई जा रही है,जिसने रुई के बंडलों को आग पकड़वा दी। फायर सर्विस की तत्परता के चलते एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

समाजवादी छात्र सभा ने स्वास्थ्य असुविधा को लेकर लविवि रजिस्ट्रार को ज्ञापन सौंपा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में समाजवादी छात्र सभा एवं एनएसयूआई द्वारा विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य की असुविधाओं को लेकर रजिस्टार महोदया को ज्ञापन सोपा गया ?। जिसमें मुख्य तौर पर लखनऊ विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य की सुविधाओं की कमी है,हाल ही में कुछ समय पूर्व करामात कॉलेज की प्रोफेसर जिनके पैर फैक्चर हुआ और बहुत ही लंबे समय बाद एंबुलेंस पहुंची और एंबुलेंस के अंदर स्ट्रेचर उपलब्ध नहीं था। विश्वविद्यालय मेडिकल पर भी कई सारी दवाइयां उपलब्ध नहीं है। ज्ञापन में मुख्य तौर पर एनएसयूआई से शुभम खरवार, सुधांशु शर्मा, अमित, विशाल समाजवादी छात्र सभा से तौकिल गाजी , जीतू कश्यप, प्रेम।

सुरो के सरताज ने महफिल सजाई हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव में, गुलदास्तां कार्यक्रम से भाव विभोर हुए

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। स्मृति उपवन में आयोजित मां गायत्री जन सेवा संस्थान एवं नीशू वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वाधान में हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव की सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ मुख्य अतिथि अध्यक्ष केयर एजुकेशनल ट्रस्ट डॉ. सीमा यादव आयोजक अरुण प्रताप सिंह,गुंजन वर्मा, रनवीर सिंह एवं हेमू चौरसिया ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। हिंदुस्तान हस्तशिल्प महोत्सव में सुरो के सरताज का कार्यक्रम में कलाकारों ने सांस्कृतिक मंच से सुरो की आवाज़ बिखेर कर श्रोताओं और दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। सुरों के सरताज में देवेंद्र मैंगी ने दिल के टुकड़े-टुकड़े करके.... हिमांशु ने जन्म जन्म... नजर के सामने... सत्यम ने हर किसी को नहीं मिलता... पूनम, अनुराग, सीमा विरमानी ने आपके प्यार में हम... गीत गाकर श्रोताओं का मोहा मन। सीमा बिरमानी ने इस कार्यक्रम को संचालित किया। कार्यक्रम के अगले पड़ाव में सुनीता राय के संयोजन में एम एम एम ग्रुप सिंगर ने अपने-अपने हुनर दिखाएं।इस तरह से आशिकी... अनुराग श्रीवास्तव सूरज हुआ मध्यम.... राहुल कुछ ना कहो... संजय कुमार कह दूं तुम्हें... सुनील एवं शालू की जुगलबंदी से श्रोताओं को आकर्षित किया।कार्यक्रम के अंत में कल्याणी फाउंडेशन एवं केयर एजुकेशन एकेडमी द्वारा गुलदास्तां प्रस्तुत किया गया। संस्था की संयुक्त सचिव विमला द्विवेदी ने कहा दिव्यांग बच्चों को सही दिशा देना,आत्मविश्वास पैदा करना, उनके स्वाभिमान को बढ़ाना ही इनका मुख्य उद्देश्य है। दिव्यांग बच्चों ने जिसमें विवेक, सोनिया सक्सेना, वेदांतिका श्रीवास्तव एवं शाश्वती चटर्जी ने प्रस्तुति दी। इस दौरान महोत्सव समिति के मोनालिसा, रोली जयसवाल व मनोज सिंह चौहान,रोली सिंह उपस्थित रहे। मंच का संचालन प्रदीप शुक्ला सहसंचालक विजय ने किया।

तारा देवी ने आंदोलनकारी स्वर्गीय राजू महतो के पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित किए व दर्जनों जरूरतमंदो के बीच कम्बल वितरण किये

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद । बलियापुर भाजपा नेत्री तारा देवी ने आंदोलनकारी स्वर्गीय राजू महतो के पुण्यतिथि पर उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किए व बढ़ती ठण्ड को देखते हुए वहां आएं दर्जनों जरूरतमंदो के बीच कम्बल वितरण किये। मौके पर स्वर्गीय राजू महतो जी के धर्मपत्नी गीता देवी उपप्रमुख आशा देवी , आमटाल के मुखिया संजय , गोराई मंटू रवानी, बिजय महतो, सुनील मोदक, जेठू महतो राजू निषाद मुक्तेश्वर महतो एवं सैकड़ो ग्रामीण श्रद्धांजलि सभा में उपस्तिथ हुए।

धनबाद के नकली शराब समूह / गुट का जामताड़ा जिला पुलिस ने किया भांडाफोड

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद । पश्चिमी टुण्डी प्रखण्ड तथा मनियाडीह थाना क्षेत्र के चन्द्रदेव मंडल एवं पूर्वी टुण्डी के दारा सिंह के अलावा 04 साथियों को जामताड़ा पुलिस ने 45 लाख के अवैध नक़ली विदेशी शराब के साथ रंगेहाथ धर-दबोचा। पुलिस अधीक्षक जामताड़ा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर नारायणपुर थाना क्षेत्र में एक बड़ी कार्रवाई की गई। पुलिस ने गोविन्दपुर-साहेबगंज मुख्य मार्ग पर पाण्डेयडीह मोड़ के समक्ष एक डीसीएम वाहन और 2 चार पहिया वाहनों को रोका, जिसमें भारी मात्रा में अवैध नकली विदेशी शराब बरामद की गई। इस छापामारी में पश्चिमी टुंडी प्रखण्ड क्षेत्र तथा मनियाडीह थाना अन्तर्गत जाताखुंटी पंचायत स्तर के चर्चित चन्द्रदेव मंडल उर्फ चंदर मंडल एवं पूर्वी टुंडी हलकट्टा के दारा सिंह समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। इस गिरफ्तारी से यह स्पष्ट हुआ कि धनबाद के अवैध शराब के समूह / गुट नकली शराब बनाकर नारायणपुर थाना क्षेत्र के रास्ते बिहार राज्य में खपत कर रहा है। बरामद सामान ः- 225 पेटी अवैध नकली विदेशी शराब रोयल स्टेज़ (5400 बोतल, 2025 लीटर) 78 पेटी गैलन में स्पीरिट (3120 लीटर) एक डीसीएम वाहन की संख्या -- डब्ल्यू बी-51सी-5752 वाहन हुंडई ॅक्र जिसका पंजीयन संख्या - जेएच 09- एडब्ल्यू -1734 मारूति सुजुकी स्विफ्ट जिसका पंजीयन संख्या जेएच 10- डीसी-4782 मोबाईल फोन 07, आधार कार्ड, पैन कार्ड, एटीएम कार्ड और अन्य सामान - 33000 रुपये नकद । गिरफ्तार आरोपी 1. दारा सिंह उम्र करीब 30 वर्ष, पिता - भीम सिंह, गांव हलकट्टा, थाना पूर्वी टुण्डी, जिला - धनबाद 2. चन्दर मंडल उर्फ चन्द्रदेव मंडल, पिता - स्वर्गीय बद्री मंडल , गांव करमाटांड थाना- मनियाडीह, जिला- धनबाद 3. मो. रहीम अंसारी उम्र 42 वर्ष, पिता स्वर्गीय सलीम अंसारी, ग्राम आमझर, थाना बलियापुर, जिला-धनबाद 4. संतोष पासवान उम्र करीब 36 वर्ष पिता - उमेश पासवान, ग्राम - हीरापुर, माडा कॉलोनी, थाना जिला - धनबाद , पुलिस की कार्रवाई पुलिस अधीक्षक जामताड़ा के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विकास आनन्द लागुरी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था।

सीआईएसएफ जवान पर बकरी को जहर देकर मार देने का आरोप पीड़ित महिला ने की शिकायत

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

चिरकुंडा /धनबाद। मैथन ओपी क्षेत्र के एरिया नंबर 6 की निवासी समीना खातून ने मैथन में कार्यरत एक सीआईएसएफ जवान के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। खातून ने आरोप लगाया है कि जवान ने उनकी पाँच बकरियों को जहर देकर मार दिया, जिससे उनकी आजीविका का साधन छिन गया है। समीना खातून के पास कुल 12 बकरियाँ थीं। बीते मंगलवार को एक साथ पाँच बकरियों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला ने स्थानीय पशु चिकित्सक को बुलाया, जिन्होंने जांच के बाद बताया कि सभी बकरियों की मौत जहर खाने से हुई है।पीड़िता के अनुसार, उनकी बकरियाँ अक्सर पास के सीआईएसएफ जवान (जो स्न्र/3/क्क्वार्टर में रहता है) के घर के इर्द-गिर्द घास चरती थीं, और कभी-कभी बाउंड्री के करीब चली जाती थीं। इस बात पर जवान द्वारा उन्हें कई बार धमकी भी दी गई थी।समीना खातून ने शिकायत में कहा है, मुझे पूरा विश्वास है कि हमारी बकरियों को उसी जवान द्वारा जहर दी गई है, जिसके कारण हमारी 5 बकरियों ने दम तोड़ दिया है। पीड़िता ने बताया कि ये बकरियाँ ही उनके और उनके परिवार के भरण-पोषण का एकमात्र साधन थीं। जवान की कथित हरकत से उन्हें भारी नुकसान हुआ है। समीना खातून ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाते हुए दोषी जवान पर सख्त कानूनी कार्यवाही की मांग की है। वही आमकुडा पंचायत के मुखिया कंचन महतो ने कहा कि झारखंड सरकार की योजना पशुपालन करके जीवन यापन करना और समीना खातून इसी तरह का पशुपालन करके अपना जीवन यापन कर रही थी। और पशु को जहर देकर मार देना है यह कहां का न्याय है, यह जो घटना है बहुत शर्मनाक है। मुखिया कंचन माहतो ने कहा कि समीमा खातून की जो भी क्षति पूर्ति हुई है उसे मिल बाट के अगर पूरा कर दिया जाए तो उसका जीवन यापन करने में सुविधा होगी।

महिला सुरक्षा, साइबर जागरूकता एवं अपराध नियंत्रण हेतु शांति नगर में चौपाल का आयोजन किया गया

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सहायक पुलिस आयुक्त, कृष्णानगर, रजनीश वर्मा द्वारा सरोजिनी नगर थाना प्रभारी राजदेव राम प्रजापति के नेतृत्व में शांति नगर दुर्गा स्थल पार्क में चौपाल एवं जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चौपाल में शांति नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष रितेश सिंह चौहान पंकज राय मनीष सिंह चौहान व्यापारीगढ़ महिलाएं, बच्चे, युवा एवं बुजुर्ग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और सभी ने अत्यंत उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

चौपाल के मुख्य बिंदु ः महिला सुरक्षा पर जागरूकता ः सहायक पुलिस आयुक्त ने महिलाओं से संबंधित अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने महिलाओं को हेल्पलाइन (1090 - महिला शक्ति हेल्पलाइन) तथा त्वरित पुलिस सहायता (112) का उपयोग करने की जानकारी दी। शांति नगर वासियों को यह भी बताया गया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न या हिंसा की घटना को अनदेखा न करें और तुरंत पुलिस को सूचित करें। साइबर अपराध से बचाव ः उपस्थित जनसमूह को बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति सतर्क किया गया। बताया गया कि अज्ञात लिंक, कॉल, त्तक्र कोड या ओटीपी किसी के साथ साझा न करें। साइबर ठगी की स्थिति में हेल्पलाइन 1930 अथवा www.cybercrime.gov.in* पर तुरंत शिकायत दर्ज कराएं। सीसीटीवी कैमरों की आवश्यकता ः उन्होंने कहा कि आज के समय में सीसीटीवी कैमरे अपराध नियंत्रण का सशक्त माध्यम हैं। शांति नगर में सार्वजनिक स्थलों, मुख्य मार्गों तथा प्रतिष्ठानों पर कैमरे लगाए जाने से अपराधियों पर अंकुश लगाया जा सकता है। सभी शांति नगर वासियों से सामूहिक सहयोग से कैमरे लगवाने का आग्रह किया गया। फेरी वालों व संदिग्ध व्यक्तियों से सावधानी ः द्वारा लोगों को सचेत किया गया कि कुछ असामाजिक तत्व फेरी लगाने या सामान बेचने के बहाने घरों में प्रवेश कर टप्पेबाजी अथवा चोरी जैसी घटनाओं को अंजाम देते हैं। शांति नगर वासियों से अपील की गई कि वे ऐसे व्यक्तियों पर नजर रखें, पहचान होने पर स्थानीय पुलिस को सूचित करें और अपरिचित व्यक्तियों को घरों में प्रवेश न करने दें। इस चौपाल का मुख्य उद्देश्य ग्राम स्तर पर पुलिस-जन सहयोग को मजबूत बनाना, अपराधों की रोकथाम करना तथा महिला एवं साइबर सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना रहा।

मैं एक गड़बड़ थी: शेफसै सिम्पसन के जीवन पर आधारित डॉक्यू-ड्रामा बॉर्न हंग्री बनाने पर प्रियंका चोपड़ा जोनास

प्रियंका चोपड़ा जोनास ने डॉक्यू-ड्रामा बॉर्न हंग्री के निर्माण के बारे में खुलकर बात की, बताया कि कैसे लचीलेपन की कहानियां उन्हें प्रेरित करती हैं और वाराणसी के साथ भारतीय सिनेमा में उनकी शानदार वापसी हुई। ऐसे कुछ ही वैश्विक सितारे हैं जो सांस्कृतिक अपेक्षाओं के भार को प्रियंका चोपड़ा जोनास की तरह हल्केपन और शालीनता से वहन करते हैं। महाद्वीपों के बीच दो दशकों के पुनर्निर्माण के बाद, वह पहले एक कहानीकार बनी हुई हैं। चाहे वह वेंटिलेटर जैसे कोमल पारिवारिक नाटकों पर प्रकाश डाल रही हों, महिला-प्रधान कथाओं की वकालत कर रही हों, या साहसिक अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं का समर्थन कर रही हों, एक निर्माता के रूप में प्रियंका की प्रवृत्ति सहानुभूति और प्रामाणिकता में निहित है। उनका नवीनतम उद्यम, बॉर्न हंग्री, जो 28 नवंबर से जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग शुरू करता है, शायद अब तक का उनका सबसे व्यक्तिगत है। डॉक्यू-ड्रामा शेफ सैश सिम्पसन की असाधारण यात्रा का पता लगाता है, जो अपने जीवन के लापता टुकड़ों की तलाश करते हुए चेन्नई की सड़कों से दुनिया के पाक अभिजात वर्ग तक पहुंचे। जब प्रियंका ने पहली बार उनकी कहानी सुनी, तो इस बेबाक बातचीत में, प्रियंका मानवीय लचीलेपन की शक्ति, प्रवासी भारतीयों के प्रति अपनी जिम्मेदारी, विकासवाद पर समझौता न करने की बात कहती हैं और बताती हैं कि कैसे उनकी बहुप्रतीक्षित तेलुगु फिल्म भारत में उनकी वापसी का एक रोमांचक नया अध्याय शुरू करती है।

आगे पढ़ें...

शेफसैश सिम्पसन की ष्बॉर्न हंगरीष् की कहानी सुनकर आपकी पहली प्रतिक्रिया क्या थी? मैं बिल्कुल असमंजस में थी। मेरी आँखों में आँसू थे, और मुझे कहानी और सैश के अविश्वसनीय जीवन, उनके लचीलेपन, उनकी दृढ़ता को समझने में एक-दो घंटे लग गए। इसने मुझे सचमुच बहुत प्रभावित किया। मैंने दुनिया भर में ऐसे कई बच्चों के साथ काम किया है जिनके हालात नहीं बदलते, जो इतने भाग्यशाली नहीं हैं। हम भारत में रहते हैं, हम इसे हर दिन देखते हैं। ऐसे बच्चे जिनका जीवन बहुत कठिन है। एक युवा माँ होने के नाते, मेरी बेटी बहुत छोटी है। मैं सोच भी नहीं सकती कि अगर वह दुनिया में अकेली होती, तो उसके दिमाग में क्या चल रहा होता? यह डरावना है। यह बच्ची इसी दौर से गुजरी। ईश्वर की कृपा से, उसे ऐसे फरिश्ते मिले जिन्होंने उसे अपने पैरों पर खड़ा होने में मदद की, और अब वह उन खोए हुए टुकड़ों को ढूँढ़ना चाहता है। तो मैंने उससे पूछा, ष्तुम हमसे क्या चाहते हो, और हम इस फिल्म में कैसे मदद कर सकते हैं?ष् मुझे यह जानकर बहुत अच्छा लगा कि सैश को उम्मीद है कि जियो और हॉटस्टार की मदद से उसे अपने जीवन, अपने जन्मदाता माता-पिता और अपने मूल स्थान के बारे में कुछ जानकारी मिल सकेगी। मैं उसके इस सफर का हिस्सा बनने की उम्मीद कर रहा हूँ। वह अभी भी अपने परिवार की तलाश में है, है ना? हाँ। यह तो कमाल की बात है। आपके प्रोडक्शन में वेंटिलेटर, पानी, द स्काई इज पिंक और अब बॉर्न हंग्री शामिल हैं। क्या आप स्वाभाविक रूप से जीवन रक्षा और मानवीय दृढ़ता की कहानियों की ओर आकर्षित होते हैं? जब आप इन चारों का जिक्र जोर से करते हैं, तो यह अजीब लगता है, ऐसा लगता है जैसे कोई विषयवस्तु हो। अगर मैं उन फिल्मों को देखूँ जिनका हमने समर्थन किया है, यहाँ तक कि हाल ही में आई अनुजा या टू किल अ टाइगर को भी, तो शायद मैं बस भावुक हो गया हूँ। मुझे मानवीय दृढ़ता की कहानियाँ बहुत पसंद हैं। मुझे ऐसे फिल्म निर्माताओं के साथ काम करना अच्छा लगता है जो एक छलांग लगाना चाहते हैं और खुद को सुर्खियों में लाना चाहते हैं क्योंकि हो सकता है कि उन्हें ज्यादा ध्यान न मिले, या उनकी फिल्में व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य न मानी जाएँ। लेकिन आपने जिन फिल्मों का जिक्र किया है, उन सभी को अविश्वसनीय सफलता मिली है क्योंकि वे वाकई अच्छी तरह से बनाई गई हैं। हम हमेशा तकनीकी रूप से मजबूत फिल्म निर्माण के साथ-साथ ऐसे विषय की तलाश करते हैं जो दर्शकों को प्रभावित करे, चाहे वह वेंटिलेटर जैसी कॉमेडी हो, टू किल अ टाइगर जैसा गंभीर विषय हो, या अनुजा जैसी बच्चों की कहानियाँ हों। मुझे लगता है कि ऐसी कहानियाँ कहना जिनकी जड़ें किसी प्रामाणिक जगह से हों, मुझे आकर्षित करता है। आप विश्व स्तर पर एक प्रमुख सांस्कृतिक प्रतिनिधि बन गए हैं। एक निर्माता के रूप में आपकी व्यक्तिगत यात्रा आपके निर्णयों को कितना प्रभावित करती है? मैंने विदेश में काम करना शुरू किया और बड़ी-बड़ी चुनौतियों का सामना करते हुए सफलता पाई। मैं इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देती क्योंकि मैं एक ऐसी इंसान हूँ जो बस आगे बढ़ती रहती हूँ और यही मुझे प्रेरित करता है। एक बिल्कुल अलग देश में, एक बिल्कुल अलग उद्योग में अपनी जिंदगी शुरू करना आसान नहीं होता। मैं अभी भी इससे जूझ रही हूँ। अपने अंग्रेजी-भाषी करियर में मैंने जितना काम किया है, उसके लिहाज से मैं अभी भी बहुत नई हूँ। लेकिन सीमाओं को आगे बढ़ाना और संस्कृति को आगे बढ़ाना मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। मैं जहाँ भी जाती हूँ, भारत मेरे साथ जाता है। अपने प्रोडक्शन हाउस के जरिए, मैं यह सुनिश्चित करने की कोशिश करती हूँ कि हमारे प्रवासी समुदाय की कहानियाँ और फिल्म निर्माता, जो हमारी कहानियाँ कहना चाहते हैं, उन्हें एक मंच मिले। पर्पल पेबल पिक्चर्स के साथ यही मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है। चाहे महिलाओं का समर्थन करना हो, या भारत के फिल्म निर्माता जो एक अंतरराष्ट्रीय मंच चाहते हैं। मेरा करियर भी अभी आगे बढ़ रहा हैय मैं यह दावा नहीं कर सकती कि मैं बहुत स्थापित हूँ। लेकिन मैं उनकी कहानियों और काम को आगे बढ़ाने के लिए जो कुछ भी कर सकता हूँ, मैं अपने छोटे से तरीके से करने की कोशिश करता हूँ। और मैं उन फिल्मों से खुश हूँ जिनसे हम जुड़े हैं और उन्हें जो सफलता मिली है। आपके करियर में पुनर्रचना एक अहम हिस्सा रही है। क्या आप कभी उस विकास पर विचार करते हैं? आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है और यह एक सार्वभौमिक सत्य है। मुझे लगता है कि विकास के मामले में ज्यादातर लोगों के लिए यह सच है। हर चीज की एक ध्यान अवधि होती है। आपको यह जानने के लिए जागरूक और समझदार होना होगा कि आपको कब खुद में विकास की जरूरत है, चाहे वह व्यवसाय में हो, कला में हो, किसी भी नौकरी में हो, या फिर असल जिंदगी में भी। विकास और बदलाव जीवन के सबसे स्थायी कारक हैं, और हम सभी को इन्हीं का पीछा करना चाहिए, क्योंकि तभी आप विकसित होते हैं। लेकिन हाँ, यह जरूरत से आता है। एसएस राजामौली और महेश बाबू के साथ आपकी आने वाली तेलुगु फिल्म वाराणसी को लेकर काफी उत्साह है। इस समय आप क्या साझा कर सकते हैं? मैं केवल वही बता सकता हूँ जो राजामौली सर बताते हैं, यानी आज आपने पृथ्वी का लुक देखा। 15 तारीख को हैदराबाद में एक बड़ा कार्यक्रम हुआ, जहाँ राजामौली सर ने वो सब कुछ बताया जो वो बताना चाहते थे, और आने वाले दिनों में और भी बहुत कुछ होगा। यह भारतीय सिनेमा में मेरी वापसी है, और सर जैसे दूरदर्शी फिल्म निर्माता के साथ इतनी बड़ी और भव्य फिल्म में काम करना बेहद रोमांचक है। जब मैं पहली बार इस प्रोजेक्ट से जुड़ा था, तब मैंने भी इस तमाशे की कल्पना नहीं की थी जो मैं अब देख रहा हूँ। मुझे लगता है कि यह फिल्म भारतीय सिनेमा को दुनिया भर में एक बड़ा मुकाम दिलाएगी, जैसा कि उनकी अन्य फिल्मों ने किया है। महेश, पृथ्वी और पूरी टीम के साथ काम करना अद्भुत रहा। वापस आना अलग अनुभव है। मैं तेलुगु नहीं बोलता, लेकिन मैं फिल्म में तेलुगु बोल रहा हूँ। मुझे भाषाएँ और संस्कृति बहुत पसंद हैं, इसलिए मैं भाषा सीखने और अपने संवाद प्रामाणिकता के साथ बोलने के लिए एक बोली प्रशिक्षक के साथ काम कर रहा हूँ। यह एक चुनौती है, एक रोमांचक चुनौती। राजामौली सर अपने कलाकारों को बेहतरीन अभिनय के लिए बहुत प्रेरित करते हैं। मुझे उम्मीद है कि इतने सालों बाद भारतीय सिनेमा में मेरी वापसी का नतीजा लोगों को पसंद आएगा। आप लगातार लॉस एंजिल्स, हैदराबाद और मुंबई के बीच आते-जाते रहते हैं। आप इस वैश्विक दिनचर्या को कैसे मैनेज कर रहे हैं? यह सच है। दुनिया मेरे लिए एक सीप है, और मैं हवाई जहाज को एक चलती-फिरती लोकल की तरह मानता हूँ। आपको वही करना होगा जो आपको करना है। जैसा मैंने कहा, आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है और मैंने इसे पूरी तरह से अपनाया है। मैं कोशिश करता हूँ। यह आसान नहीं है, मैं आपको बता दूँ।

अमेरिकी रैपर ट्रैविस स्कॉट के मुंबई में हुए कॉन्सर्ट में चोरी की कई घटनाएं हुईं। मुंबई पुलिस के अनुसार, शो के दौरान कई लोगों के मोबाइल फोन और ज्वेलरी चोरी हो गईं। चोरी हुए सामान की कुल कीमत लगभग 18 लाख रुपए बताई जा रही है। यह कॉन्सर्ट 19 नवंबर को मुंबई के महालक्ष्मी रेस कोर्स में हुआ था, जहां हजारों फैंस स्कॉट के हिट गानों पर झूमते नजर आए। भीड़ का फायदा उठाकर कुछ लोगों ने चोरी की वारदातों को अंजाम दिया। पुलिस के मुताबिक, अब तक की जांच में 24 मोबाइल फोन और 12 गोल्ड चेन चोरी होने की शिकायतें मिली हैं। कई लोग कॉन्सर्ट खत्म होने के बाद ताड़देव पुलिस स्टेशन पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस द्वारा अज्ञात लोगों के खिलाफमामला दर्ज पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफभारतीय न्याय संहिता (ठछै) की धारा 303(2) और 304 के तहत मामला दर्ज किया है। अब मामले की जांच जारी है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस कॉन्सर्ट स्थल पर लगे ब्ब्ज्ट फुटेज की जांच कर रही है ताकि चोरी करने वालों की पहचान की जा सके। पुलिस टीम चोरी गए सामान को बरामद करने और आरोपियों को पकड़ने की कोशिश में जुटी है। ट्रैविस स्कॉट, जिनका असली नाम जैक्स बर्मन वेबस्टर प्प् है, एक अमेरिकी रैपर, सिंगर और म्यूजिक प्रोड्यूसर हैं। ट्रैविस स्कॉट का मुंबई कॉन्सर्ट उनके 'सर्कस मैक्सिमस वर्ल्ड टूर 2025' का हिस्सा था। इससे पहले उन्होंने दिल्ली में भी 18 और 19 अक्टूबर को परफॉर्म किया था। भारत में इस टूर को बुक माय शो लाइव इन इंडिया ने प्रोड्यूस और प्रमोट किया था। बता दें कि ट्रैविस स्कॉट अपने अलग म्यूजिक स्टाइल और जोश से भरे लाइव शो के लिए मशहूर हैं। उनके कई गाने जैसे सिको मोड, एंटीडोट, गूजबंप्स और हाईएस्ट इन द रूम, बिलबोर्ड हॉट 100 चार्ट में टॉप पर रहे हैं।

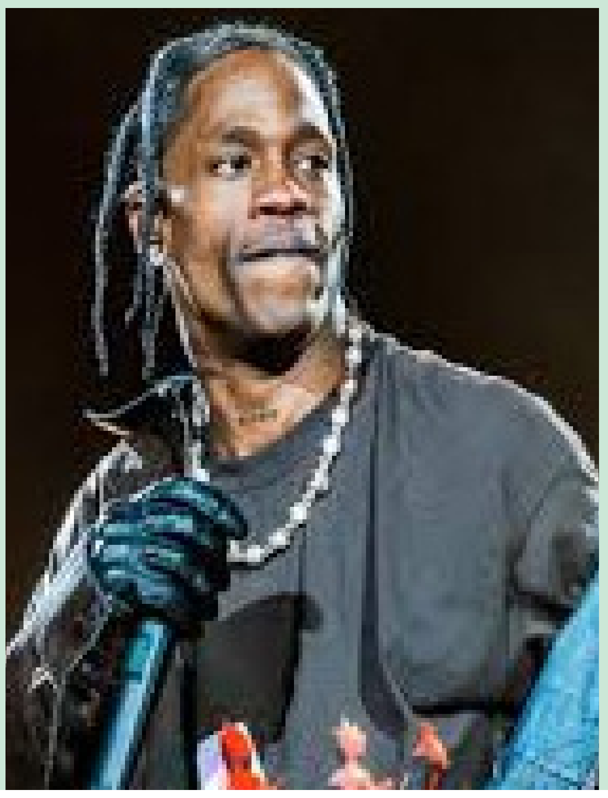

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वो आए दिन फैंस को अपनी लाइफके बारे में अपडेट देती रहती हैं. फैंस को भी श्रद्धा की फिल्मों का बेसब्री से इंतजार रहता है. श्रद्धा की कोई फिल्म आए लंबा समय हो गया है. वो आखिरी बार फिल्म स्त्री 2 में नजर आईं थीं. अब फैंस श्रद्धा को बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं

. एक्ट्रेस ने अपने अगले प्रोजेक्ट ईथा की शूटिंग भी शुरू कर दी है. मगर रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म की शूटिंग को रोक दिया गया है क्योंकि एक्ट्रेस को चोट लग गई है. हुआ फ्रैक्चर मिड डे की रिपोर्ट के मुताबिक श्रद्धा कपूर लावणी परफॉर्म कर रही थीं जब उन्हें पैर में चोट लगी. रिपोर्ट के मुताबिक लावणी म्यूजिक में आमतौर पर तेज बीट्स और तेज टेम्पो होता है. अजय-अतुल के बनाए इस गाने में, श्रद्धा ने एक चटक नौवारी साड़ी, भारी ज्वेलरी और कमरपट्टा पहने हुए ढोलकी की धुन पर एक के बाद एक कई स्टेप्स किए. यंग विथाबाई का रोल करने के लिए श्रद्धा ने 15 किलो से ज्यादा वजन बढ़ाया है. एक स्टेप में उन्होंने गलती से अपना सारा वजन अपने बाएं पैर पर डाल दिया, और इस वजह से उसका बैलेंस बिगड़ गया. जिससे उनकी पैर की उंगली में फ्रैक्चर हो गया है. रोक दी शूटिंग श्रद्धा को चोट लगने के बाद डायरेक्टर लक्ष्मण उतेकर ने फिल्म की शूटिंग रोक दी है मगर श्रद्धा ने इसके बजाय क्लोज-अप सीन शूट करने के लिए शेड्यूल में बदलाव करने का सुझाव दिया. मुंबई वापस आने के बाद शूटिंग मड आइलैंड में शुरू हो गई है. जहां पर श्रद्धा ने कुछ इमोशनल सीन्स शूट किए हैं. हालांकि कुछ दिनों बाद श्रद्धा के पैर में दर्द ज्यादा बढ़ गया जिसके बाद शूटिंग रोकनी पड़ी. अब यूनिट दो हफ्ते बाद दोबारा मिलेगी जब श्रद्धा पूरी तरह से ठीक हो जाएंगी. ईथा की बात करें तो ये मशहूर डांसर, एक्टर और तमाशा आर्टिस्ट विथाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर की जिंदगी पर बन रही फिल्म है.

फ्रांस की धमाकेदार शुरुआत, ऑस्ट्रेलिया और स्विट्जरलैंड ने भी दर्ज की जीत

चेन्नई में बादलों से ढके आसमान के बीच शनिवार को थ्भ् जूनियर मेंस हॉकी वर्ल्ड कप 2025 का रोमांच अपने चरम पर रहा हैं। शुरुआती मुकाबलों में पिछले संस्करण की उपविजेता फ्रांस ने जबरदस्त धमाका करते हुए दक्षिण कोरिया को 11–1 के बड़े अंतर से मात दी हैं। बता दें कि यह मैच पूल थ् के तहत मेयर रामनाथन हॉकी स्टेडियम में खेला गया, जहां फ्रांस ने शुरुआत से ही अपना दबदबा कायम रखा हैं। गौरतलब है कि फ्रांस के सात खिलाड़ियों ने गोल किए, जिसमें आर्थर प्लोचे की शानदार हैट्रिक मुख्य आकर्षण रही हैं। विक्टर सेंट–मार्टिन और गाबिन लोरेजुरी ने दो–दो गोल दागे, जबकि बाकी गोल ओपन प्ले और पेनल्टी कॉर्नर से आए। मौजूद जानकारी के अनुसार, मैच की शुरुआत सिर्फ91 सेकंड में ही गोल के साथ हुई, जिसने कोरिया को पूरी तरह दबाव में ला दिया। वहीं फ्रांस के गोलकीपर एंटोइन रॉबर्ट ने तीन बेहतरीन बचाव कर दर्शकों से खूब तालियां बटोरी हैं। फ्रांस का मिडफील्ड पूरे मैच में शानदार तालमेल के साथ खेलता दिखा। लगातार पोजिशन बदलना, आगे गिरकर खेलना और कोरिया की डिफेंस को भ्रमित करना फ्रांस की बड़ी जीत की वजह बनी हैं। ऑस्ट्रेलिया बनाम बांग्लादेश दृ बारिश ने बदला मैच का रंग पूल थ् के दूसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को 5–3 से हराया हैं। मैच की शुरुआत बेहद तेज रही, जहां ऑस्ट्रेलिया के ओलिवर विल ने 46 सेकंड में गोल दाग दिया। हालांकि बांग्लादेश ने जल्द ही लय पकड़ी और अमीरुल इस्लाम ने पेनल्टी कॉर्नर से उनका पहला गोल दागा। दूसरे क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया ने अपने पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया और लगातार गोल दागकर 4–1 की बढ़त बना ली। लेकिन बारिश बढ़ने के साथ ही मैच का रुख बदल गया। पिच पर पानी भरने से ऑस्ट्रेलिया की तेजी कम हुई और बांग्लादेश ने वापसी का दम दिखाया हैं। अमीरुल ने अपनी हैट्रिक पूरी करते हुए स्कोर 5–3 तक ला दिया, लेकिन शुरुआती अंतर बड़ा साबित हुआ और ऑस्ट्रेलिया ने जीत बरकरार रखी हैं। स्विट्जरलैंड ने चिली को 3–2 से हराया दृ ग्रुप ठ में बढ़त शाम के पहले मुकाबले में स्विट्जरलैंड ने चिली को 3–2 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की हैं।

चौरिटी के लिए चार करोड़ 12 लाख रुपये जुटाए

दिल्ली हाफमैराथन (डीएचएम) के आयोजक पिछले महीने प्रतियोगिता के 20वें सत्र के बाद 16 सामाजिक कार्यों के लिए 4.12 करोड़ रुपये जुटाने में कामयाब रहे। दिल्ली हाफमैराथन के आयोजकों ने एक बयान में कहा, ‘‘हमारे साझेदार लक्ष्य के समर्थन से एनजीओ, फंडरेजर, कारपोरेट और धावकों ने अलग–अलग सामाजिक कार्यों के लिए 4.12 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए।’’ बयान में दावा किया गया कि दो दशक में डीएचएम चौरिटी के लिए 88 करोड़ रुपये से अधिक जुटा चुका है।

विराट का बड़ा बयान: मैं सिर्फएक ही फॉर्मेट खेल रहा हूँ, टेस्ट वापसी की अटकलों पर पूर्ण विराम!

रांची में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफपहले वनडे में अपनी टीम की जीत और मैच जिताऊ शतक के बाद, भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने अपनी तैयारी और खेल के प्रति अपने दृष्टिकोण के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह ज्यादा तैयारी में विश्वास नहीं रखते, बल्कि उनका सारा क्रिकेट मानसिक है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह खेल का सिर्फएक ही प्रारूप खेलेंगे। 2027 के वनडे विश्व कप से पहले अपने वनडे भविष्य को लेकर चल रही तमाम चर्चाओं के बीच विराट ने प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध करना जारी रखा। कोहली ने अपना 52वां वनडे शतक जड़ा और एक बल्लेबाज द्वारा एक ही प्रारूप में सर्वाधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया। 120 गेंदों में 11 चौकों और सात छक्कों की मदद से विराट ने 135 रन बनाए, जिससे यह हाल के दिनों में उनके सबसे यादगार शतकों में से एक बन गया। मैच के बाद की प्रस्तुति के दौरान बोलते हुए, विराट ने कहा कि वह आनंद के माहौल में रहना चाहते हैं। इस साल मई में संन्यास की घोषणा के बाद, घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ0–2 से मिली हार के बाद बीसीसीआई द्वारा उनसे टेस्ट क्रिकेट में वापसी का अनुरोध किए जाने की मीडिया रिपोर्टों के बीच, विराट ने स्पष्ट किया कि वह खेल का केवल एक ही प्रारूप खेल रहे हैं और यह इसी तरह चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि आज इस तरह से मैच में उतरना वाकई बहुत अच्छा लगा।

2027 वनडे विश्व कप की तैयारी?

रांची। यह कहना अभी जल्दी होगा कि वे इसी ढर्रे पर आगे बढ़ेंगे या नहीं, लेकिन अगर यह बदलाव स्थायी है तो शायद इतिहास इस मैच को उस मैच के रूप में याद रखेगा, जहां विराट कोहली ने अपने वनडे करियर का अंतिम रूप चुना। रांची के मैदान पर रविवार, 30 नवंबर को कुछ असाधारण हुआ। विराट कोहली, जिन्हें उनकी नियंत्रित बल्लेबाजी, रनिंग बिटवीन द विकेट्स और धैर्यपूर्ण बिल्ड-अप के लिए जाना जाता है, अचानक एक नए किरदार में नजर आए। उनकी पारी की शुरुआत ही दो दमदार छक्कों से हुई, कुछ ऐसा जो कोहली शायद ही कभी अपने शुरुआती ओवरों में करते हैं, लेकिन इसी बदलाव ने चर्चा को जन्म दिया कि क्या विराट अपने खेल को बदल रहे हैं? और क्या ये बदलाव 2027 वनडे विश्व कप की तैयारी का हिस्सा है? पारी की शुरुआतरू एंकर नहीं, अटैकर यशस्वी जायसवाल के जल्दी आउट होने के बाद आमतौर पर कोहली

पारी को संभालने की जिम्मेदारी उठाते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी पेसर्स को बैकफुट और फ्रन्टफुट दोनों पर चुनौती दी और पिच के व्यवहार को देखते हुए तुरंत अपने गियर बदल लिए। यह कोहली का वही अंदाज था जिसे उन्होंने बहुत कम मौकों पर अपनाया है, लेकिन हर बार क्रिकेट जगत को हैरान किया है।क्या ये रणनीति का बदलाव? यह सवाल इस पारी को खास बनाता है कि क्या यह सिर्फ कंडीशन के हिसाब से खेला गया आक्रामक नॉक था? या कोहली अब अपनी वनडे बल्लेबाजी को तीसरे चरण में ले जा रहे हैं, जहां अनुभव और शक्ति एक साथ दिखाई दे? रांची वनडे कोहली के वनडे करियर का सिर्फतीसरा मौका था जहां उन्होंने सात छक्के लगाए। इससे पहले उन्होंने ऐसा 2023 में श्रीलंका के खिलाफ (आठ छक्के) और 2013 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ (सात छक्के) किया था। इन सभी पारियों में एक पैटर्न है, जब कोहली अपने शॉट्स को आजादी से खेलते हैं, तो वो सिर्फ रन नहीं बनाते, मैच की कहानी बदल देते हैं। रन-एक्सेलरेशनरू तकनीक वही, इरादा नया इस पारी में कोहली की शॉट-सिलेक्शन बेहद खास रही। उसी लेंथ की गेंदों पर उन्होंने तीन अलग-अलग शॉट खेले। एक शॉट लॉन्ग ऑफ, दूसरा शॉट लॉन्ग ऑन और तीसरा शॉट मिड विकेट पर खेला गया। यही वजह थी कि दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज फील्ड सेट करने में असफल रहे। कोहली सिर्फरन नहीं बना रहे थे, वो पेसर्स और फील्डिंग प्लान्स को क्लासरूम में पढ़ा रहे थे। रोहित शर्मा से तुलनारू दोनों की रणनीति में बदलाव हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित शर्मा ने भी अपनी बल्लेबाजी के अंदाज में बदलाव किया था। उन्होंने अपनी हिट-या-मिस आक्रामक शैली से हटकर फिर से क्लासिकल वनडे एंकर की भूमिका निभाई थी और अब कोहली इसके उलट, एनर्जी-इनिशिएटेड वनडे मॉडल पर चलते दिखे। क्या यह महज संयोग है? शायद नहीं। भारतीय टीम फिलहाल बदलाव के दौर में है, जहां शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर और तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ी भविष्य की तैयारी में हैं। ऐसे में कोहली जानते हैं कि प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है और बदलाव जरूरी है। विशेषज्ञों की रायरू क्यों ये पारी ऐतिहासिक हो सकती है इस पारी पर दो महान खिलाड़ियों की टिप्पणियां चर्चा में रहीं।

क्या विराट कोहली टेस्ट में करेंगे वापसी?

रांची। रांची में विराट कोहली ने न सिर्फबल्ले से बल्कि बयान से भी साफ कर दिया कि टेस्ट वापसी की चर्चा अब समाप्त कर देनी चाहिए। वह अब सिर्फ वनडे फॉर्मेट में ही दिखाई देंगे। फैंस भले ही उन्हें एक बार फिर सफेद जर्सी में देखने की उम्मीद रखते हों, लेकिन फिलहाल कोहली का फैसला बिल्कुल स्पष्ट और अंतिम है। भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट में वापसी को लेकर चली आ रही अटकलों पर अब खुद कोहली ने बड़ा बयान दे दिया है। रांची में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफशानदार शतक जड़ने के बाद कोहली ने साफशब्दों में कह दिया कि वह अब सिर्फवनडे क्रिकेट पर ध्यान देंगे और टेस्ट क्रिकेट में वापसी की कोई योजना नहीं है। कोहली की स्पष्ट प्रतिक्रिया पहले वनडे मैच के बाद पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन में जब कोहली से टेस्ट में वापसी को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट जवाब दिया। कमेंटेटर हर्षा भोगले ने पूछा- आप एक फॉर्मेट में खेलते हैं और क्या आगे भी ऐसा ही रहने वाला है? इस पर कोहली ने कहा- हां और यही आगे भी रहने वाला है। मैं सिर्फएक फॉर्मेट खेल रहा हूं।श् 37 वर्षीय

कोहली ने आगे कहा कि इतने लंबे करियर के बाद उनके लिए सबसे जरूरी है कि वे वही खेलें जिसमें उनका शरीर और दिमाग पूरी तरह तैयार हो। प्लेयर ऑफद मैच अवॉर्ड जीतने के बाद कोहली ने कहा, श्300 से ज्यादा मैच खेलने के बाद आप समझ जाते हैं कि कब रिफ्लेक्सेस और शारीरिक क्षमता सही है। जब तक मैं फिट और उत्साहित हूं, वनडे क्रिकेट का आनंद लेता रहूंगा।श् ठब्ब्प् की प्रतिक्रिया हाल ही में मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि बीसीसीआई विराट कोहली और रोहित शर्मा से टेस्ट रिटायरमेंट वापस लेने की बातचीत कर रहा है, खासकर भारत की लगातार दो घरेलू टेस्ट सीरीज हार के बाद, लेकिन बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इन रिपोर्ट्स को खारिज करते हुए कहा, श्विराट कोहली को लेकर जो बात फैलाई जा रही है वह सिर्फ अफवाह है। इस बारे में उनसे कोई बातचीत नहीं हुई है। ऐसी खबरों पर ध्यान न दें।श् रांची में कोहली ने जड़ा 52वां वनडे शतक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे में कोहली ने शानदार 135 रन (120 गेंद) की पारी खेली, जिसमें 11 चौके और सात छक्के शामिल थे। उनकी इस पारी के दम पर भारत ने मैच 17 रन से जीता और सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई। इस शतक के साथ कोहली ने एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

उन्होंने किसी भी फॉर्मेट में सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय शतकों का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने सचिन तेंदुलकर के टेस्ट में 51 शतकों को पीछे छोड़ा और 83वां अंतरराष्ट्रीय शतक पूरा किया। केविन पीटरसन का बयान टेस्ट वापसी की अफवाहों पर पूर्व इंग्लिश क्रिकेटर केविन पीटरसन ने कहा कि अगर

कोहली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के किसी प्रारूप में सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज, सचिन से आगे निकले

रांची। कोहली के वनडे करियर का यह 52वां और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का 83वां शतक है। कोहली 102 गेंदों पर सैकड़ा पूरा किया। यह इस साल उनका वनडे प्रारूप में दूसरा शतक है। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे मैच में शतक लगा दिया है। कोहली इस मैच में लय में नजर आए और उन्होंने शुरुआत से ही आक्रामक रवैया अपनाए रखा। कोहली के वनडे करियर का यह 52वां और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का 83वां शतक है। कोहली 102 गेंदों पर सैकड़ा पूरा किया। यह इस साल उनका वनडे प्रारूप में दूसरा शतक है। इससे पहले उन्होंने चौंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 100 रन बनाए थे। कोहली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे मैच में 120 गेंदों पर 11 चौकों और सात छक्के की मदद से 135 रन बनाकर आउट हुए। रोहित के साथ निभाई साझेदारी रोहित शर्मा और विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे मैच में शानदार बल्लेबाजी की। कोहली ने इस दौरान रोहित के साथ शानदार साझेदारी निभाई।नांद्रे बर्गर ने यशस्वी जायसवाल को आउट कर भारत को पहला झटका दिया। यशस्वी ने तेज शुरुआत दिलाई थी, लेकिन वह इस लय को बरकरार नहीं रख सके और विकेट के पीछे डि कॉक को कैच थमा बैठे। इसके बाद रोहित ने कोहली के साथ मिलकर मोर्चा संभाला और दोनों बल्लेबाजों के बीच 109 गेंदों पर 136 रनों की साझेदारी हुई। रोहित अच्छी लय में दिख रहे थे, लेकिन मार्को यानसेन ने एलबीडब्ल्यू आउट कर उन्हें पवेलियन की राह दिखाई। इस तरह रोहित और कोहली के बीच यह साझेदारी टूट गई। रोहित 51 गेंदों पर पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से 57 रन बनाकर आउट हुए। कोहली के वनडे में अब 52 शतक हो गए हैं और वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में किसी प्रारूप में सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। कोहली से पहले ये रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम था जिन्होंने टेस्ट में 51 शतक लगाए थे।

अर्थ जगत

विनिर्माण सेक्टर में सुस्तीय क्रय प्रबंधक सूचकांक गिरकर 56.6 पर, फरवरी के बाद सबसे धीमा सुधार

नई दिल्ली। देश के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर नवंबर में सुस्ती दर्ज की गई है। एचएसबीसी के नवीनतम मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई आंकड़ों के मुताबिक इंडेक्स अक्तूबर के 59.2 से घटकर नवंबर में 56.6 पर पहुंच गया। हालांकि यह स्तर अभी भी 50.0 के न्यूट्रल मार्क और 54.2 के दीर्घकालिक औसत से ऊपर है। भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में नवंबर में नवंबर मे मंदी दिखाई दी है। एचएसबीसी की ताजा विनिर्माण पीएमआई आंकड़ों के अनुसार, सूचकांक नवंबर में फिसलकर 56.6 पर आ गया। यह अक्तूबर में 59.2 पर था। हालांकि इंडेक्स अब भी 50.0 के न्यूट्रल स्तर और 54.2 के दीर्घकालिक औसत से ऊपर बना हुआ है। फिर भी यह फरवरी के बाद से परिचालन स्थितियों में सबसे धीमा सुधार दर्शाता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि यह नरमी कई प्रमुख संकेतकों में दिखाई दे रही है। नए ऑर्डर, उत्पादन, क्रय गतिविधि और रोजगार सभी में वृद्धि हुई है लेकिन ये फरवरी के बाद से सबसे धीमी है। नए निर्यात ऑर्डरों में आई गिरावट महत्वपूर्ण बात यह है कि नए निर्यात ऑर्डर एक साल से भी ज्यादा समय में सबसे कम गति से बढ़े। यह बाहरी मांग में नरमी का संकेत है। बिक्री में धीमी वृद्धि ने खरीदारी की मात्रा और रोजगार सृजन को भी सीमित कर दिया। वहीं भविष्य के उत्पादन के प्रति समग्र धारणा 2022 के मध्य के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई। नए ऑर्डरों की वृद्धि में मंदी के कारण निर्माताओं ने अपनी भर्ती और क्रय गतिविधियों को समायोजित किया। इसमें फरवरी के बाद से सबसे कमजोर वृद्धि देखी गई। श्रम बाजार में दिखा नकारात्मक रुझान इसमें यह भी बताया गया है कि रोजगार में वृद्धि जारी है, हालांकि वर्तमान 21 महीने की अवधि में यह सबसे धीमी गति से हो रही है, जिससे श्रम बाजार की गति में उल्लेखनीय गिरावट देखी जा रही है। क्या कहते हैं उत्पाद के रुझान? उत्पादन में भी यही रुझान रहा, तेज गति से वृद्धि हुई, लेकिन फिर भी यह फरवरी के बाद सबसे कम रहा। जहां कुछ कंपनियों ने बताया कि नए कारोबार में वृद्धि और दक्षता में वृद्धि ने उनके उत्पादन स्तर को सहारा दिया, वहीं अन्य कंपनियों ने कहा कि कुछ उत्पादों की कम मांग ने उनकी इकाइयों में उत्पादन को सीमित कर दिया। सकारात्मक धारणा तीन साल के नीचले स्तर पर रिपोर्ट में कहा गया है कि बाहरी मोर्चे पर, कंपनियों ने संकेत दिया है कि अफ्रीका, एशिया, यूरोप और मध्य पूर्व के ग्राहकों से मिले ज्यादा ऑर्डरों के कारण अंतरराष्ट्रीय बिक्री अनुकूल बनी हुई है।

एसबीआई की रिपोर्ट: बैंकों के लिए खुशखबरी! कंपनियों के आईपीओ का पैसा खत्म, अब फिर बढ़ेगी लोन की रफ्तार

नई दिल्ली। एसबीआई ने साफ किया है कि हाल ही में लोन की मांग में जो कमी आई थी, वो कोई बड़ी परेशानी नहीं थी, बल्कि बस कुछ समय की बात थी। चीजें फिर बदलने लगी हैं। ऐसे में लोन की मांग अब फिर बढ़ने का अनुमान है। भारतीय स्टेट बैंक ने अपनी रिपोर्ट में क्या-क्या कहा है, आइए जानते हैं विस्तार से।

बैंकिंग सेक्टर के लिए एक अच्छी खबर है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (ैठप्) की एक नई रिपोर्ट आई है जो कहती है कि बैंकों का लोन बांटना जो पिछले कुछ समय से थोड़ा धीमा पड़ गया था, अब फिर से तेजी पकड़ने वाला है। रिपोर्ट का कहना है कि जैसे-जैसे कंपनियों को अपने रोजमर्रा के काम-काज के लिए पैसों की जरूरत पड़ेगी, लोन की मांग भी बढेघ्गी। लोन की रफ्तार क्यों धीमी पड़ी? एसबीआई ने साफ किया है कि हाल ही में लोन की मांग में जो कमी आई थी, वो कोई बड़ी परेशानी नहीं थी, बल्कि बस कुछ समय की बात थी। इसका सबसे बड़ा कारण था शेयर बाजार में आईपीओ (प्च्वे) की बाढ़! ढेर सारी कंपनियों ने आईपीओ लाकर बाजार से खूब पैसा उठा लिया। जब जेब में आईपीओ का सस्ता पैसा आ गया, तो कंपनियों ने सोचा, ष्बैंक से लोन लेकर ब्याज क्यों भरें?ष् उन्होंने उसी पैसे से अपने काम निपटा लिए और पुराने लोन भी चुका दिए। इसी वजह से बैंकों का धंधा थोड़ा मंदा हो गया था। एसबीआई की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, ष्वो आईपीओ वाला पैसा अब लगभग खर्च हो चुका है, तो अब कंपनियों को फिर से बैंकों के दरवाजे खटखटाने ही पड़ेंगे!ष् एसबीआई ने पुराने रिकॉर्ड खंगाले तो एक दिलचस्प बात सामने आई। वैसे तो आईपीओ और बैंक लोन में कोई सीधा श्एक-के-बदले-एकश् वाला कनेक्शन नहीं है, लेकिन अक्सर ऐसा देखा गया है कि ये दोनों उल्टी दिशा में चलते हैं। जिस साल कंपनियों ने आईपीओ से अधिक पैसा जुटाया, उस साल उन्होंने बैंकों से कम उधार लिया। जब शेयर बाजार से पैसा मिल रहा हो, तो बैंक के पास कौन जाएगा? आंकड़े बताते हैं कि जिन सेक्टर्स ने आईपीओ में धूम मचाई, उन्होंने ही बैंक लोन कम लिए। इन क्षेत्रों में फाइनेंस, ऑटोमोबाइल, दवाइयां, टेलीकॉम, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और इन्फ्रास्ट्रक्चर आदि शामिल हैं। अब वर्किंग कैपिटल की मांग फिर क्यों बढ़ रही? एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार अब फिर बदलाव दिखने लगा है। कंपनियां अब श्वर्किंग कैपिटलश् यानी रोज के खर्चों के लिए पैसा मांग रही हैं। यह इस बात का पक्का सबूत है कि लोन की डिमांड वापस आ रही है। देश की इकोनॉमी बढ़िया चल रही है, जीडीपी के आंकड़े मजबूत हैं और फैक्ट्रियों में उत्पादन बढ़ रहा है। जब काम बढ़ेगा, तो कच्चा माल खरीदने और सप्लाई चेन चलाने के लिए नकद पैसा तो चाहिए ही। कंपनियों का अपना पैसा और आईपीओ का फंड अब इस्तेमाल हो चुका है। अब नए काम के लिए उन्हें फिर से बैंक से लोन लेना ही पड़ेगा। एसबीआई का मानना है कि कंपनियां अब अपनी क्रेडिट लिमिट का ज्यादा इस्तेमाल कर रही हैं, जो बताता है कि आने वाले दिनों में लोन की ग्रोथ शानदार होगी। ऐसे हालात में आरबीआई का क्या रोल? अब ऐसे माहौल में आरबीआई (त्ठप्) का रोल बहुत अहम हो जाता है। एसबीआई का कहना है कि केंद्रीय बैंक को बस यह ध्यान रखना होगा कि सिस्टम में पैसों की कमी न हो। आरबीआई को यह सुनिश्चित करना होगा कि बैंकों के पास बांटने के लिए पर्याप्त नकद हो। अगर सिस्टम में लिक्विडिटी (तरलता) बनी रही, तो ब्याज दरें काबू में रहेंगी और लोन लेना आसान होगा।

एलपीजी गैस कीमतों से लेकर आधार अपडेट के नियमों तक, 1 दिसंबर से लागू हुए ये बड़े बदलाव

नई दिल्ली। आज 1 दिसंबर से जो नए बदलाव लागू हुए हैं उनके बारे में आपको समझना जरूरी है, ताकि आप न केवल अपने बजट और योजनाओं को समय पर अपडेट कर सकें बल्कि भविष्य में होने वाली किसी प्रकार की असुविधा से भी अपने आप को बचा सकें। हर महीने की पहली तारीख नीतियों, दरों और कई प्रक्रियाओं में बदलाव लेकर आती है। आज 1 दिसंबर से कई अहम बदलाव लागू हुए हैं, जिनके बारे में पता होना जरूरी है नहीं तो आपको कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। आज से कुछ बदलाव लागू हुए हैं, जो सीधे तौर पर आम उपभोक्ताओं, कर्मचारियों आदि लोगों को प्रभावित करने का काम करेंगे। आज 1 दिसंबर से जो नए बदलाव लागू हुए हैं उनके बारे में आपको समझना जरूरी है, ताकि आप न केवल अपने बजट और योजनाओं को समय पर अपडेट कर सकें बल्कि भविष्य में होने वाली किसी प्रकार की असुविधा से भी अपने आप को बचा सकें। 1 दिसंबर से कौन कौन से बदलाव प्रभावी हो चुके हैं और वे आपके वित्तीय फैसलों को किस तरह से प्रभावित करने का काम करेंगे आइए जानते हैं इनके बारे में विस्तार से - एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत हर महीने की पहली तारीख को तेल कंपनियां एलपीजी गेस की

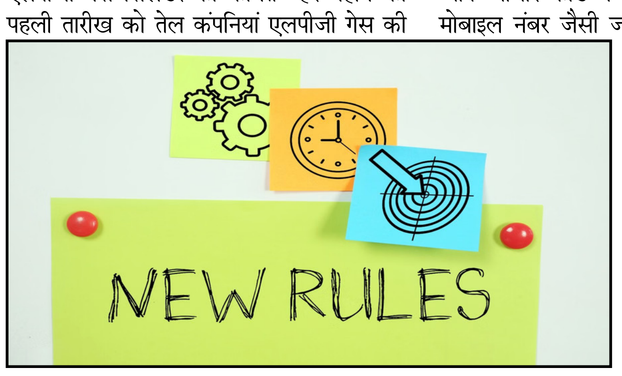

कीमतों में बदलाव करती हैं। 1 दिसंबर से नए बदलाव लागू हो चुके हैं। 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में 10 रुपये की कटौती की गई है। नई कीमतें आज से लागू हो चुकी हैं। वहीं घरेलु एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। आधार से जुड़े नियम 1 दिसंबर से आधार से जुड़ा एक नया नियम भी लागू हो चुका है। इसके तहत आप आधार कार्ड में नाम, पता, जन्मतिथि और मोबाइल नंबर जैसी जानकारी को ऑनलाइन भी भरा जा सकेगा। इसमें डाटा का सत्यापन पैन कार्ड, पासपोर्ट या किसी दूसरे जरूरी सरकारी रिकॉर्ड से किया जा सकेगा। हाल ही में आधार का नया भी लॉन्च किया गया था। ट्रैफिक से जुड़े नियम कई राज्यों ने ट्रैफिक से जुड़े कुछ नियम भी लागू किए हैं। अब ऑनलाइन चालान की पेमेंट करने पर आपको अतिरिक्त प्रोसेसिंग फीस देनी पड़ सकती है। वहीं अगर आपके पास च्न्ब् प्रमाण पत्र नहीं है तो भारी जुर्माना देना होगा। 1 दिसंबर से ईपीएफओ ने कई नए बदलाव किए हैं। इसमें न्छ-ज्ञल्ब् लिंकिंग, ई-नॉमिनेशन, और मासिक पेंशन अपडेट के नियमों में बदलाव किए गए हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल न. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।